जबलपुर

गुरुवार, 4 दिसंबर 2025

अगहन मास शुक्ल पक्ष-14

वर्ष : 20, अंक : 215

पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 *

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

मौसम

अधि. 26

न्यून. 14

विराट कोहली ने वनडे में जड़ा 53वां शतक

11वीं बार बैक-टू-बैक शतक जड़कर बनाया अनोखा रिकॉर्ड

सचिन तेंदुलकर की कर ली बराबरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

साउथ अफ्रीका के खिलाफ दूसरे वनडे मैच में विराट कोहली का बल्ला एक फिर चला। उन्होंने दमदार पारी खेलते हुए सीरीज में लगातार दूसरा शतक जड़ा। कोहली ने 90 गेंद पर अपने वनडे करियर का 53वां शतक पूरा किया। इस शतक की बदौलत कोहली ने कई रिकॉर्ड अपने नाम कर गए। उनके नाम अब लगातार दो, या उससे ज्यादा वनडे पारियों में शतक लगाने का 11वां रिकॉर्ड है। यानी कि कोहली ने दो या उससे अधिक वनडे मैच में लगातार 11वीं बार शतक जमाया है। इस लिस्ट में साउथ अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स दूसरे नंबर पर हैं। एबी डिविलियर्स ने छह बार दो या उससे अधिक वनडे मैच में लगातार शतक जड़े हैं।

महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा में प्रदेश में लाड़लियों को लेकर मुख्यमंत्री ने दिए सख्त निर्देश

कड़ी निगरानी करें और कुपोषण से मुक्ति के लिए फुल प्रूफ प्लान बनाएं, लाड़ली बेटियों के ड्रॉप आउट हर हाल में रोकें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि लाड़ली लक्ष्मी योजना प्रदेश की बेटियों के उज्ज्वल भविष्य से जुड़ी अत्यंत महत्वपूर्ण योजना है। विभाग यह सुनिश्चित करे कि किसी भी चरण पर लाड़ली लक्ष्मी बेटियों का ड्रॉप आउट नहीं हो।

ड्रॉप आउट होने वाली बालिकाओं पर सख़्त निगरानी रखी जाए और तुरंत कारणों का निराकरण कर उन्हें योजना में पुनः जाए।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की पूर्णतः ऑनलाइन पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया लागू करने में देश का पहला राज्य बना मप्र

मुख्यमंत्री डॉ. यादव समीक्षा करते हुए

टेक होम राशन की फेस रिकग्निशन सिस्टम प्रक्रिया में मप्र प्रथम, लाभ पहुंचाने में राष्ट्रीय स्तर पर मिली सराहना

स्पॉन्सरशिप योजना में 20,243 बच्चों को लाभ, देश में दूसरा स्थान

अचानक दिल्ली पहुंचे मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. यादव समीक्षा बैठक छोड़कर अचानक नई दिल्ली पहुंच गए। उनका नई दिल्ली जाने का कोई पूर्व कार्यक्रम नहीं था। उन्हें 6 विभागों का समीक्षा करना था, किंतु वे तीन विभागों की समीक्षा ही किए।

10 लाख गर्भवती महिलाएं हुईं लाभान्वित

समीक्षा बैठक में बताया गया कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की पूर्णतः ऑनलाइन पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया लागू करने में मप्र देश का पहला राज्य बन गया है। इसी तरह टेक होम राशन की एफआरएस प्रक्रिया में मप्र पहले स्थान पर आ गया है। इसकी राष्ट्रीय स्तर पर सराहना हुई है। स्पॉन्सरशिप योजना में 20,243 बच्चों को लाभ मिला। मप्र देश में दूसरे स्थान पर रही। इसी तरह भवन निर्माण की रियल-टाइम मॉनिटरिंग के लिए अत्याधुनिक मॉड्यूल विकसित किया गया है।

inh

छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें

TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

शादी टलते ही संत प्रेमानंद के दरबार पहुंचे पलाश मुच्छल

मथुरा। क्रिकेटर स्मृति मंधाना और म्यूजिक कंपोजर पलाश मुच्छल की शादी को लेकर पिछले दिनों काफी चर्चाएं रही हैं। शादी टलने के बाद से तरह-तरह की अफवाहें उड़ रही हैं। इसी बीच पलाश को अपनी मां के साथ प्रेमानंद महाराज के आश्रम में देखा गया। वायरल तस्वीर में बैठे दिखाई दिए, चेहरे पर फेस मास्क लगा हुआ था।

वीआईपी नंबर: 1.17 करोड़ की बोली लगा फंसा शख्स

चंडीगढ़। हरियाणा के परिवहन मंत्री अनिल विज ने कहा कि राज्य में हाल ही में एचआर 88बी8888 नंबर के लिए ऑनलाइन नीलामी के दौरान किसी व्यक्ति ने 1 करोड़ 17 लाख रुपए की सबसे ऊंची बोली लगाई थी। लेकिन बोली लगाने के बाद उसने अपनी सुरक्षा राशि जब्त होने दी, उस व्यक्ति की संपत्ति और आय की जांच करवाई जाएगी।

काउंटर से तत्काल टिकट के लिए भी ओटीपी जरूरी

नई दिल्ली। अभी हाल ही में इंडियन रेलवे ने ऑनलाइन टिकट बुकिंग नियमों में कुछ बदलाव किए हैं। अब ऑफलाइन रिजर्वेशन काउंटर से तत्काल टिकट लेने वालों के लिए एक ओटीपी-बेस्ड ऑथेंटिकेशन सिस्टम शुरू किया है। यानी अगर आप रिजर्वेशन काउंटर से तत्काल टिकट लेते हैं तो इसके लिए पहले ओटीपी शेयर करनी होगी।

रूसी राष्ट्रपति आज शाम 6 बजे पहुंचेंगे नई दिल्ली, खास मुद्दों पर करेंगे गुफ्तगू

प्रधानमंत्री मोदी के खास दोस्त पुतिन भारत में रुकेंगे 30 घंटे, 6 समझौते करेंगे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खास दोस्त और दुनिया की महाशक्ति रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन आज यानी गुरुवार शाम 6 बजे भारत पहुंच जाएंगे। उनका दो दिवसीय भारत दौरा कई मायनों में काफी महत्वपूर्ण है। जिस पर अमेरिका, चीन और पाकिस्तान जैसे कई देशों की नजरें टिकीं हुई हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद पुतिन पहली बार भारत आ रहे हैं। दोनों देशों के बीच 23वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन होने जा रहा है। यह सम्मेलन दोनों देशों के रिश्तों को मजबूत करने के लिए आयोजित किया जाता है। पुतिन करीब 30 घंटे भारत में रहेंगे। इस दौरान वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। पीएम नरेंद्र मोदी उनके लिए निजी रात्रिभोज का भी आयोजन करेंगे। पुतिन का भारत दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब जब पश्चिमी देश रूस को अलग-थलग करने की कोशिश कर रहे हैं, तब भारत गर्मजोशी से पुतिन का स्वागत कर रहा है। यह दिखाता है कि भारत अपनी विदेश नीति के फैसले खुद लेता है और किसी के दबाव में नहीं आता।

डिफेंस एनर्जी, ट्रेड स्पेस और टेक्नोलॉजी जैसे सेक्टर में अहम समझौतों पर मुहर लग

फाइल फोटो

द्विपक्षीय व्यापार को पंख लगाने पर दोनों देश गंभीरता से करेंगे चर्चा

ये है पुतिन का दौरा कार्यक्रम

▶▶ 4 दिसंबर

आज यानी 4 दिसंबर को राष्ट्रपति पुतिन शाम 6 बजे नई दिल्ली पहुंचेंगे। वहीं शाम 7 बजे पीएम नरेंद्र मोदी ने उनके सम्मान में निजी रात्रिभोज का आयोजन किया है। लोक कल्याण मार्ग पर होगा।

रूसी तेल की खरीद बढ़ाने पर होगी चर्चा

पुतिन और मोदी की द्विपक्षीय वार्ता में रूस से तेल खरीद का मुद्दा भी अहम रहेगा, क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया है। हालांकि, भारत रूस से तेल खरीद जारी रखी हैं। ऐसे में पुतिन का प्रयास रहेगा कि भारत इसे आगे भी जारी रखे। इसी तरह भारत रूस की सखालिन-1 परियोजना में ओएनजीसी विदेश लिमिटेड के लिए 20 प्रतिशत हिस्सेदारी की बहाली का भी प्रयास कर सकता है। इसके अलावा राष्ट्रपति पुतिन का ध्यान भारत और रूप के बीच द्विपक्षीय व्यापार को और अधिक मजबूत करने पर रहेगा।

पहले ही दिल्ली पहुंच चुकी है पुतिन की सिक्योरिटी

सूत्रों ने बताया है कि एक्शन से भरपूर यात्रा के दौरान टॉप सिक्योरिटी पक्का करने के लिए रूस से चार दर्जन से ज़्यादा टॉप सिक्योरिटी वाले लोग पहले ही दिल्ली पहुंच गए थे।

संचार साथी एप की अनिवार्यता हटी

केंद्र सरकार ने फोन में संचार साथी एप प्री-इंस्टॉल करने का आदेश वापस लिया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

संचार साथी एप पर छिड़े विवाद के बीच आखिरकार केंद्र सरकार ने अपना आदेश वापस दे लिया है। दूरसंचार विभाग ने सरकारी संचार साथी एप को अनिवार्य रूप से प्रीलोड करने का दिया गया अपना आदेश वापस ले लिया है। बता दें कि 28 नवंबर को दूरसंचार विभाग ने आदेश दिया था कि स्मार्टफोन निर्माताओं और इंपोर्टर्स को नए फोन्स में संचार साथी एप प्री-इंस्टॉल करना होगा। इसके अलावा पुराने फोन्स में भी सॉफ्टवेयर अपडेट के जरिए एप इंस्टॉल करने का निर्देश दिया गया। इस आदेश में कहा गया था कि एप को ना तो डिसेबल और डिलीट किया जा सकता है। यह फैसला, यूजर प्राइवेसी और संभावित जासूसी से जुड़ी चिंताओं के बाद लिया गया है। दूरसंचार मंत्रालय द्वारा जारी बुधवार को एक प्रेस रिलीज में कहा है कि संचार साथी की बढ़ते इस्तेमाल को देखते हुए सरकार ने मोबाइल निर्माताओं के लिए प्री-इंस्टॉलेशन को अनिवार्य ना करने का फैसला लिया है। बता दें कि पिछले 24 घंटे में इस एप को लाखों लोगों ने डाउनलोड किया है और अब सरकार का मानना है कि लोग इसे बिना किसी बाध्यता के भी अपना रहे हैं।

ब्लैक में खाद बेचने का लगा आरोप

किसान की बेटी को नायब तहसीलदार ने जड़ा थप्पड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶ छतरपुर

■ वीडियो आया कलेक्टर ने मांगा स्पष्टीकरण

छतरपुर में नायब तहसीलदार नीतू सिंघई ने एक युवती को थप्पड़ मार दिया। युवती का आरोप है कि उसने नीतू सिंघई से कहा कि वह दो महीने से खाद लेने आ रही हैं, लेकिन नहीं मिल रही। उसने टोकन मांगा। नीतू सिंघई ने कहा कि महिलाओं को टोकन नहीं मिलेंगे, केवल पुरुषों को मिलेंगे। दोबारा टोकन मांगा तो तहसीलदार ने थप्पड़ दिया।

रुपया पहली बार डॉलर के मुकाबले 90.21 पर

नागेश्वरन बोले- गिरावट से निर्यात पर असर नहीं

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

■ अगले वर्ष सुधार की उम्मीद

डॉलर के मुकाबले रुपए में गिरावट के बीच मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने बयान दिया है। गिरावट का सिलसिला जारी रखते हुए रुपया बुधवार को पहली बार डॉलर के मुकाबले 90 के स्तर को पार कर गया, शुरुआती कारोबार में छह पैसे गिरकर 90.02 पर आ गया। नागेश्वरन ने सीआईआई कार्यक्रम के दौरान कहा कि सरकार में गिरावट को लेकर चिंतित नहीं है।

तकनीकी खामी के चलते देशभर में कई उड़ानें रद्द

इंडिगो की 70 से ज्यादा उड़ानें रद्द, कई प्रमुख हवाई अड्डों पर रही अफरा-तफरी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देश के कई एयरपोर्ट्स पर बुधवार सुबह चेक-इन सिस्टम अचानक ठप हो गया, जिसके कारण यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। तकनीकी गड़बड़ी की वजह से कई उड़ानें देरी से चलीं।

वाराणसी एयरपोर्ट पर यात्रियों को नोटिस जारी कर बताया गया कि माइक्रोसॉफ्ट विंडोज की ग्लोबल आउटेज के चलते एयरपोर्ट के आईटी और चेक-इन सिस्टम प्रभावित हुए हैं। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने बुधवार को 70 से अधिक उड़ानें रद्द कर दीं। इनमें बेंगलुरु और मुंबई हवाईअड्डों से जाने वाली उड़ानें भी शामिल हैं। बेंगलुरु एयरपोर्ट से 42 उड़ानें कैंसिल की गईं। नोटिस में यह भी बताया गया कि वाराणसी में इंडिगो, स्पाइस जेट, आकासा एयर, और एयर इंडिया एक्सप्रेस की सेवाएं प्रभावित हुईं।

फाइल फोटो

यात्रियों से असुविधा के लिए खेद जताया

एयरलाइन के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि पिछले कुछ दिनों में प्रौद्योगिकी संबंधी समस्याओं, हवाईअड्डे पर भीड़भाड़ और परिचालन संबंधी आवश्यकताओं सहित विभिन्न कारणों से कई उड़ानों में अपरिहार्य देरी हुई है और कुछ उड़ानें रद्द हुई हैं। सूत्रों के अनुसार, अगले 48 घंटों के लिए समायोजन के तहत उड़ानों को रद्द करेगी या उनके समय में बदलाव करेगी।

रुपए निकालकर जा रहे व्यापारी से 20 लाख लूटे

अशोकनगर। जिला मुख्यालय से 10 किलोमीटर दूर मुख्य अशोकनगर-गुना सड़क मार्ग पर बदमाशों ने लूट की घटना को अंजाम दिया। इस घटना में शाढ़ौरा के व्यापारी नीरज साहू पर 2 बाइक से आए 4 आरोपियों ने 20 लाख रुपए से भरा बैग स्कूटी की डिग्गी से लूट लिया। बदमशों में व्यापारी पर लाठी और कट्टे से हमला कर घायल कर दिया। एसपी राजीव कुमार मिश्रा ने बताया कि यह घटना दोपहर ढाई बजे की है। व्यापारी नीरज साहू अशोकनगर में आईसीआईसीआई बैंक से रुपए निकालकर बैग स्कूटी की डिग्गी में रखकर शाढ़ौरा मंडी मे खरीदे गए अनाज के भुगतान के लिए रुपए लेकर वापिस लौट रहा था।

राष्ट्रपति पुतिन की भारत यात्राः 4-5 दिसंबर

78 साल पुराने संबंधों को मोदी और पुतिन देंगे नया आयाम कई क्षेत्र में लिखेंगे सहयोग व साझेदारी की नई इबारत

1947

किरिल नोविकोव पहले रूसी राजदूत बनकर दिल्ली एयरपोर्ट पर अपनी पत्नी और बच्चों के साथ आए। 21 दिसंबर 1947 को भारत ने विजय लक्ष्मी पंडित को पहला राजदूत बनाया था।

1955

7 जून 1955 पीएम पंडित जवाहर लाल नेहरू पहली बार मॉस्को पहुंचे। हवाई अड्डे पर उनका स्वागत कम्युनिस्ट पार्टी के सचिव और रूस के सबसे बड़े नेता निकिता ख्रुश्चेव ने किया था।

1960

27 मार्च 1960 को पीएम नेहरू दूसरी बार सोवियत संघ गए। इस दौरान सोवियत राजदूत इवान बेनेडिक्टोव और उनकी पत्नी ने नेहरू को भेंट स्वरूप गाय की रस्सी थमाई।

1971

9 अगस्त 1971 को पीएम इंदिरा गांधी से दिल्ली में रूस के कद्दावर नेता और विदेश मंत्री आंद्रेई ग्रॉमिको से मुलाकात हुई थी। इसी वक्त भारत-रूस के बीच मित्रता संधि हुई थी।

1988

26 नवंबर 1988 नई दिल्ली में सोवियत संघ के राष्ट्रपति मिखाइल गोर्बाचेव का पीएम राजीव गांधी ने स्वागत किया। दोनों नेताओं ने 'दिल्ली घोषणापत्र' जारी किया।

2007

25-26 जनवरी 2007 को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भारत आए। तत्कालीन भारतीय पीएम डॉ. मनमोहन सिंह के साथ उन्होंने परमाणु ऊर्जा के लिए तकनीक और संसाधन देने पर एमओयू किया।

सेंट्रल डेस्क, भोपाल की प्रस्तुति

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 4 साल बाद भारत के दो दिवसीय राजकीय दौरे पर नई दिल्ली आएंगे। पुतिन 4-5 दिसंबर को भारत में रहेंगे। इस दौरान पीएम नरेंद्र मोदी से उनकी बातचीत होगी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु उनके सम्मान में रात्रिभोज देंगी। इससे पहले वे 6 दिसंबर 2021 को 21वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए भारत आए थे। भारत और रूस के बीच एक विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी है और दोनों ही राष्ट्र कई अहम मौकों पर एक-दूसरे के साथ खड़े हुए नजर आए हैं। राष्ट्रपति पुतिन की इस यात्रा के दौरान भारत और रूस अतिरिक्त एस-400 सिस्टम और सुखोई-57 लड़ाकू विमानों को लेकर रक्षा समझौते पर बात आगे बढ़ा सकते हैं। रूस के कच्चे तेल पर अमेरिकी प्रतिबंधों के बीच ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग पर भी वार्ता हो सकती है। राष्ट्रपति पुतिन की ये यात्रा रूस और भारत को परमाणु ऊर्जा, रक्षा क्षेत्र, अंतरिक्ष, एआई, प्रौद्योगिकी और व्यापार के क्षेत्र में अपने द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा का अवसर प्रदान करेगी। बता दें, भारत का मास्को में एक दूतावास और 4 महावाणिज्य दूतावास सेंट पीटर्सबर्ग, व्लादिवोस्तोक, कजान और येकातेरिनबर्ग में हैं। वहीं, रूस का नई दिल्ली में एक दूतावास है। कोलकाता, मुंबई और चेन्नई में 3 वाणिज्य दूतावास हैं।

11 दिसंबर 2014 को व्लादिमीर पुतिन 15वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए दो दिवसीय दौरे पर नई दिल्ली आए थे

भारत और रूस के बीच राजनीतिक संबंध

1947: भारत की स्वतंत्रता से पहले, भारत और सोवियत संघ ने औपचारिक राजनयिक संबंध स्थापित किए।

1953: भारत-रूस द्विपक्षीय सहयोग में विस्तार और भारत के औद्योगिक संरचना की नींव की साक्षी है।

1971: दोनों देशों के बीच 'शांति, मैत्री और सहयोग की संधि' पर हस्ताक्षर हुए।

1991: सोवियत संघ के विघटन के बाद, रूस और भारत ने 1991 में द्विपक्षीय संबंध स्थापित किए।

2000: 'भारत-रूस रणनीतिक साझेदारी घोषणा' पर हस्ताक्षर के बाद से दोनों देशों ने नियमित शिखर सम्मेलन आयोजित करना शुरू किया।

2010: इस साझेदारी को 'विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी' का दर्जा दिया गया।

12 साल में 20 बार मिले मोदी-पुतिन

- पीएम नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने साल 2014 से लेकर अब कई बार भेंट की है, जिसमें द्विपक्षीय शिखर सम्मेलन और बहुपक्षीय कार्यक्रमों से हटकर बैठकें शामिल हैं।
- 16 जुलाई 2014 में ब्राजील के फोर्टालेजा में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के इतर उनकी पहली भेंट हुई।
- 1 सितंबर 2025 को 20वीं बार दोनों नेताओं ने चीन के तियानजिन में एससीओ शिखर सम्मेलन के मौके पर द्विपक्षीय बैठक की।

वास्को डिगामा से पहले आया निकितिन

1469 में रूसी व्यापारी भारत के दीव पहुंचा, दक्षिण तक गया

वास्कोडिगामा 20 मई 1498 को भारत आया था। उससे पहले 1469 में रूसी यात्री और व्यापारी अफनासी निकितिन एक घोड़े और अपनी डायरी के साथ भारत पहुंचा था। निकितिन का जन्म 1433 में वोल्गा नदी के तट पर स्थित शहर त्वेर में हुआ था। निकितन ने 1466 में त्वेर छोड़ दिया। वह पर्शिया (आज का ईरान) में घुसा, होरमुज पहुंचा और वहां से अरब सागर के रास्ते भारत पहुंचा। निकितिन की नाव सबसे पहले दीव पहुंची जिसके बाद वह गुजरात में खंबात पहुंचा। वह महाराष्ट्र की कुंडलिका नदी के मुहाने पर स्थित चौल बंदरगाह पहुंचा। महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के अलीबाग शहर के दक्षिण में मुंबई से 110 किलोमीटर दूर स्थित चौल एक सामान्य गांव है।

3 साल तक भारत में रहा था

निकितिन तीन साल तक भारत में रहा। लौटते समय वह दाभोल से इथियोपिया गया, वहां से ईरान पहुंचा। इसके बाद उसने क्राइमिया और कीएव (मौजूदा यूक्रेन) से सड़क मार्ग से अपनी यात्रा जारी रखी। लेकिन 1472 में त्वेर पहुंचने से पहले ही रूस के स्मोलेंस्क में उसकी मौत हो गई। उसने अपनी यात्रा के बारे में एक डायरी में लिखा है। इस डायरी को 'खोजेनिये जात्रि मोयां' यानी 'तीन सागरों के पार यात्रा' के नाम से जाना जाता है।

निकितिन के जीवन पर बनी थी भारतीय फिल्म परदेसी

भारत और रूसी फिलम निर्माताओं ने निकितिन नके जीवन पर एक फिल्म 'परदेसी' भी बनाई जिसे साल 1957 में रिलीज किया गया। ये फिल्म रूसी भाषा में रंगीन और हिंदी में ब्लैक एंड व्हाइट में रिलीज की गई थी। इस फिल्म में नरगिस, पृथ्वीराज कपूर, बलराज साहनी, पद्मिनी जैसे बड़े कलाकारों ने काम किया और रूसी अभिनेता ओलेग स्ट्रीजेना मुख्य भूमिका में थे।

41 साल बाद 1900 में खुला था रूस का पहला वाणिज्य दूतावास

भारत में एक राजनयिक मिशन को खोलने के लिए सबसे पहले रूसी अनुरोध नवंबर 1858 में किया गया था। 41 वर्ष बाद तत्कालीन ब्रिटिश सरकार ने रूस को भारत में अपना पहला वाणिज्य दूतावास 22 नवंबर, 1900 में बम्बई में खोलने के लिए अनुमति दी गई थी। 5 वर्ष बाद, इसे महावाणिज्य दूतावास के रूप में उन्नत किया गया था और 1910 में कलकत्ता स्थानांतरित कर दिया गया। सोवियत संघ और भारत गणराज्य के बीच राजनयिक संबंध 13 अप्रैल, 1947 को स्थापित हुए। यह तारीख ब्रिटिश शासन से आजादी मिलने की तारीख 15 अगस्त 1947 से कुछ माह पहले की है। इससे पहले भारतीय क्रांतिकारी कार्यकर्ता एम.एन. रॉय वीएल लेनिन के साथ 1920 में मास्को में भेंट की और 1920 के दौरान सोवियत नेताओं के साथ घनिष्ठ संबंध बनाए रखा। जवाहर लाल नेहरू और उनकी बहन विजय लक्ष्मी पंडित ने उनके पिता मोतीलाल नेहरू के साथ, 1917 क्रांति की दसवीं सालगिरह के समारोह के लिए पहली बार 1927 में सोवियत संघ का दौरा किया था। 1902 दो स्टीमर लाइनों को शुरू किया गया जो भारत-रूस व्यापार सेवा में सहायक रहा। 1900-1901 में भारत में आयातित मिट्टी के तेल का 90 प्रतिशत से अधिक बाकू से बाटुमी के माध्यम से बंबई आया। उसी दौरान रूस भी ब्रिटिश के बाद भारतीय चाय का दूसरा सबसे बड़ा खरीदार था।

23 साल में बदल गई तस्वीर

नवंबर 2001

4 से 7 नवंबर 2001 को पीएम अटल बिहारी वाजपेयी की रूस में राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात हुई थी। इस दौरान रक्षा मंत्री जसवंत सिंह के साथ गुजरात के तत्कालीन सीएम और वर्तमान पीएम नरेंद्र मोदी पीछे खड़े हैं।

जुलाई 2024

रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने 9 जुलाई 2024 को पीएम नरेंद्र मोदी को मॉस्को के ग्रैंड कैमलिन पैलेस में रूस के सर्वोच्च नागरिक सम्मान, द ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू द एपोस्टल प्रदान किया था।

आईआरआईजीसीः सरकारी मामलों का सेतु

भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग (आईआरआईजीसी) के दो भाग हैं:- पहला- व्यापार, आर्थिक, वैज्ञानिक, तकनीकी और सांस्कृतिक सहयोग (आईआरआईजीसी-टीईसी) जिसकी सह-अध्यक्षता भारत के विदेश मंत्री (ईएएम) और रूस के प्रथम डिप्टी पीएम करते हैं; दूसरा सैन्य एवं सैन्य-तकनीकी सहयोग (आईआरआईजीसी-एमएंडएमटीसी) जिसकी अध्यक्षता दोनों देशों के रक्षा मंत्री करते हैं। दिसंबर 2021 में, द्विपक्षीय सहयोग में एक नया आयाम जुड़ा जब पहली 2+2 वार्ता (दोनों देशों के विदेश और रक्षा मंत्री) का आयोजन पीएम नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच शिखर-स्तरीय वार्ता के साथ हुआ। कुछ लोग इसे भारत-रूस संबंधों की संचालन समिति भी कहते हैं।

साल 2021 में दिल्ली में पीएम मोदी और पुतिन।

1975 से जारी है अंतरिक्ष सहयोग

1975 में सोवियत संघ के प्रक्षेपण वाहन से भारत का पहला उपग्रह आर्यभट्ट लॉन्च किया गया। 1980 में रूस ने भारत को क्रायोजेनिक इंजन तकनीक प्रदान की। 1984 में राकेश शर्मा ने सोयुज टी-11 अंतरिक्ष यान में यात्रा कर अंतरिक्ष में जाने वाले पहले भारतीय बने। वर्तमान में मानव अंतरिक्ष मिशन, भारत का गगनयान मिशन रूस के सहयोग से आगे बढ़ रहा है, जिसमें रूस की अंतरिक्ष एजेंसी रोस्कोस्मोस द्वारा अंतरिक्ष यात्री प्रशिक्षण और प्रमुख तकनीकों की सहायता प्रदान की जा रही है। भविष्य में दोनों दोनों देश अपनी-अपनी नेविगेशन प्रणालियों (भारत की नाविक और रूस की ग्लोनास) की सटीकता बढ़ाने के लिए आपसी सहमति से ग्राउंड स्टेशन स्थापित कर रहे हैं।

1984 में राकेश शर्मा ने रूस में अंतरिक्ष यात्रा का प्रशिक्षण लिया

परमाणु ऊर्जा में सहयोग

ऊर्जा क्षेत्र रूसी-भारतीय आर्थिक साझेदारी का मुख्य क्षेत्र बना हुआ है। तमिलनाडु राज्य में, कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्र की इकाइयां 1 और 2 सफलतापूर्वक संचालित हो रही हैं। इसमें रूस के वीवीईआर-1000 रिएक्टरों का उपयोग किया गया।

***आगे क्याः** परमाणु ऊर्जा संयंत्र के दूसरे (इकाई 3 और 4) और तीसरे चरण (इकाई 5 और 6) का निर्माण कार्य योजना के अनुसार जारी है। नए स्थल पर वीवीईआर-1200 रिएक्टर इकाई वाले रूसी-डिजाइन वाले परमाणु ऊर्जा संयंत्र के निर्माण पर बातचीत चल रही है।*

इस्पात उद्योग में सहयोग

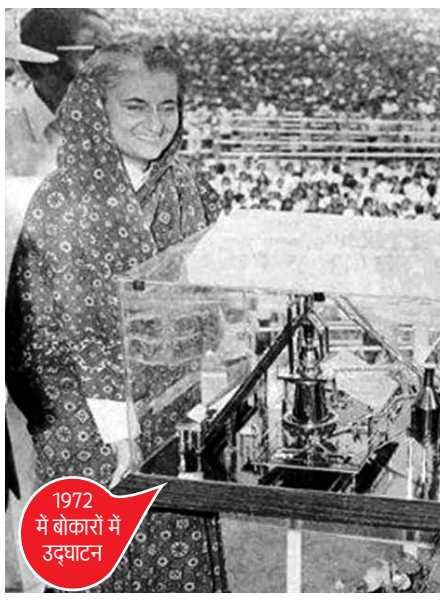

1955 में भिलाई इस्पात संयंत्र (भिलाई, छत्तीसगढ़) की, 1958 में हेवी इंजीनियरिंग कॉर्पोरेशन (रांची, झारखंड) के तीन में से दो संयंत्रों की और 1964 में बोकारो इस्पात संयंत्र (बोकारो, झारखंड) की स्थापना सोवियत संघ की तकनीकी सहायता से हुई थी।

***आगे क्याः** भारत और रूस मशीनरी और उत्पादन सुविधाओं के आधुनिकीकरण में एक साथ काम करेंगे, खासकर उन क्षेत्रों में जहां रूसी निर्माताओं को पश्चिमी कंपनियों से आपूर्ति की कमी का सामना करना पड़ रहा है। रूस फिर से भारत के इस्पात आयात का शीर्ष स्रोत।*

रक्षा क्षेत्र में सहयोग

रूस की सहायता से भारत को हाल ही में कई शक्तिशाली हथियार मिले हैं, जिनमें भारत और रूस के सहयोग से निर्मित ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल, एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम और इग्ला-एस मैन-पोर्टेबल एयर डिफेंस सिस्टम शामिल हैं।

***आगे क्याः** भविष्य में भारत को एस-500 एयर डिफेंस सिस्टम, सुखोई एसयू-57 और एयू-35 लड़ाकू विमान, ड्रोन से निपटने के लिए पैंटसिर मिसाइल सिस्टम, हवा से हवा में मार करने वाली आर-37एम मिसाइल शामिल है।*

व्यापार 68.72 बिलियन डॉलर

भारत और रूस के बीच वित्तीय वर्ष 2024-25 में द्विपक्षीय व्यापार 5 लाख 97 हजार करोड़ रुपए (68.72 बिलियन डॉलर) तक पहुंचा, जो रिकॉर्ड स्तर का था। इसमें भारत का निर्यात 4.88 बिलियन डॉलर रहा और रूस ने 63.84 बिलियन डॉलर आयात किया है।

***आगे क्याः** अगले पांच वर्षों में दोनों देशों ने 100 बिलियन डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार करने का लक्ष्य रखा है। रूस , भारत को ऑयल, पेट्रोलियम उत्पाद, उर्वरक, मिनरल फ्यूल्स, मिनरल वैक्स, कोयला, मशीनरी, स्टोन्स, मेटल्स, वुड, पल्प और पेपर प्रोडक्ट्स देता है।*

भविष्य के समझौते

रूस ने भारत के जहाज निर्माण और पोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर में पहल की पेशकश की है। जहाजों के क्रू (चालक दल) को ट्रेनिंग देने और गहरे समुद्र में रिसर्च करने जैसे मुद्दों पर भी खास ध्यान दिया गया। रूस कच्चा तेल और लिक्विफाइड नेचुरल गैस (एलएनजी) की आपूर्ति बढ़ा सकता है। दोनों देश बैंकिंग क्षेत्र में सहयोग को और मजबूत करेंगे और बीमा क्षेत्र में भी परस्पर तालमेल बढ़ाएंगे। महत्वपूर्ण खनिजों में सहयोग बढ़ाने, फार्मास्यूटिकल्स, दूरसंचार उपकरण, मशीनरी, चमड़ा, ऑटोमोबाइल और रसायन जैसे प्रमुख क्षेत्रों में समयबद्ध काम किए जाएंगे।

राष्ट्रपति की कार है चलता-फिरता किला!

बुलेटप्रूफ, ग्रेनेड-प्रूफ 598 एचपी वाली सेफ कार में सफर करते हैं पुतिन

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भारत दौरे पर 4 और 5 दिसंबर को पहुंचेंगे। इस दौरान वे औरस सेनाट लिमोजीन में सफर करेंगे, जो 598 हॉर्सपावर वाले वी8 हाइब्रिड इंजन, बुलेटप्रूफ कवच, विस्फोट सुरक्षा, रन-फ्लैट टायर और मिनी कमांड सेंटर जैसी सुविधाओं से लैस है

एजेंसी ▶▶| मॉस्को

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन दुनिया के उन नेताओं में शामिल हैं जिनके दोस्त और दुश्मन दोनों की कमी नहीं है। उनकी जीवनशैली और वाहन अक्सर मीडिया की सुर्खियों में बने रहते हैं। पुतिन 4 और 5 दिसंबर को भारत दौरे पर रहेंगे और इस दौरान उनके साथ उनकी प्रेसिडेंशियल स्टेट कार औरस सेनाट लिमोजीन भी देखी जाएगी।

- दो दिवसीय भारत दौरे पर रहेंगे राष्ट्रपति पुतिन

यह कार रूसी कंपनी औरस ने बनाई है और यह पहले इस्तेमाल होने वाली मर्सिडीज़-बेंज एस 600 गार्ड पुलमैन की जगह ले चुकी है।

कार में लगा है 4.4 लीटर ट्विन-टर्बो वी8 हाइब्रिड इंजन

46 किलोवॉट का इलेक्ट्रिक मोटर और नाइन स्पीड

रूस के राष्ट्रपति पुतिन की औरस सेनाट लिमोजीन कार।

रूसी पहचान साफ नजर आती है

औरस सेनाट लिमोजीन का डिजाइन सोवियत युग की जेआईएस-110 लिमोजीन पर आधारित है। पुरानी शैली और मॉडर्न डिजाइन का बेहतरीन मिश्रण इस कार को अनोखा बनाता है। इसमें बड़ा ग्रिल, वर्टिकल स्लैट्स, स्लीक एलईडी हेडलाइट्स और कैब-रियरवर्ड सिल्हूट है, जो इसे रोल्स-रॉयस गोस्ट जैसा बनाता है, लेकिन इसमें रूसी पहचान साफ नजर आती है।

चलते-फिरते दफ्तर की तरह सुविधाएं

वजन कई टन और लंबाई लगभग 7 मीटर होने के बावजूद, यह कार तेज और आरामदायक है। यात्रियों के लिए इसमें प्रीमियम लेदर अपहोल्स्ट्री, पॉलिश्ड वुड ट्रिम, दो इंफोटेनमेंट डिस्प्ले, अलग-अलग रिक्लाइनिंग सीटें, फोल्ड-आउट टेबल्स और मिनी-फ्रिज जैसी सुविधाएं हैं। एडवांस्ड ड्राइवर-असिस्टेंस फीचर्स जैसे एडाप्टिव क्रूज कंट्रोल और पेडेस्ट्रियन इमरजेंसी ब्रेकिंग इसे बेहद सुरक्षित बनाते हैं।

एक नजर कार की विशेषताओं पर

- *__बुलेटप्रूफ कवच:__ पूरी बॉडी और शीशे बेहद मजबूत मटीरियल से बने हैं, जो आर्मर-पियर्सिंग गोलियों और हैंड ग्रेनेड के हमलों को रोकते हैं।*
- *__मोटे बुलेटप्रूफ शीशे:__ खिड़कियों की मोटाई लगभग 6 सेंटीमीटर है।*
- *__विस्फोट सुरक्षा:__ गाड़ी का नीचे का हिस्सा ब्लास्ट प्रूफ है।*
- *__रन-फ्लैट टायर:__ गोली लगने या पंक्चर होने पर भी गाड़ी लंबी दूरी तक चल सकती है।*
- *__आग बुझाने की ऑटोमैटिक व्यवस्था:__ इंजन या गाड़ी के नीचे आग लगने पर सिस्टम स्वयं आग बुझा देता है।*
- *__केमिकल/गैस अटैक से सुरक्षा:__ केबिन में विशेष एयर फिल्टर और अतिरिक्त ऑक्सीजन सप्लाई।*
- *__सुरक्षित कम्युनिकेशन सिस्टम:__ अंदर और बाहर की बातचीत पूरी तरह गोपनीय।*
- *__आपातकालीन निकास:__ दरवाजे न खुलने पर पीछे का शीशा खुलकर बाहर निकलने की सुविधा।*
- *__मिनी कमांड सेंटर:__ सभी जरूरी कंट्रोल और कम्युनिकेशन सुविधाएं मौजूद।*
- *कार की बाकी सुरक्षा प्रणालियों का विवरण गोपनीय रखा गया है, लेकिन इसे एक चलते-फिरते किले के रूप में माना जा सकता है।*

खबर संक्षेप

पुलिस और ग्रामीणों के बीच हिंसक झड़प

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर में ग्रामीणों और पुलिसवालों के बीच हिंसक झड़प की खबर है। इस झड़प में एएसपी समेत करीब दो दर्जन पुलिसकर्मियों के घायल होने की सूचना है। पथराव कर रहे ग्रामीणों पर पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले दागे। यहां के ग्रामीण एसईसीएल के अमेरा कोयला खदान के विस्तार का विरोध कर रहे थे। ग्रामीणों के विरोध की आशंका के मद्देनजर वहां बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया था।

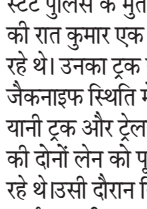

यूएस में भारतीय ड्राइवर पर गंभीर आरोप

वाशिंगटन। पहले अवैध रूप से घुसे एक भारतीय नागरिक राजिंदर कुमार पर एक सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत के बाद हत्याकांड (हॉमिकाइड) का आरोप लगाया गया है। यह हादसा ओरेगन राज्य के डेश्यूट्स काउंटी में हुआ था। ओरेगन स्टेट पुलिस के मुताबिक, 24 नवंबर की रात कुमार एक सेमी-ट्रक चला रहे थे। उनका ट्रक सड़क पर जैकनाइफ स्थिति में फंसा हुआ था, यानी ट्रक और ट्रेलर मुड़कर सड़क की दोनों लेन को पूरी तरह ब्लॉक कर रहे थे।उसी दौरान विलियम माइका कार्टर अपनी कार से हाईवे की रफ्तार में आ रहे थे और ट्रेलर से टकरा गए।

इजराइल के साथ हुई बड़ी डील, ऑपरेशन सिंदूर में पाक को किया था तबाह

भारत को मिलेगा खतरनाक हथियार हेरॉन एमके-2 ड्रोन, दुश्मनों पर बरसाएगा बम

एजेंसी ▶▶| यरूशलेम

इजराइली अधिकारी ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत के तीनों सेनाओं ने आपातकालीन खरीद के लिए हेरोन एमके-2 का चयन किया। यह ड्रोन लगातार 45 घंटे तक हवा में उड़ान भर सकता है, इन ड्रोन्स ने ऑपरेशन सिंदूर में अपनी क्षमता प्रदर्शित की है।

भारत और इजराइल के बीच रक्षा संबंध हमेशा से मजबूत रहे हैं। दोनों देशों के बीच रक्षा संबंधों कितने मजबूत हैं एक बार फिर इसकी बानगी देखने को मिली है। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था। पाकिस्तान के खिलाफ इस ऑपरेशन में भारत ने हेरॉन एमके-2 ड्रोन का भी इस्तेमाल किया था।

भारत-इजराइल हेरोन एमके-2 खेप खरीदेगा

अब ऑपरेशन सिंदूर में हेरोन एमके-2 की क्षमताओं को देखने के बाद भारत ने बड़ा फैसला लिया है। भारत ने इजराइल के साथ इमरजेंसी प्रोविजन के तहत एक करार पर हस्ताक्षर किए हैं। इस डील के मुताबिक भारत इजराइल से हेरोन एमके-2 की अतिरिक्त खेप खरीदेगा। इस बात की जानकारी इजराइली रक्षा उद्योग से जुड़े एक अधिकारी ने खुद दी है।

खास बातें

- इजराइल ने कहा भारत हमारे लिए प्रमुख ग्राहक
- 45 घंटे तक हवा में भर सकेगा उड़ान
- ऑपरेशन सिंदूर में मचाई थी तबाही

हेरॉन एमके-2 ड्रोन भारत अतिरिक्त खेप खरीदेगा।

भारत की नौसेना में शामिल होंगे ड्रोन एमके-2

भारत और इजराइल के बीच हुई इस डील को लेकर इजराइली एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज के अधिकारी ने बताया कि हेरॉन एमके-2 भारतीय सेना और वायुसेना के पास पहले से ही हैं। अधिकारी ने बताया कि अब इन ड्रोन्स को भारत की नौसेना में भी शामिल किया जाएगा। अधिकारी ने यह भी कहा कि दोनों देशों के बीच साझेदारी बेहद अहम है और यह तीन दशकों से चली आ रही है।

'मेक इन इंडिया' का रखा गया ध्यान

इजराइली एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज के अधिकारी ने भारत की 'मेक इन इंडिया' पहल का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि उनका इरादा सिर्फ ड्रोन्स की आपूर्ति तक सीमित नहीं है बल्कि भारत में इनका निर्माण भी करना है। निश्चित तौर पर हेरोन एमके-2 से भारत की सैन्य क्षमताओं में भारी इजाफा होगा और किसी भी युद्ध में गेमचेंजर साबित हो सकते हैं।

हेरोन एमके-2 की खासियत

हेरोन एमके-2 की खासियतों के बारे में बात करें तो यह 35,000 फीट की ऊंचाई तक पहुंच सकता है और लगातार 45 घंटे तक हवा में रह सकता है। अधिकारी ने बताया कि इजराइल की वायुसेना इन ड्रोन्स का इस्तेमाल करती है साथ ही दुनिया भर में कई और सेनाएं हैं जिनके पास ये ड्रोन्स हैं। भारत इजराइल से कितने ड्रोन्स खरीद रहा है अधिकारी ने इस संख्या का खुलासा नहीं किया है।

पुतिन ने दी यूरोप को चेतावनी

यूरोप युद्ध चाहता है तो हम भी पीछे नहीं हटेंगे

रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन

एजेंसी ▶▶| मॉस्को

भारत दौरे से पहले रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने यूरोप को चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि वे युद्ध चाहते हैं तो रूस इसके लिए तैयार है और उन्हें पराजित किया जाएगा। राष्ट्रपति पुतिन 4 दिसंबर को भारत दौरे पर आने वाले हैं।

इससे पहले मॉस्को में यूक्रेन वार पर कूटनीति की तेज कोशिशें चल रही है। पुतिन ने यह बात तब कही जब अमेरिकी राष्ट्रपति के स्पेशल दूत स्टीव विटकॉफ और ट्रंप के दामाद जेरेड कोरी कुशनर यूक्रेन युद्ध पर बात करने के लिए मॉस्को में हैं। पुतिन ने मॉस्को के इन्वेस्टमेंट फोरम में जब ये बात कही तो विटकॉफ और कुशनर रूस-यूक्रेन पीस प्लान की डिटेल्स पर बात करने के लिए मॉस्को के दूसरे हिस्से में उनका इंतजार कर रहे थे।

ऐसी मांगे जो रूस को मंजूर नहीं

मॉस्को में इन्वेस्टमेंट फोरम को संबोधित करते हुए पुतिन ने कहा कि उन्हें लड़ाई की कोई इच्छा नहीं है, लेकिन उन्होंने चेतावनी दी कि अगर यूरोप अचानक हमारे साथ युद्ध करना चाहता है और शुरू करता है, तो हम तुरंत तैयार हैं। पुतिन ने पत्रकारों से कहा कि उनके पास शांति का कोई एजेंडा नहीं है, वे युद्ध के पक्ष में हैं। राष्ट्रपति पुतिन ने यूरोप पर शांति प्रस्तावों में बदलाव करने का आरोप लगाया। पुतिन ने कहा कि इसमें ऐसी मांगें शामिल हैं जो रूस को बिल्कुल मंजूर नहीं हैं, इस तरह पूरी शांति प्रक्रिया को रोक दिया गया, और इसके लिए सिर्फ़ रूस को दोषी ठहराया गया।

हालांकि यूरोप पर हमले का प्लान नहीं

राष्ट्रपति ने अपनी पुरानी बात दोहराई कि रूस का यूरोप पर हमला करने का कोई प्लान नहीं है। यह चिंता कुछ यूरोपीय देश अक्सर जाहिर करते रहते हैं। पुतिन ने कहा, लेकिन अगर यूरोप अचानक हमारे साथ युद्ध छेड़ना चाहता है और शुरू करता है, तो हम तुरंत तैयार हैं। इसमें कोई शक नहीं हो सकता।

नेशनल गार्ड के सदस्यों पर जानलेवा शूटिंग के बाद ट्रंप प्रशासन का विचार

यूएस में 30 से ज्यादा देशों की एंट्री पर लगेगी रोक, बड़े ट्रैवल बैन की तैयारी में राष्ट्रपति ट्रंप

एजेंसी ▶▶| वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप विदेशी नागरिकों पर बड़े पैमाने पर यात्रा प्रतिबंध (यूएस ट्रैवल बैन) लगाने की तैयारी कर रहे हैं। इसके तहत दो दर्जन से अधिक देशों के नागरिकों के अमेरिका में प्रवेश पर प्रतिबंध लग सकता है। वॉशिंगटन डीसी में नेशनल गार्ड के सदस्यों पर जानलेवा शूटिंग के बाद ट्रंप प्रशासन इस पर विचार कर रहा है।

जल्द जारी हो सकती है लिस्ट

सूत्र ने यह भी कहा कि बातचीत अपने आखिरी दौर में है और जल्द ही आधिकारिक घोषणा की जा सकती है। होमलैंड सिक्योरिटी डिपार्टमेंट के एक प्रवक्ता ने न्यूयॉर्क पोस्ट को बताया कि अपडेटेड लिस्ट जल्द जारी की जाएगी। अमेरिकी गृह मंत्री क्रिस्टी नोएम ने भी अमेरिका के यात्रा प्रतिबंध में बड़े पैमाने पर बढ़ोतरी का इशारा किया। एक्स पर एक पोस्ट में नोएम ने लिखा, उन्होंने हर उस देश को प्रतिबंधित लिस्ट में डालने का प्रस्ताव रखा।

हमारे पुरखों ने खून पसीने से देश को बनाया

ट्रंप ने कहा कि हमारे पुरखों ने इस देश को खून, पसीने और आजादी के पक्के प्यार से बनाया है, न कि विदेशी हमलावरों के लिए जो हमारे हीरो को मार डालें या टैक्स के पैसे लूट लें। बड़ी मात्रा विदेशी नागरिकों पर यात्रा प्रतिबंध का यह प्रस्ताव वॉशिंगटन डीसी में नेशनल गार्ड के दो सदस्यों पर हमले के बाद ट्रंप प्रशासन की कार्रवाई का हिस्सा है।

इमरान ने भारत से अच्छे रिश्ते रखने की कोशिश की

बहन बोलीं- मुनीर कट्टरपंथी इस्लाम न मानने वालों से लड़ते

एजेंसी ▶▶| इस्लामाबाद

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की बहन अलीमा खानुम ने सेना प्रमुख आसिम मुनीर को इस्लामी कट्टरपंथी और रूढ़िवादी बताया। उन्होंने बुधवार को मीडिया को दिए एक इंटरव्यू में कहा कि मुनीर ऐसे लोगों से लड़ना चाहते हैं जो इस्लाम में विश्वास नहीं रखते। अलीमा से जब मई में हुए भारत-पाकिस्तान संघर्ष के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने सीधे तौर पर आसिम मुनीर पर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि मुनीर अपनी कट्टरपंथी सोच की वजह से भारत के साथ युद्ध करना चाहते हैं। अलीमा ने अपने भाई इमरान खान को लिबरल बताया।

उन्होंने कहा कि जब इमरान खान सत्ता में आए तो उन्होंने भारत और यहां तक कि बीजेपी से भी रिश्ते सुधारने की कोशिश की। जबकि मुनीर बॉर्डर पर तनाव और युद्ध का माहौल बनाते हैं, जिससे भारत और उसके सहयोगी प्रभावित होते हैं।

पुतिन की यात्रा से पहले भारत-रूस के बीच बड़ी डील

रूस ने भारत के साथ सैन्य रसद समझौते को दी मंजूरी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

फाइल फोटो

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 4 दिसंबर से दो दिवसीय भारत की यात्रा पर रहेंगे। रूस यूक्रेन के बीच जारी युद्ध के बाद पुतिन की यह पहली भारत की यात्रा होने जा रही है।

पुतिन की भारत की यात्रा से पहले एक बड़ी खबर सामने आई है। दरअसल, रूस के स्टेट ड्यूमा ने पुतिन की भारत यात्रा से पहले भारत के साथ एक प्रमुख सैन्य रसद समझौते को औपचारिक रूप से मंजूरी दे दी है। बता दें कि रसद सहायता के पारस्परिक आदान-प्रदान (आरईएलओएस) पर 18 फरवरी को हस्ताक्षर किए गए थे, जिसे पिछले सप्ताह प्रधानमंत्री मिखाइल मिशुस्टिन द्वारा अनुसमर्थन के लिए पेश किया गया था।

भारत-रूस की साझेदारी को मिली मजबूती

इस मंजूरी को लेकर स्टेट ड्यूमा के अध्यक्ष व्याचेस्लाव वोलोडिन ने बताया कि यह कदम दोनों देशों की साझेदारी की मजबूती को दर्शाता है। उन्होंने आगे बताया कि इस समझौते का अनुसमर्थन गहरे सहयोग की दिशा में एक और कदम है। रूसी दस्तावेजों में आरईएलओएस को संयुक्त अभ्यास और आपातकालीन परिचालनों के दौरान समन्वय को सरल बनाने के लिए एक ढांचे के रूप में वर्णित किया गया है, जबकि पूर्व की रूसी रिपोर्टों में यह सुझाव दिया गया है कि यह आर्कटिक जैसे कठिन क्षेत्रों में गतिविधियों को भी सहायता प्रदान कर सकता है।

भारत ने बढ़ाया मदद का हाथ, श्रीलंका ने की भूमिका की सराहना

भारत ने श्रीलंका के पीड़ितों को और मदद भेजी ऑपरेशन सागर बंधु के तहत सेना की टुकड़ी पहुंची

एजेंसी ▶▶| कोलंबो

भारत ने पड़ोसी देश श्रीलंका को चक्रवात दित्वाह की तबाही से बचने के लिए भारतीय सेना की एक विशेष टुकड़ी बुधवार को कोलंबो भेजा। भारत ने मानवीय आपदा राहत एचडीआर अभियानों, बचाव और राहत कार्यों में मदद की है, जिससे पड़ोसी देश को सहायता प्रदान की जा सके। पड़ोसी प्रथम नीति की मिसाल पेश की है। दरअसल, श्रीलंका में चक्रवात दित्वाह ने भारी तबाही मचाई है।

भारत ने पड़ोसी देश श्रीलंका को इस तबाही से बचने के लिए 'ऑपरेशन सागर बंधु' शुरू किया। भारतीय सेना की एक विशेष टुकड़ी बुधवार को श्रीलंका पहुंची। पड़ोसी देश को मानवीय आपदा राहत (एचडीआर) अभियानों, बचाव और राहत कार्यों में मदद की है, जिससे पड़ोसी देश को सहायता प्रदान की जा सके।

भारतीय सेना की एक विशेष टुकड़ी श्रीलंका पहुंची।

श्रीलंका की उच्चायुक्त ने भारत को आभार

इससे पहले, भारत में श्रीलंका की उच्चायुक्त महिषिनी कोलोन ने सुनामी, आर्थिक संकट और चक्रवात से हुई तबाही जैसी विभिन्न चुनौतियों के बावजूद प्रथम प्रत्युत्तरदाता के रूप में भारत की भूमिका की सराहन की। उच्चायुक्त कोलोन ने कहा, चक्रवात के कारण श्रीलंका में भारी क्षति हुई है। 400 से ज़्यादा लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। हम अभी भी राहत और बचाव कार्य में लगे हैं। नुकसान का व्यापक आकलन करने मे कुछ समय लगेगा। हम भारत के आभारी हैं कि वह हमेशा की तरह सबसे पहले मदद के लिए आगे आया है। पहले सुनामी, फिर आर्थिक संकट के दौरान और अब चक्रवात के दौरान भारत हमारी सहायता के लिए सबसे पहले आया। वे राहत और बचाव कार्य कर रहे हैं। जमीन पर मेडिकल टीमें और मोबाइल अस्पताल मौजूद हैं और जब हम बात कर रहे हैं। तब भी वे हमारी मदद कर रहे हैं और श्रीलंका के अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं ताकि श्रीलंका इस मुश्किल दौर से गुजर सके।

चिंतन

पुतिन का भारत दौरा ट्रंप को कड़ा संदेश

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन गुरुवार से दो द्विवसीय दौरे पर भारत आ रहे हैं। उनकी यह यात्रा कई मायनों में काफी अहम मानी जा रही है। उनका यह दौरा जहां यूक्रेन युद्ध और एशिया में शक्ति संतुलन के लिए खास माना जा रहा है, वहीं यह एक तरह से अमेरिका को भी कड़ा संदेश है। चूंकि भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद अमेरिका ने पाकिस्तान को ज्यादा तवज्जो दी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कई बार पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ और आर्मी चीफ असीम मुनीर से व्हाइट हाउस में मुलाकात कर चुके हैं, जबकि भारत को लेकर ट्रंप की तरफ से हमेशा नकारात्मक बयान ही सामने आ रहे हैं। हाल ही में ट्रंप ने रूस से कच्चा तेल खरीदने को लेकर भी भारत पर 50 फीसदी टैरिफ भी लगा दिया था, जो अमेरिका के किसी भी देश पर लगाए गए टैरिफ में सबसे ज्यादा है। वहीं, भारत रूस से तेल न खरीदे, इसके लिए भी दबाव बनाया गया। ऐसे समय में पुतिन की भारत यात्रा को अमेरिका के लिए जवाब के तौर भी देखा जा रहा है। पुतिन के दौरे को देखते हुए राजधानी दिल्ली हाईअलर्ट पर है। दूसरी तरफ, पुतिन के आने से पहले ही भारत को एक खुशखबरी देते हुए रूस की संसद के निचले सदन स्टेट डूमा ने भारत के साथ हुए महत्वपूर्ण सैन्य समझौते रेसिप्रोकल सपोर्ट ऑफ लॉजिस्टिक सपोर्ट (आरईएलओएस) को भी मंजूरी दे दी। यह निर्णय राष्ट्रपति की होने वाली नई दिल्ली यात्रा से ठीक पहले लिया गया है, जिसे द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की तैयारी के तौर पर देखा जा रहा है। भारत और रूस के संबंधों का अपना एक इतिहास है। 1971 की भारत–सोवियत मैत्री संधि दोनों देशों की दोस्ती का सबसे बड़ा उदाहरण है। इतना ही नहीं, रूस ने हमेशा से ही भारत को सैन्य तकनीक और हथियार देने में संकोच नहीं किया। रूस ने भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम में सहयोग तो किया ही है, साथ ही ऊर्जा क्षेत्र में दोनों देशों की साझेदारी बेहद अहम है। दुनिया बदली है, दोस्त बदले हैं लेकिन भारत और रूस के बीच पुराने कूटनीतिक रिश्तों का भरोसा आज भी साफ नजर आता है। पुतिन की यात्रा के दौरान भारत-रूस के बीच ब्रह्मोस के नए वेरिएंट पर समझौते के साथ-साथ एस-500 एयर डिफेंस सिस्टम पर भी चर्चा संभव है। दोनों देश नए हेलीकॉप्टर, फाइटर जेट, परमाणु ऊर्जा, चिप्स, आईटी, साइबर सुरक्षा में सहयोग बढ़ाने पर भी समझौते कर सकते हैं। रूस और भारत के संबंध आजमाए और परखे हुए हैं। कई मौकों पर रूस भारत के साथ मजबूती से खड़ा रहा है। बदलते वक्त के दौर में भी भारत और रूस एक-दूसरे के बेहद करीब आए हैं। पीएम नरेंद्र मोदी ने कुछ माह पहले रूस की यात्रा की थी। इस दौरान पुतिन के साथ उनकी गजब केमिस्ट्री देखने को मिली थी। मोदी ने उन्हें अपना सबसे करीबी दोस्त बताया था। रक्षा से लेकर व्यापार, स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप तक में दोनों देश हमेशा एक-दूसरे के साथ रहे हैं। पुतिन का भारत आना इस रिश्ते की और मजबूती का संकेत देता है। उनकी यात्रा से संदेश साफ है कि रूस आज भी एशिया में अपने सबसे पुराने दोस्त के साथ मजबूती के साथ खड़ा है और संबंधों को गहरा करना चाहता है। यह समय ऐसा है जब पश्चिमी देशों के साथ रूस के संबंध सामान्य नहीं कहे जा सकते हैं। ऐसे समय में एशिया और उसमें भी खासकर भारत-रूस की दोस्ती का महत्व और भी बढ़ जाता है।

सिपरी रिपोर्ट
सुनील कुमार महला

हथियारों की होड़ से मानवता पर खतरा

आज के समय में दुनियाभर में बढ़ते हथियारों का जखीरा केवल सुरक्षा का ही सवाल नहीं है, बल्कि यह मानवता के भविष्य पर एक गंभीर खतरा भी है। कोई भी देश हथियार इसलिए खरीदते हैं, ताकि वे अपनी सीमाओं की रक्षा कर सकें, रणनीतिक बढ़त बनाए रख सकें और बदलते भू–राजनीतिक हालात में खुद को एक मज़बूत राष्ट्र दिखा सकें, लेकिन यही हथियारों की दौड़ कई बार तनाव बढ़ाकर युद्धों की जमीन तैयार करती है,जोकि ठीक नहीं है। इससे बड़े पैमाने पर विस्थापन, भूख और मानवीय संकट पैदा हो रहे हैं। विश्व समुदाय को हथियारों की इस अंधाधुंध दौड़ को रोकने के लिए गंभीर प्रयास करने होंगे, ताकि मानवता को बड़े संकट से बचाया जा सके।

दुनिया में हथियारों की बिक्री लगातार बढ़ रही है। वास्तव में, आज के समय में दुनियाभर में बढ़ते हथियारों का जखीरा केवल सुरक्षा का ही सवाल नहीं है , बल्कि यह मानवता के भविष्य पर एक गंभीर खतरा भी है। कोई भी देश हथियार इसलिए खरीदते हैं, ताकि वे अपनी सीमाओं की रक्षा कर सकें, रणनीतिक बढ़त बनाए रख सकें और बदलते भू-राजनीतिक हालात में खुद को एक मज़बूत राष्ट्र दिखा सकें, लेकिन यही हथियारों की दौड़ कई बार तनाव बढ़ाकर युद्धों की जमीन तैयार करती है,जोकि ठीक नहीं है। कहना ग़लत नहीं होगा कि हथियारों पर होने वाला भारी खर्च शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छ पानी, जलवायु संरक्षण और रोजगार जैसे बुनियादी क्षेत्रों से धन को खींच लेता है, और इसका असर कहीं न कहीं देश के विकास और अर्थव्यवस्था व इसके निवासियों पर भी पड़ता है। क्या यह बड़ी बात नहीं है कि आज के समय में दुनिया के विभिन्न शक्तिशाली व संपन्न देश इसका इस्तेमाल अपने आर्थिक लाभ, वैश्विक प्रभाव दिखाने और उद्योगों में बढ़त के लिए करते हैं, जबकि छोटे देश किसी दबाव में आकर या सुरक्षा के डर से हथियारों की इस अंधी दौड़ में शामिल हो जाते हैं।

इसका नतीजा यह है कि दुनिया एक ऐसी दिशा में बढ़ रही है, जहां भरोसा कम और अविश्वास ज्यादा है। वास्तव में, यह बात ठीक है कि हथियार किसी देश को सुरक्षा दे सकते हैं, लेकिन स्थायी शांति नहीं। असली सुरक्षा संवाद, विश्वास, सहयोग और संतुलित विकास से मिलती है, न कि विनाशकारी हथियारों की बढ़ती संख्या से। वास्तव में, यह इसलिए दुनिया का खतरनाक कदम है, क्योंकि यह मानवता को सुरक्षा नहीं, बल्कि असुरक्षा की ओर धकेल रहा है। हथियारों की होड़ अंततः दुनिया में असंतुलन पैदा करती है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिपरी) की नई रिपोर्ट बताती है कि दुनिया में हथियारों की बिक्री लगातार बढ़ रही है। सरल शब्दों में कहें तो दुनिया भर में हथियारों की खरीद-फरोख्त लगातार बढ़ रही है, और यह कोई अच्छी खबर नहीं है। रिपोर्ट बताती है कि कई देशों के बीच तनाव लगातार बढ़ रहा है। कहीं सीमा विवाद है, कहीं शक्ति दिखाने की होड़, तो कहीं सुरक्षा का डर। दुनिया में इस समय कई देशों के बीच तनाव तेजी से बढ़ रहा है। एशिया में भारत-चीन के बीच लंबे समय से सीमा विवाद बना हुआ है, जो समय-समय पर सैनिक तैनाती और गश्त के कारण फिर उभर जाता है। भारत-पाकिस्तान के बीच कश्मीर और सीमा पार आतंकवाद को लेकर रिश्ते लगातार तनावपूर्ण रहते हैं और कूटनीतिक संबंधों में उतार-चढ़ाव चलता रहता है। चीन-ताइवान के बीच स्थिति सबसे संवेदनशील है, जहां चीन ताइवान पर दबाव बढ़ाने के लिए सैन्य अभ्यास और शक्ति-प्रदर्शन कर रहा है, जबकि ताइवान अपनी रक्षा क्षमता बढ़ा रहा है। ईरान-इज़राइल के बीच हमलों और जवाबी हमलों के कारण पश्चिम एशिया में अस्थिरता बढ़ी हुई है। वहीं आर्मेनिया-अज़रबैजान के बीच नगार्नो-काराबाख को लेकर पुराना सीमा विवाद अभी भी पूरी तरह शांत नहीं हुआ। मध्य एशिया में भी अफगानिस्तान की सीमा को लेकर ताजिकिस्तान और रूस मिलकर सुरक्षा मजबूत करने की बात कर रहे हैं। इधर, रूस-यूक्रेन तनाव आज भी बेहद गंभीर रूप में बना हुआ है। हाल की शांति-वार्ताएं भी किसी नतीजे पर नहीं पहुँच पाई हैं, क्योंकि रूस अपनी

शर्तों पर अड़ा है और पश्चिमी देश यूक्रेन की संप्रभुता पर समझौता नहीं करना चाहते। इसी बीच मिसाइल हमलों, भू-भाग पर कब्जे की कोशिशों और कूटनीतिक आरोप-प्रत्यारोप ने स्थिति को और जटिल बना दिया है। यह संघर्ष न केवल यूरोप बल्कि पूरी दुनिया की राजनीति, सुरक्षा और अर्थव्यवस्था पर असर डाल रहा है।

कुल मिलाकर, सीमा विवादों, सैन्य तैयारियों, शक्ति दिखाने की होड़ और भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा ने कई क्षेत्रों को बेहद संवेदनशील और अस्थिर बना दिया है। यही कारण है कि आज विभिन्न देश आधुनिक और महंगे हथियार खरीदने में बड़ी रकम लगा रहे हैं। इससे हथियार बनाने वाली कंपनियों का कारोबार तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन दुनिया के लिए खतरे भी बढ़ रहे हैं। समस्या यह है कि जितने ज्यादा हथियार जुटाए जाते हैं, उतनी ही ज्यादा टकराव या युद्ध की आशंका पैदा होती है। साथ ही सरकारों का पैसा रक्षा खरीद में खर्च होने लगता है, जिससे जरूरी क्षेत्रों पर कम ध्यान जाता है। यानी सुरक्षा के नाम पर खर्च तो बढ़ता है, लेकिन असुरक्षा भी कम नहीं होती। रिपोर्ट हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि क्या हथियारों पर बढ़ती निर्भरता वास्तव में शांति लाएगी या दुनिया को और ज्यादा तनाव और खतरे की ओर धकेल देगी। सरल शब्दों में कहें तो दुनिया की सबसे बड़ी 100 हथियार बनाने वाली कंपनियों ने पिछले साल से लगभग 6% ज्यादा पैसा कमाया है। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि हाल के समय में कई जगह लड़ाइयां और तनाव लगातार बढ़े हैं, जैसे यूक्रेन युद्ध और गाजा संघर्ष। जब कहीं युद्ध होता है या किसी देश को खतरा महसूस होता है, तो वे अपनी सुरक्षा बढ़ाने के लिए ज्यादा हथियार खरीदते हैं।

इसी वजह से हथियारों की मांग तेजी से बढ़ गई और कंपनियों की बिक्री भी बढ़ी। जितना ज्यादा तनाव और युद्ध, उतनी ही ज्यादा हथियारों की खरीद, और उतनी ही ज्यादा कंपनियों की कमाई। सिपरी की ताज़ा रिपोर्ट बताती है कि दुनिया की 100 सबसे बड़ी रक्षा कंपनियों ने 2024 में कुल 679 अरब डॉलर कमाए, जो यह दिखाता है कि वैश्विक स्तर पर युद्ध और तनाव अब एक भारी-भरकम कारोबार बन चुके हैं। यूक्रेन, गाजा और पूर्वी एशिया में बढ़ते संघर्षों ने हथियारों की मांग को तेजी से बढ़ाया है, जिसके चलते युद्धों का व्यावसायीकरण और कॉरपोरेट कंपनियों की भूमिका और मजबूत हो रही है। रिपोर्ट यह भी दर्शाती है कि पश्चिम एशिया अब एक नया हथियार उत्पादक क्षेत्र बनकर उभर रहा है, जिससे वैश्विक सैन्य उत्पादन में विविधता आई है। भारत की तीन कंपनियां क्रमशः हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स भी इस सूची में शामिल हैं, और घरेलू मांग के कारण इनकी संयुक्त आयुध कमाई 8.2 प्रतिशत बढ़कर 7.5 अरब डॉलर हो गई है। सिपरी का आकलन बताता है कि भविष्य में हथियारों की बिक्री और बढ़ने की संभावना है, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय तनाव कम होने के बजाय बढ़ रहा है, और देश ड्रोन व अत्याधुनिक रक्षा तकनीकों पर भारी निवेश कर रहे हैं। यह बढ़ती सैन्य होड़ न केवल शांति के लिए खतरा है, बल्कि विकास, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों से संसाधन हटाकर वैश्विक असमानताओं, भुखमरी, जलवायु संकट और अस्थिरता को भी बढ़ावा दे रही है। युद्धों और संघर्षों के कारण लाखों लोग विस्थापन, अकाल और मानवीय त्रासदियों का सामना कर रहे हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो आज युद्धों और संघर्षों के कारण दुनिया भर में लाखों लोग अपने घर, जमीन और रोज़गार से बेदखल हो रहे हैं। इससे बड़े पैमाने पर विस्थापन, भूख और मानवीय संकट पैदा हो रहे हैं। रिपोर्ट यह संकेत देती है कि विश्व समुदाय को हथियारों की इस अंधाधुंध दौड़ को रोकने के लिए गंभीर प्रयास करने होंगे, ताकि मानवता को बड़े संकट से बचाया जा सके।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)
लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

नौसेना दिवस

आरके जैन

सफेद वर्दी में चमकता है भारत का गर्व, साहस और स्वाभिमान

जब समुद्र की लहरें तेज़ी से उठती हैं और युद्धपोतों की गड़गड़ाहट आसमान तक गूंजती है, तब पूरा भारत गर्व से भर उठता है-यही है नौसेना दिवस की सच्ची शक्ति। 4 दिसंबर का यह खास दिन वह पल है जब देश अपने समुद्री वीरों को दिल से सलाम करता है। यह कोई साधारण तारीख नहीं, बल्कि 1971 के भारत-पाक युद्ध की वह यादगार रात है जब भारतीय नौसेना ने कराची बंदरगाह पर ऐसा वार किया कि दुश्मन संभल ही नहीं पाया। ऑपरेशन ट्राइडेंट, जिसका नाम सुनते ही रोमांच दौड़ जाए। पहली बार किसी एशियाई देश ने एंटी-शिप मिसाइलों का इस्तेमाल किया, चार पाकिस्तानी जहाज़ डूब गए, कराची का बंदरगाह जल उठा और उनकी नौसेना बिखरकर रह गई। यह सिर्फ जीत नहीं, बल्कि समुद्री युद्ध के इतिहास में लिखा गया एक चमकता हुआ अध्याय था। तभी से 4 दिसंबर भारतीय नौसेना दिवस के रूप में पूरे देश में गर्व के साथ मनाया जाता है। लेकिन यह दिन सिर्फ इतिहास की वीरगाथा नहीं सुनाता, यह वर्तमान की ताकत और भविष्य की तैयारी का भी प्रमाण है। भारतीय नौसेना आज दुनिया की चौथी सबसे बड़ी और सबसे सक्षम नौसेनाओं में शुमार है। 67000 से ज्यादा जांबाज़ सैनिक, 150 से अधिक युद्धपोत, 250 से भी अधिक विमान और पनडुब्बियां- ये सिर्फ संख्या नहीं, बल्कि हिंद महासागर में भारत की संप्रभुता का दस्तावेज़ है। देश का पहला स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत जब समुद्र में उतरा, तब पूरी दुनिया ने देखा कि भारत अब सिर्फ खरीदार नहीं, बल्कि खुद अपनी शक्ति गढ़ने वाला राष्ट्र है। वहीं, आईएनएस अरिहंत ने जब परमाणु त्रिशूल पूरा किया, तो बड़े-बड़े देश भी भारत की क्षमता के आगे गंभीर हो गए। बैलिस्टिक मिसाइलों से लैस यह पनडुब्बी दुश्मन के लिए साफ संदेश है। भारत की ओर आंख उठाई, तो कीमत भी चुकानी पड़ेगी और जवाब भी ऐसा मिलेगा कि याद रखना मुश्किल हो जाएगा। हिंद महासागर में भारतीय नौसेना आज सिर्फ रक्षक नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र का संतुलन संभालने वाली शक्ति है। मालदीव संकट में जब ऑपरेशन कैक्टस चला, श्रीलंका में आईपीकेएफ के दौरान जब नौसेना ने मानवीय मदद पहुंचाई, सुनामी की तबाही में जब हजारों जानें बचाईं, और हाल ही में ऑपरेशन राहत व ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जब युद्धग्रस्त देशों से भारतीयों को सुरक्षित घर लाया गया, हर बार नौसेना ने साबित किया कि उसकी ज़िम्मेदारी केवल समुद्र की सुरक्षा तक सीमित नहीं है। उसकी पहुंच वहां तक है, जहां तक भारत का एक भी नागरिक मौजूद है, चाहे वह दुनिया के किसी भी कोने में क्यों न हो। क्वाड का मजबूत सदस्य बनकर, मालाबार अभ्यास में अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ कदम मिलाकर, फ्रांस के साथ वरुण अभ्यास में अपनी क्षमता दिखाकर, और रूस के साथ इंद्रा नौसैनिक अभ्यास में हिस्सा लेकर भारत ने दुनिया को साफ संदेश दे दिया है, हिंद महासागर में दबाव, धमकी या दादागिरी नहीं चलेगी। आईएनएस विक्रमादित्य, आईएनएस चक्र, ब्रह्मोस से लैस स्टील्थ फ्रिगेट्स और पी-8 आई पोसाइडन विमान सिर्फ हथियार नहीं, बल्कि भारत की दृढ़ इच्छाशक्ति और समुद्री शक्ति के चमकते प्रतीक हैं। लेकिन नौसेना की सच्ची शक्ति उसके लोहे के जहाज़ों में नहीं, बल्कि उन सफेद वर्दी वाले वीरों में बसती है। वे ही हैं जो महीनों अपने परिवार से दूर रहते हैं; जब तूफान जहाज़ को झकझोरता है, नीचे अथाह समुद्र और ऊपर दुश्मन की नज़र होती है, फिर भी उनके चेहरे पर मुस्कान रहती है। वे समुद्र की गोद में रातें काटते हैं, ताकि करोड़ों भारतीय चैन से सो सकें। उनकी आँखों में गहराई है, दिल में देशभक्ति की गर्मी और हाथों में अजेय साहस। और उनके पीछे खड़ी होती हैं वे माएँ जो बेटे के जहाज़ पर चढ़ते ही आशीर्वाद देती हैं, वे पत्नियां जो हर तूफान में प्रार्थना करती हैं, वे बच्चे जो दिन गिनते रहते हैं। यही मौन शक्ति नौसेना को अपराजेय बनाती है। हर साल नौसेना दिवस पर जब गेटवे ऑफ इंडिया के सामने जहाज़ सलामी देते हैं, जब मिग-29 के आसमान को चीरते हुए दहाड़ते हैं, जब काले परिधान में मार्कोस कमांडो अपने रोमांचक करतब दिखाते हैं, तब हर भारतीय का सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है। पर यह गर्व सिर्फ उस पल तक सीमित नहीं रहना चाहिए। हमें याद रखना चाहिए कि यह नीली सीमा हमें यूं ही नहीं मिली, इसे वीरों ने अपने जीवन से सुरक्षित किया है। यह केवल जश्न मनाने का अवसर नहीं, बल्कि भविष्य की दिशा तय करने का पल है। इस नौसेना दिवस पर हमें केवल ताली बजाकर आगे नहीं बढ़ जाना चाहिए। हमें अपने बच्चों को उन जांबाज़ों की गाथाएं सुनानी चाहिए, जिनकी सफेद वर्दी में भारत का गर्व, साहस और स्वाभिमान चमकता है। जय हिंद। जय भारतीय नौसेना।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

कर्तव्य और अधिकार एक सिक्के के दो पहलू

संकलित
दर्शन

सामान्य तौर पर हम अधिकार एवं कर्तव्य की बात करते हैं। जबकि वास्तव में होना चाहिए कर्तव्य और अधिकार। व्यक्ति को पहले अपना कर्तव्य करना चाहिए। फिर अपने अधिकारों की बात करनी चाहिए। जब हम अधिकारों की बात करते हैं तो यह भूल जाते हैं कि हमारे कुछ कर्तव्य भी हैं। यह विडंबना है कि संविधान में भी कर्तव्यों को बाद में जोड़ा गया। जब कर्तव्य और अधिकार एक सिक्के के दो पहलू हैं, तो हम हमेशा अधिकार पर ही क्यों रुक जाते हैं? कर्तव्य हमें अपनी नैतिक जिम्मेदारी का अहसास कराते हैं तो अधिकार हमारे जागरूक होने का प्रमाण प्रस्तुत करते हैं। यदि हम जागरूक हैं तो फिर जिम्मेदार क्यों नहीं? अगर परिवार, समाज और देश में समृद्धि और शांति लाना चाहते हैं तो हर नागरिक को पहले अपने कर्तव्य पर ध्यान देना होगा। केवल अधिकारों की बात कर उसकी आड़ में हम अपने कर्तव्यों को अनदेखा न करें। हम ईमानदारी से कर्तव्य करते रहेंगे तो अधिकार स्वतः ही प्राप्त हो जाएंगे, क्योंकि वह कर्तव्यों में ही निहित है। कर्ण की कर्तव्य के प्रति निष्ठा सर्वविदित है। गीता में श्रीकृष्ण ने अर्जुन ही नहीं, बल्कि मनुष्य मात्र को यह उपदेश दिया है कि 'कर्म करो और फल की इच्छा मत करो।' जब इच्छित फल की हमें प्राप्ति नहीं होती है तो हमें दुख होता है। अतः सुखी रहना है तो सिर्फ कर्म करें और वह भी निष्काम भाव से। कर्तव्यों में कर्म है और कर्म करना ही मनुष्य की पहचान है। यही कर्म पुण्य के माध्यम से हमें स्वर्ग के द्वार तक पहुंचाते हैं।

अच्छी बातों को याद कर जीवन में उतारे

संकलित
प्रेरणा

महाभारत में श्रीकृष्ण की मदद से पांडवों ने कौरवों को पराजित कर दिया था, इसके बाद युधिष्ठिर राजा बन गए। महाभारत युद्ध के बाद जब श्रीकृष्ण द्वारका पहुंचे तो कुछ समय बाद यदुवंशी आपस में लड़कर मारे गए। जब श्रीकृष्ण का अपने धाम लौटने का समय आया तो उन्होंने अपना अंतिम ज्ञान उद्धव को दिया था। उद्धव श्रीकृष्ण के काका के बेटे थे और बहुत विद्वान थे। उद्धव ने श्रीकृष्ण से कई प्रश्न पूछे और भगवान ने सभी प्रश्नों के उत्तर दिए। जब उद्धव श्रीकृष्ण की बातों से संतुष्ट हो गए तो श्रीकृष्ण ने कहा कि उद्धव, अब मैं अपने धाम जाऊंगा यानी मैं इस संसार को छोड़कर जाने वाला हूं। अब तुम्हें भी मुझसे विदा होना होगा। ये बात सुनकर उद्धव दुखी हुए और उन्होंने श्रीकृष्ण का हाथ पकड़ लिया और कहा कि आप इस तरह मुझे छोड़कर नहीं जा सकते, मैं भी आपके साथ चलूंगा। श्रीकृष्ण ने उद्धव को समझाते हुए कहा कि इस दुनिया में सभी अकेले आते हैं और अकेले ही जाते हैं। इतना कहने के बाद श्रीकृष्ण ने अपनी चरण पादुकाएं उद्धव को भेंट में दे दीं और कहा, इस भेंट को याद रखना और अब तुम बद्रीकाश्रम चले जाओ। बद्रीनाथ के पर्वतों पर मैंने तुम्हें जो बातें बताई हैं, उन बातों का चिंतन करना। ये पादुकाएं तुम्हें मेरी अच्छी बातें याद दिलाएंगी। जो ज्ञान मैंने तुम्हें दिया है, उसका लोगों के हित में सही उपयोग करना। श्रीकृष्ण की ये बातें सुनकर उद्धव वहां से चले गए। इसके कुछ समय बाद जरा नाम के शिकारी का बाण श्रीकृष्ण के पैर के तलवे पर लगा। इसके बाद श्रीकृष्ण अपने धाम लौट गए।

सटाका

आज की पाती

ममता का सार्वजनिक अपमान

हाल ही में उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में वृद्धाश्रम में रह रही शोभा देवी के निधन के बाद जब बेटे को सूचना दी गई, तो उसने मां का शव लेने से साफ इनकार कर दिया। बेटे ने कहा कि घर में शादी है। शव आने से अपशगुन होगा। फ्रीजर में रखवा दीजिए, बाद में देख लेंगे। घंटों तक मां का पार्थिव शरीर वृद्धाश्रम में ही पड़ा रहा। अंततः प्रशासन ने हस्तक्षेप कर अंतिम संस्कार करवाया। इस घटना ने मां के जीवन भर के त्याग, ममता, समर्पण और प्रेम का मानो सार्वजनिक अपमान कर दिया। यह प्रसंग केवल एक परिवार की असफलता नहीं, बल्कि सभ्यता की आत्मा पर लगा सबसे बड़ा प्रश्नचिह्न है। यह घटना दिखाती है कि कैसे आज की भागदौड़ और दिखावे की जिंदगी में बुजुर्गों को बोझ समझने की मानसिकता बढ़ रही है।

– संजय पाठक, राजनांदगांव

ट्रेंड

सेवा की निरंतर साधना

मोदी सरकार के 11 वर्ष सत्ता से नहीं, सेवा की निरंतर साधना से चिन्हित रहे हैं। प्रधानमंत्री का 'प्रधानसेवक' भाव इस यात्रा का आधार है। इसी कड़ी में उन्होंने प्रधानमंत्री कार्यालय को 'सेवा तीर्थ' की भावना से जोड़ा है।

-पीयूष गोयल, केंद्रीय वाणिज्य मंत्री

कांग्रेस को सद्बुद्धि मिले

कांग्रेस की उम्र 140 साल हो गई है, लेकिन व्यवहार बच्चों और नाबालिगों की तरह कर रही है। एसआईआर पर तो बिहार की जनता पहले ही जवाब दे चुकी है। प्रश्न यह है कि क्या कांग्रेस घुसपैठियों को बचाना चाहती है? जनता के मुद्दों से सरोकार नहीं है। भगवान उन्हें सद्बुद्धि दें।

-शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय कृषि मंत्री

अभिव्यक्ति की आज़ादी

जिनका इतिहास ही मुखबिरी का रहा हो वो जासूसी करना कैसे छोड़ सकते हैं। भाजपा सरकार में अभिव्यक्ति की आज़ादी तो पहले ही छिनी जा रही थी अब घर-परिवार, नाते-रिश्तेदार, की आपसी बातचीत पर भी उनकी गिद्ध निगाह लग जाएगी।

-अखिलेश यादव, सांसद, सपा

जन-केंद्रित कदम

राजभवन, झारखंड का नाम बदलकर अब 'लोक भवन, झारखंड' कर दिया गया है। हम झारखंड की जनता को हार्दिक शुभकामनाएं देते हैं। यह झारखंड के लिए एक सकारात्मक और जन-केंद्रित कदम है।

-बाबूलाल मरांडी, पूर्व सीएम, झारखंड

करंट अफेयर

भारत की गहरी समझ रखने वाला युवा नेतृत्व होगा तैयार

सिंगापुर में 'कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री यंग इंडियन चैप्टर (सीआईआई वाईआई) ने कहा है कि उसका लक्ष्य हर वर्ष 300 युवाओं को छात्र विनियम कार्यक्रम में शामिल करना है ताकि भारतीय संस्कृति और अर्थव्यवस्था की गहरी समझ रखने वालों का नया नेतृत्व तैयार किया जा सके। सीआईआई वाईआई के चेयरमैन मोहम्मद इरशाद ने मंगलवार को यह टिप्पणी की। इससे एक दिन पहले सिंगापुर में पहला 'वाईआई – भारत सिंगापुर युवा सम्मेलन' आयोजित किया गया था। इरशाद ने कहा, 'भारत और सिंगापुर के बीच सदियों पुराने ऐतिहासिक संबंधों को प्रगाढ़ बनाने के लिए हमें भारतीय संस्कृति और अर्थव्यवस्था की गहरी समझ विकसित करनी होगी।' सिंगापुर फिलहाल भारत का सबसे बड़ा विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) केंद्र है। इरशाद (36) ने कहा, 'अब तक सिंगापुर के विश्वविद्यालयों के 40 छात्र 'इंडिया टैलेंट रीड प्रोग्राम' समेत विभिन्न विनिमय कार्यक्रमों के तहत भारत जा चुके हैं। ये कार्यक्रम सिंगापुर के व्यापार एवं उद्योग मंत्रालय, सरकारी एजेंसी 'एंटरप्राइज सिंगापुर' और राष्ट्रीय युवा परिषद के सहयोग से चलाए गए।

ऑफ बीट

धीरे-धीरे दौड़ने के कई फायदे आए सामने

धावकों को समय को लेकर जुनून होता है। शौकिया हों या पेशेवर, अधिकतर धावकों का उद्देश्य तेजी से दौड़ना होता है। वे अपने मैराथन समय में से कुछ

सेकंड कम करने के लिए लगातार प्रशिक्षण लेते हैं। लेकिन हाल के वर्षों में दौड़ने का जो चलन जोर पकड़ रहा है, वह है 'धीमी गति से दौड़ना'। इस चलन के पीछे विचार यह है कि कोई भी दौड़ सकता है – चाहे आपकी क्षमता कुछ भी हो या आप कितनी भी तेज दौड़ें। एक मजबूत आधार विकसित करने से काम करने वाली मांसपेशियों को प्रति धड़कन अधिक ऑक्सीजन पहुंचाने की क्षमता मिलती है, जो दौड़ में सफल होने के लिए महत्वपूर्ण है। इतना ही नहीं, बल्कि धीमी गति से दौड़ने से शरीर ऊर्जा के लिए संग्रहीत वसा का इस्तेमाल करता है। यह प्रक्रिया खाद्य पदार्थों से प्राप्त कार्बोहाइड्रेट संग्रह पर निर्भर रहने के विपरीत है। शरीर में एकत्र वसा का खंडित होना चयापचय की दृष्टि से कहीं अधिक कुशल प्रक्रिया है, क्योंकि वसा के एक अणु से प्राप्त ऊर्जा की मात्रा कार्बोहाइड्रेट के एक अणु से प्राप्त ऊर्जा की मात्रा से कहीं अधिक होती है। इसका मतलब है कि धावक कुल मिलाकर कम ऊर्जा का उपयोग करेंगे और कम थकेंगे तथा दौड़ के दिन तेजी से दौड़ने में सक्षम होंगे।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मप्र)
पिन कोड-482002
ई-मेल : edit@haribhoomi.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

शहर में दिखने लगी स्वच्छता और अतिक्रमण मुक्त सड़कें

निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार का एक्टिव मोड

हरिभूमि जबलपुर।

नगर निगम व्यवस्थाएं शहर में इन दिनों पूरी तरह 'एक्टिव मोड' में नजर आ रही है। आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार लगातार सुबह से लेकर देर रात तक फील्ड पर सक्रिय रहते हुए नगर निगम की कार्यप्रणाली में नई ऊर्जा भर रहे हैं। सफाई व्यवस्था से लेकर अतिक्रमण हटाने तक, और जनसुनवाई से लेकर ट्रैफिक सुधार तक शहर में वर्षों बाद प्रशासनिक चुस्ती और बेहतर तालमेल की तस्वीर उभर रही है। नगर निगम आयुक्त प्रतिदिन तड़के ही शहर के दौरे पर निकल रहे हैं। सूरज उगने से पहले वे प्रमुख सड़कों, बाजारों और कॉलोनियों में सफाई व्यवस्था का मौके पर जाकर जायजा लेते हैं। अधिकारियों और सफाई कर्मचारियों को रियल टाइम निर्देश दिए जा रहे हैं, जिससे लापरवाही पर तुरंत कार्रवाई और सुधार दोनों हो रहे हैं। देर रात भी आयुक्त शहर में नाइट स्वीपिंग व स्ट्रीट लाइट व्यवस्था का निरीक्षण कर यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि अंधेरे वाले पॉकेट खत्म हों और सफाई निरंतर बनी रहे।निगमायुक्त की एक्टिव मोड का असर नगर निगम मुख्यालय के हर विभाग में तो दिख ही रहा है साथ साथ निगम के संभागीय कार्यालयों में कार्य तेज हुआ है।

जनसुनवाई में खुद मौजूद

आयुक्त अहिरवार जनसुनवाई को औपचारिकता न बनाकर इसे प्रभावी माध्यम बनाने पर जोर दे रहे हैं। वे स्वयं जनसुनवाई में बैठ रहे हैं और एक एक शिकायत को गंभीरता से सुन रहे हैं। गत मंगलवार इसका उदाहरण देखने को मिला जब ट्रांसपोर्ट नगर के व्यापारी समस्या लेकर पहुंचे। जनसुनवाई के दूसरे दिन आयुक्त स्वयं उनके साथ स्थल पर पहुंचे तथा मौके पर ही समाधान कराया। इससे नागरिकों का भरोसा काफी बढ़ा है और शिकायतों के निपटारे की गति भी दोगुनी हुई है।

तीन साल बाद चंडाल भाटा की लीज बनेगी

बुधवार को चंडाल भाटा ट्रांसपोर्ट नगर में नगर निगम कमिश्नर रामप्रकाश अहिरवार एवं अपर कमिश्नर अरविंद शाह ने दौरा किया. व्यापारियों ने अपना लीज बनवाने और सड़क नाली पानी की समस्या रखी. निगमायुक्त ने तत्काल तीन साल से लंबित व्यापारियों के प्लाटो की लीज का काम शीघ्र शुरू करने के निर्देश दिये. इस मौके पर राजेश अग्रवाल बबलू सुधीर भागचंदानी मिकी आहूजा कुंदन विश्वकर्मा रूपेश साहू गोविंद राय रुपेश अग्रवाल डालचंद विश्वकर्मा आदि सैकड़ों ट्रांसपोर्टर उपस्थित रहे।

सात साल बाद फिर दिखी गंभीर पहल

करीब सात वर्षों बाद नगर निगम जबलपुर ने अतिक्रमण हटाने को लेकर गंभीर रुख अपनाया है। मुख्य मार्गों, बाजारों और चौराहों पर यातायात को बाधित करने वाले अतिक्रमणों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई शुरू हुई है। निगम प्रशासन की इस सक्रियता से शहर में ट्रैफिक फ्लो सुधारने की दिशा में सकारात्मक परिणाम देखने को मिल रहे हैं। व्यापारियों और आम लोगों को भी राहत मिलने लगी है।

महापौर–आयुक्त के बीच बेहतरीन तालमेल

नगर निगम में कार्य गति बढ़ने का एक बड़ा कारण महापौर और नगर निगम आयुक्त के बीच बेहतर तालमेल है। वर्षों बाद ऐसा समन्वय देखने को मिल रहा है, जिसका सीधा लाभ शहर की परियोजनाओं पर पड़ रहा है।फाइलें लंबित नहीं रह रहीं, निर्णय तेजी से हो रहे हैं और विभागों के बीच तालमेल भी सुदृढ़ हुआ है। प्रशासनिक और जनप्रतिनिधि दोनों स्तरों पर यह समझदारी निगम के कार्यों को स्मूथ बना रही है।

शहर में दिखने लगा बदलाव का असर

सफाई, अतिक्रमण, स्ट्रीट लाइट, ट्रैफिक सुधार और नागरिक शिकायतों के समाधान सभी मोर्चों पर तेज रफ्तार कामकाज ने नगर निगम जबलपुर को नए मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया है। लोगों का कहना है कि सक्रिय प्रशासन और बेहतर तालमेल का यह संयोजन अगर इसी तरह जारी रहता है, तो आने वाले महीनों में शहर की तस्वीर और भी बेहतर दिखाई देगी।

पश्चिम में मेगा फ्लाईओवर और आकर्षक एंट्री गेट बनेगा

निरीक्षणः लोक निर्माण मंत्री ने प्रस्तावित कामों की कार्य योजना जानीं

जबलपुर। मध्य प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह बुधवार को यहां नगर निगम कमिश्नर राम प्रकाश अहिरवार व अन्य अधिकारियों के साथ जबलपुर की ट्रैफिक व्यवस्था में सुधार लाने के लिये स्वीकृत फ्लाईओवर, सड़क निर्माण और चौड़ीकरण के लिये प्रस्तावित कार्यों का निरीक्षण किया. निरीक्षण के अवसर पर नगर निगम के अध्यक्ष रिंकु विज सहित क्षेत्रीय पार्षद एवं नागरिक मौजूद थे। जबलपुर के पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में कई प्रमुख काम प्रस्तावित हैं. इसपर मंत्री ने अपने निर्वाचन क्षेत्र में खुद मोर्चा संभाला और कई प्रमुख चौराहों का दौरान किया।उन्होंने प्रस्तावित यातायात सुधार योजनाओं का निरीक्षण करने के लिए शहर के कई प्रमुख चौराहों का दौरा किया और नगर निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार से विस्तृत कार्ययोजना की जानकारी ली. मंत्री राकेश सिंह ने इस दौरान बताया कि जबलपुर के लिए एक दीर्घकालीन और सुव्यवस्थित यातायात व्यवस्था तैयार की जा रही है, जिसके लिए राज्य सरकार लगातार प्रयासरत है।

अनुपूरक बजट में मिले हैं 550 करोड़

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में विधानसभा के द्वितीय अनुपूरक बजट में जबलपुर जिले के विकास कार्यों हेतु लगभग 550 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं. यह राशि प्रदेश के मुख्य बजट में स्वीकृत 3200 करोड़ रुपए का हिस्सा है. इस बजट में 16 महत्वपूर्ण कार्यों को मंजूरी मिली है, जिसमें जिले की लगभग सभी विधानसभाओं के विकास कार्य शामिल हैं.

350 करोड़ की लागत से बनेगा मेगा फ्लाईओवर

यातायात को सुगम बनाने के लिए जिस प्रमुख परियोजना को मंजूरी मिली है, उनमें लगभग 350 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाला थ्री-लेग फ्लाईओवर. यह महत्वपूर्ण परियोजना केंद्र के सीआईआरएफ फंड से बनाई जाएगी. यह फ्लाईओवर शहर के सबसे व्यस्त हिस्सों को जाम मुक्त करने का काम करेगा।

बंदरिया तिराहे से साईं मंदिर तक बनेगा फ्लाईओवर

प्रस्तावित कार्यों में बंदरिया तिराहे से साईं मंदिर तक फ्लाईओवर बनेगा. जिसमें पहला लेग बंदरिया तिराहा से हवाबाग कॉलेज तक, दूसरा लेग ग्रेनेडियनर चौक से शक्ति भवन तक, तीसरा लेगग्रेनेडियनर चौक से रामपुर छापर तक होगा। मंत्री सिंह ने विश्वास जताया कि इन परियोजनाओं के पूरा होने पर शहर के मुख्य मार्गों पर ट्रैफिक का दबाव काफी हद तक कम होगा और आम नागरिकों को जाम से बड़ी राहत मिलेगी.

अंधमुख चौराहा बनेगा एंट्री पॉइंट

ट्रैफिक सुधार के साथ-साथ शहर के सौंदर्यीकरण पर भी ध्यान दिया जा रहा है. मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि शहर के एंट्री पॉइंट अंधमुख चौराहा को बेहद सुंदर बनाया जाएगा. उनका उद्देश्य है कि शहर में प्रवेश करने वाले लोग अपने मन में जबलपुर की एक अच्छी छवि लेकर आएं.वर्तमान में, जबलपुर की सड़कों और ट्रैफिक व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए पीडब्ल्यूडी (लोक निर्माण विभाग) और नगर निगम की टीमें संयुक्त रूप से तेजी से कार्य कर रही हैं।

काशी तमिल संगमम ट्रेन का जबलपुर में स्वागत

जबलपुर। भारतीय रेलवे द्वारा एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना को साकार करते हुए तमिलनाडु और काशी के बीच सांस्कृतिक संबंधों को और अधिक सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आयोजित काशी तमिल संगमम 4.0 के लिए आज जबलपुर स्टेशन पर विशेष उत्साह देखने को मिला। तमिलनाडु के चेन्नई से काशी के लिए प्रस्थान करने वाली विशेष ट्रेन संख्या 06003 जब जबलपुर स्टेशन पहुँची, तो इसका जोरदार स्वागत किया गया। यह विशेष सेवा उन प्रतिभागियों को बनारस तक पहुँचाने के लिए चलाई जा रही है जो इस बहु-दिवसीय सांस्कृतिक समागम में भाग लेकर दोनों महान सांस्कृतिक धरोहरों के बीच सेतु का कार्य करेंगे। ज्ञातव्य है कि भारतीय रेलवे काशी तमिल संगमम 4.0 के प्रतिभागियों के लिए तमिलनाडु के प्रमुख शहरों—चेन्नई, कोयम्बटूर, कन्याकुमारी आदि—से कुल सात विशेष ट्रेनों का संचालन कर रहा है।

जबलपुर में मंडल वाणिज्य प्रबंधक ने किया स्वागत

विशेष ट्रेन के जबलपुर आगमन पर मंडल वाणिज्य प्रबंधक नितेश कुमार सोने के नेतृत्व में वाणिज्य विभाग के लगभग 25 अधिकारियों एवं कर्मचारियों की टीम ने स्टेशन पर उपस्थित होकर प्रत्येक कोच में जाकर यात्रियों का अभिवादन किया और उनका कुशल-क्षेम जाना। स्वयं श्री सोने ने ट्रेन में चढ़कर यात्रियों से वार्ता की, उनकी आवश्यकताओं एवं अनुभवों की जानकारी ली तथा उन्हें सुरक्षित एवं सुखद यात्रा की शुभकामनाएँ दीं।

जिला दंडाधिकारी ने किया तीन आदतन अपराधियों का जिला बदर

जबलपुर। जिला दंडाधिकारी एवं कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह ने राज्य सुरक्षा अधिनियम के तहत अलग-अलग आदेश जारी कर तीन आदतन अपराधियों का उनके समाज विरोधी गतिविधियों पर नियंत्रण के उद्देश्य से जिला बदर कर दिया है। जिला बदर किये गये इन अपराधियों में कुलियाना मोहल्ला मदन महल निवासी राकेश झारिया उम्र 36 वर्ष, बापू कॉलोनी लटकारी का पड़ाव निवासी संकेत राठौर उम्र 22 वर्ष एवं बरगी बायपास रोड थाना बरगी निवासी संजय उर्फ छोटू माली उम्र 33 वर्ष शामिल है। पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय की अनुशंसा पर इन तीनों अपराधियों को तीन-तीन माह की अवधि के लिए जिले से निष्काषित किया गया है। इस दौरान ये जबलपुर सहित इससे लगे मंडला, डिंडोरी, नरसिंहपुर, सिवनी, कटनी, दमोह एवं उमरिया जिलों की राजस्व सीमा में भी प्रवेश और निवास नहीं कर सकेंगे। जिला बदर किये गये तीनों आदतन अपराधियों पर मारपीट करने, जान से मारने की धमकी देने, हत्या, जुआं सट्टा खिलाने, अवैध वसूली करने, बलवा करने, शराब का अवैध विक्रय करने जैसे कई गंभीर प्रकरण दर्ज हैं।

कल से 8 दिम्बर तक बंद रहेगा रेलवे फाटक

जबलपुर। जबलपुर रेल मंडल के कछपुरा एवं मदनमहल स्टेशन के मध्य किलोमीटर 985 5-6 पर स्थित समपार क्रमांक 316 (एसपीएल कछपुरा गेट) में ओवरहॉलिंग एवं रेलपथ अनुरक्षण कार्य किए जाने कछपुरा रेलवे समपार फाटक तकनीकी ओवरहॉलिंग तथा ट्रैक मेंटेनेंस कार्य के चलते कल 05 दिसंबर 2025 से 08 दिसंबर 2025 तक लगातार सड़क यातायात पूर्णतः बंद रहेगा। समपार फाटक पर सड़क यातायात बंद रहने की अवधि में जनता एवं वाहन चालकों के लिए पास स्थित रोड ओवर ब्रिज से यातायात संचालित किया जाएगा। इस कारण से नागरिकों से अनुरोध है कि वे अपने मार्ग की योजना पूर्व से बनाएं तथा अनावश्यक भीड़-भाड़ और विलंब से बचने हेतु वैकल्पिक मार्ग का उपयोग करें।

हरिभूमि
जन्मदिन उत्सव महाबम्पर ड्रा
सांत्वना पुरस्कार विजेताओं के नाम

रायपुर संस्करण - 371. मेश पटेल पिता\पति ईश्वर पटेल पता- चंगोरा भाटा रायपुर, 372. हेमांगी शांडिल्य पिता\पति अमृत शांडिल्य पता– रायपुर, 373. हरिशंकर चंद्राकर पिता\पति स्व. फूलसिंह चंद्राकर पता- सुन्दर नगर रायपुर, 374. रूप राम साहू पिता\पति चैन सिंह साहू पता - बोरिया खुर्द रायपुर, 375. मिथलेश आडिल पिता\पति अजीत राम आडिल पता- राम नगर चंगोरा भाठा रायपुर, 376. रूपराम देवांगन पिता\पति घसिया राम देवांगन पता- मथपुरेना रायपुर, 377. सृष्टि चंद्राकर पिता\पति देवेन्द्र कुमार चंद्राकर पता- छत्तीसगढ़ नगर टिकरापारा रायपुर, 378. जितेश कुमार देवांगन पिता\पति बलदेव देवांगन पता- शहीद भगत सिंह चौक टिकरापारा रायपुर, 379. एशिता सेन पिता\पति जितेन्द्र सेन पता- छत्तीसगढ़ नगर टिकरापारा रायपुर, 380. त्रिशा सिन्हा पिता\पति पदमलोचन सिन्हा पता- मोहंदा तरपोंगी रायपुर, 381. अनन्या साहु पिता\पति रोशन लाल साहु पता- सरकडा पोस्ट पांडुका, 382. देवानंद साहू पिता\पति महेतरू राम साहू पता- दहदहा धमतरी, 383. लता बाई साहू पिता\पति सनत राम साहू पता- बकली कुरूद धमतरी, 384. सैय्यद मख्मूद अली पिता\पति सैय्यद महमूद अली पता- सिहावा चौक धमतरी, 385. थानेखर सिन्हा पिता\पति राम कुमार सिन्हा पता- भोथिपार खुर्द नयापारा राजनादगांव, 386. पशुपति नाथ ताम्रकार पिता\पति स्व. शंकर लाल ताम्रकार पता- गैंदाटोला राजनादगांव, 387. सुनीता सोनी पिता\पति राकेश कुमार सोनी पता- सोनार पारा राजनादगांव, 388. चित्रांश चौहान पिता\पति हेमंत कुमार चौहान पता- बेमेतरा, 389. झामिन देवांगन पिता\पति हरीश कुमार देवांगन पता- सरगपाल कांकेर, 390. ईश्वर चंद खिस्ती पिता\पति स्व. सूर्यकान्त खिस्ती पता- चितौद पुरुर धमतरी, 391. सरिता राव पिता\पति M.G. राव पता- नयापारा जगदलपुर, 392. राजेंद्र सिदार पिता\पति वासुदेव सिदार पता- अयोध्या नगर महासमुंद, 393. बेला शर्मा पिता\पति विजय कुमार शर्मा पता- AH\34 कलेक्टर कॉलोनी कवर्धा, 394. कुंदन वर्मा पिता\पति भेलेंद्र कुमार वर्मा पता- अर्जुनी, 395.मिथलेश ठाकुर पिता\पति लक्ष्मा ठाकुर पता- डी.एन. के. कोंडागांव, 396. हर्षित टंडन पिता\पति द्वारिका प्रसाद पता- क्वा.2/C 15 जोन- 1 खुर्सीपार, 397. निर्मल सिंह पिता\पति स्व.तेजा सिंह पता- Q.N.-90/Jकैंप -01 भिलाई, 398. केशव दास साहू पिता\पति दानी राम साहू पता-वार्ड न.-27 सुभाष नगर खुर्सीपार भिलाई, 399. खिलेश देवांगन पिता\पति चैत लाल देवांगन पता- क्वा. न. 5\H जोन-01 खुर्सीपार भिलाई, 400. अन्नपूर्णा साहू पिता\पति तुला राम साहू पता-रामनगर भिलाई, 401. चैतन्य साहू पिता\पति तेजप्रकाश साहू पता-अंजोरा दुर्ग, 402. रेखचंद ठाकुर पिता\पति रोमन ठाकुर पता- गनियारी दुर्ग, 403. सतीश देवांगन पिता\पति स्व.जीवन लाल देवांगन पता- कोष्टा पारा देवांगन, 404. पंकज कुमार पटेल पिता\पति स्व. नन्द कुमार पटेल पता- पटेल पारा वार्ड क्र.57 उरला दुर्ग, 405. समय लाल साहू पिता\पति नजऊ राम साहू पता-पुरनी बस्ती पोटियाकला दुर्ग, **बिलासपुर संस्करण-** 406. नारायण कुमार सोनी पिता/पति -महेंद्र कुमार सोनी पता– बड़ौदा, 407. दिनेश देवांगन पिता/पति लखन लाल देवांगन पता- मेन रोड गांधी चौक सिवनी चांपा, 408. अननिया शराफ़ पिता/पति यशवंत शराफ़ पता– बलौदा, 409. महेंद्र कुमार सोनी पिता/पति शिव कुमार सोनी पता- बलौदा सोनरपारा, 410. अखिलेश्वर प्रसाद पिता/पति स्व. रेशम लाल पता- पौना जांजगीर, 411. अरुण कुमार यादव पिता/पति प्रकाश चंद यादव पता- खोखासा वार्ड- 4 जांजगीर, 412. रामेश्वर कुमार सूर्यवंशी पिता/पति पीसोद जांजगीर, 413. विकेश यादव पिता/पति रघुलाल यादव पता- पुरानी बस्ती नैला वार्ड-4, 414. पीयूस यादव पिता/पति तिवारी पारा खरौद नगर जांजगीर रायगढ़ जिला 415. रूप दर्शन पिता/पति अजय कुमार दर्शन पता- केलो विहार कालोनी, 416. ललित गुप्ता पिता/पति श्याम चंद्र गुप्ता पता- कंसबेल 417. लालिमा चौहान पिता/पति जीवरधन चौहान पता- बेलाडुल खररघाट, 418. जीवर्धन प्रसाद चौहान पिता/पति स्व. सुकमुना चौहान पता- बेलाडुल रायगढ़ 419. श्याम सिंह ठाकुर पिता/पति स्व. अमरनाथ सिंह ठाकुर पता- दारोगपारा रायगढ़ मुंगेली जिला, 420. प्रिया तंबोली पिता/पति मनीष तंबोली पता- शिक्षक नगर आंबेडकर वार्ड मुंगेली 421. शृंखला शर्मा पिता/पति चंद्रशेखर शर्मा पता- मुंगेली, 422. डॉली श्रीवास पिता/पति कमलेश श्रीवास पता- अग्रसेन वार्ड, 423. संतोष कुमार पाठक पिता/पति स्व. सलिक राम पाठक पता- मुंगेली, 424. अक्षय कुमार देवांगन पिता/पति राजेश देवांगन पता- पड़ाव पारा मुंगेली, 425. रितिका देवांगन पिता/पति बसंत देवांगन पता- आंबेड़कर वार्ड मुंगेली, 426. धीरज बांध पिता/पति संदीप बांध पता- मिशन कम्पाउन्ड मुंगेली, 427. दिवांश पटेल पिता /पति वार्ड-1 सूरदा देवरी, 428. आंचल पटेल पिता/पति वार्ड-1 सड़क पारा सूरदा देवरी मुंगेली, **भोपाल संस्करण -** 429. अंशुल सेन पिता\पति विनोद सेन पता- ई-6 जनता कॉलोनी अरेरा कॉलोनी, 430. पूजा सेन पिता\पति विनोद सेनशाहपुरा, 431. रोशन रैकवार पिता\पति विमल रैकवार पता- 21 श्याम नगरभोपाल, 432 .दिनेश कुमार पटेल पिता\पति रामसलोने पता-पटेलशॉप 18 मेट्रो वॉक विटटन मार्केट, 433. रवि कुमार पाण्डेय पिता\पति किशन पाण्डेय पता-विश्वकर्मा नगर, 434. नीरज चौबे पता- विदिशा पेढ़ी स्कूल के पास, 435. रानी कुशवाह पिता\पति सुनील कुशवाह पता- विदिशा, 436. आदित्य सक्सेना पिता\पति मनोज सक्सेना पता- मकान नं.115 फेस-3 अरिहंत विहार विदिशा, **जबलपुर संस्करण** 437. नरेंद्र कुमार जैन पिता\पति स्वर्गी कोमल चंद्र जैन गोल बाजार जबलपुर, 438. प्रेमा नारायण पिता\पति बसु देव संजय गांधी नगर कटंगा जबलपुर, 439. अंश सोनोने पिता\पति शरद सोनोने पता- 970 मंजू पथ दीक्षित पुरा उपरैनगंज डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद वार्ड जबलपुर, 440. प्रिथम नायक पिता\पति प्रदीप नायक पता- नेहरू वार्ड क्रमांक 8 पाटन, 441. सुजीत कुमार द्विवेदी पिता\पति श्री रमेश प्रसाद द्विवेदी वार्ड नंबर 1 अनूपपुर, 442. जितेंद्र गौतम पिता\पति स्वर्गीय बाला प्रसाद गौतम अनूपपुर कोतमा, 443. आरती गुप्ता पिता\पति अभिनेश गुप्ता वार्ड नंबर 6 पुरानी बस्ती कोतमा, 444. अर्चित पांडे पिता\पति भानु कुमार पांडे कोतमा।

नियम एवं शर्ते लागू* शेष विजेताओं की सूची के लिये पढ़ते रहिए हरिभूमि

धान खरीदी

- 102 में से महज 55 उपार्जन केंद्र बने
- 47 के लिए जिला उपार्जन समिति कर रही जद्दोजहद

4 दिन बीतने के बाद भी नहीं शुरू हो पाई धान की खरीद

हरिभूमि, जबलपुर।

जिले में धान की खरीदी को लेकर ऊहापोह की स्थिति निर्मित है। एक तरफ सरकार कह रही है कि हम किसान का एक एक दाना खरीदेंगे वहीं दूसरी तरफ किसान सरकारी मशीनरी की तरफ मुंह ताकता नजर आ रहा है। दरअसल 1 दिसंबर से शुरू होने वाली धानी की खरीदी आज दिनांक तक शुरू नहीं हो पाई है। ऐसे में किसानों के पास खुले बाजार में धान बेचने के आलावा कोई विकल्प नजर नहीं आ रहा है।

उल्लेखनीय है कि जिले में 1 दिसंबर से धान की समर्थन मूल्य पर खरीदी शुरू हो जाना थी। लेकिन किसान का एक दाना भी आज दिनांक तक समर्थन मूल्य पर नहीं खरीदा गया। यहा तक कि किसान को अपनी मेहनत की उपज को खुले बाजार में बेचने मजबूर होना पड़ रहा है जहां पर किसान को उचित दाम नहीं मिल रहे हैं। इसके लिए जिला उपार्जन समिति को दोषी माना जा रहा है, जिसके द्वारा अभी तक जिले में पूरे खरीदी केंद्र ही नहीं बनाए गए हैं।

55 केंद्र ही बने

जिले में जिला उपार्जन समिति द्वारा 102 समर्थन मूल्य के खरीदी केंद्र बनाए जाने थे। आलम यह है कि आज तक महज 55 खरीदी केंद्र ही बन पाए हैं। जबकि 47 केंद्रों के लिए जिला उपार्जन समिति की जद्दोजहद आज भी जारी है। ऐसे में किसान कहां अपना स्लॉट बुक करेगा, जहां पर उसकी उपज की खरीदी होगी, इसके लिए प्रशासनिक अधिकारियों के मुंह ताकता नजर आ रहा है।

1587 स्लाट हुए बुक

जिला उपार्जन समिति द्वारा बनाए गए 55 खरीदी केंद्रों में अब तक महज 1587 किसानों द्वारा स्लॉट बुक कराए गए हैं। कहा जा रहा है कि जिले में लगभग 55 हजार किसानों ने पंजीयन कराया है, जिनसे लगभग 4 लाख मेट्रिक टन धान की खरीदी होना है। परंतु जिस गति से धान का उपार्जन चल रहा है, उससे तो यही प्रतीत होता है कि जिले में खरीदी का आंकड़ा इस बार घटकर 2 लाख मीट्रिक टन यानी की आधा रह जाएगा।

क्रमिक भूख हड़ताल के साथ सिहोरा जिला आंदोलन का श्रीगणेश

भाजपा कांग्रेस के नेताओं सहित दो दर्जन से अधिक लोग बैठे प्रथम जत्थे में, आज निकलेगी "सिहोरा स्वाभिमान" वाहन रैली

सिहोरा

सिहोरा जिला गठन को लेकर बुधवार का दिन ऐतिहासिक रहा। क्रमिक भूख हड़ताल के साथ सिहोरा जिला आंदोलन की शुरुआत इतनी जबरदस्त रही कि सुबह से शाम तक पूरे शहर में जोश और आक्रोश दोनों दिखाई दिए। भाजपा कांग्रेस के नेताओं सहित दो दर्जन से अधिक लोग भूख हड़ताल में बैठे। पूरा दिन आंदोलनकारी शासन प्रशासन को सिहोरा जिला बनाने की खुली ललकार देते रहे, और बस स्टैंड से लेकर प्रमुख चौराहों तक "जिला दो — न्याय दो" के नारे गूंजते रहे।

भाजपा के अनेक नेताओं ने दिया समर्थन

आश्चर्यजनक रूप से आज आंदोलन को भाजपा के कई स्थानीय नेताओं ने भी खुलकर समर्थन दिया। नेताओं ने क्रमिक भूख हड़ताल स्थल पर पहुंचकर कहा कि सिहोरा जिला जनता की जनभावना है और इसे जल्द से जल्द पूरा किया जाना चाहिए। पूर्व विधायक दिलीप दुबे ने भी भूख हड़ताल के मंच पर पहुंचकर जिला आन्दोलन का समर्थन किया।

आज महिलाएं भी बैठेंगी भूख हड़ताल में

आमजन के साथ अब महिलाएं भी आंदोलन में मजबूती से उतर रही हैं। जानकारी के अनुसार, आज बड़ी संख्या में महिलाएं भी क्रमिक भूख हड़ताल पर बैठेंगी, जिससे आंदोलन को नई ऊर्जा मिलने की उम्मीद है।

"सिहोरा स्वाभिमान" वाहन रैली आज शाम

आंदोलनकारियों ने घोषणा की है कि आज गुरुवार को शाम 4 बजे "सिहोरा स्वाभिमान" वाहन रैली निकाली जाएगी। यह रैली शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरकर सरकार तक सिहोरावासियों का संदेश पहुंचाएगी। स्थानीय युवाओं, सामाजिक संगठनों और बाजार व्यापारियों ने रैली को सफल बनाने के लिए लोगों से बड़ी संख्या में शामिल होने की अपील की है।

प्रथम जत्थे में ये बैठे क्रमिक भूख हड़ताल में

प्रथम जत्थे के रुप में भाजपा के पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष प्रकाश पांडे,रामजी शुक्ला,अनिल जैन, शिशिर पांडे,बब्लू सोनी,गोरीहर राजे,निशार अहमद अंसारी,मोहन सोंधिया,मूलचंद विश्वकर्मा,आनंद प्रकाश जैन,अतुल जैन,रमा चौरसिया, कृष्ण कुमार कुररिया,चिंटू ठाकुर,राजेन्द्र गर्ग,अनिल दाहिया,भरत नामदेव,बनवारी गुप्ता,अनिल खम्परिया,डल्ली सेठ,लक्ष्मी नारायण पटेल,देव शुक्ला, नासिर खान,शिवकुमार गर्ग,मदन मोहन रजक,भावेश गुप्ता,निखिल आहूजा,संतोष तिवारी आदि भूख हड़ताल में बैठे।

ट्रांसको के सब स्टेशनों में रात्रिकालीन औचक निरीक्षण, लापरवाही रोकने उठाए गए कदम

जबलपुर। मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) द्वारा सबस्टेशनों की सुरक्षा एवं कार्यप्रणाली में सुधार हेतु शुरू की गई रात्रिकालीन औचक निरीक्षण की पहल लगातार सकारात्मक परिणाम दे रही है।

इन निरीक्षणों के बाद सबस्टेशनों पर तैनात आउटसोर्स कर्मचारियों में कार्य के प्रति सजगता और अनुशासन का स्तर बढ़ा है, वहीं लापरवाही के मामलों में भी उल्लेखनीय कमी आई है। इस पहल से न केवल सुरक्षा में मजबूती आई है, बल्कि यार्ड संचालन एवं कार्य दक्षता में भी सुधार देखा गया है। रात्रिकालीन औचक निरीक्षण की यह परंपरा पूर्व मुख्य अभियंता प्रवीण गार्गव के कार्यकाल में प्रारंभ की गई थी। उस समय सबस्टेशनों के ट्रांसफॉर्मरों के न्यूट्रल से जुड़े अत्यंत संवेदनशील एवं बहुमूल्य तांबे की स्ट्रिप एवं आईसोलेटर के कापर ब्लेड चोरी की घटनाएँ सामने आती थीं। सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से शुरू की गई यह पहल अब तक प्रभावी सिद्ध हुई है। निरीक्षण के दौरान प्रत्येक अधिकारी को सबस्टेशन का फोटो व वीडियो प्रमाण सहित निरीक्षण विवरण विभागीय व्हाट्सएप ग्रुप में साझा किये जा रहें है, जिससे सम्पूर्ण प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित हो रही है।

तस्कर से 311 पाव देशी शराब जप्त

जबलपुर।

शहपुरा पुलिस ने शहपुरा-बेलखेडा हाईवे मार्ग नटवारा के आगे अवैध शराब के कारोबार में लिप्त दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से 311 पाव देशी शराब और मोटर सायकिल जब्त की है। शहपुरा थाना प्रभारी प्रवीण धुर्वे ने बताया कि गत दिवस मुखिबर की सूचना पर शहपुरा-बेलखेडा हाईवे मार्ग नटवारा के आगे बिना नंबर की मोटर सायकिल में शराब लेकर बेलखेड़ा की ओर आ रहे ग्राम केवलारी बेलखेड़ा निवासी 21 वर्षीय अमन सिंह गौंड एवं मनकेडी पिण्डरई बेलखेडा निवासी 45 वर्षीय संतोष ठाकुर को गिरफ्तार कर उनके पास से 311 पाव देशी शराब और मोटरसायकिल जब्त की है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के विरूद्ध 34(2) आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की गयी।

दोहरा मानदेय घोटाला: सरपंच अरविंद पटेल दोषी, शिक्षा विभाग ने रिपोर्ट कलेक्टर को भेजी

मझौली।

विकासखंड मझौली की ग्राम पंचायत दोहतरा में सरपंच अरविंद पटेल पर दो विभागों से मानदेय लेकर धोखाधड़ी करने का मामला अब गंभीर रूप ले चुका है। ग्रामीणों की शिकायत के बाद शिक्षा विभाग द्वारा की गई जांच में सरपंच दोषी पाए गए हैं।

विभाग ने इस पूरे प्रकरण पर विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर जिला शिक्षा अधिकारी तथा कलेक्टर जबलपुर को भेज दी है। जांच समिति के अनुसार अरविंद पटेल शासकीय हाई स्कूल अभाना में अतिथि शिक्षक के रूप में पदस्थ थे। इसी अवधि में वे ग्राम पंचायत दोहतरा के सरपंच पद पर भी कार्यरत रहे और दोनों विभागों से एक साथ मानदेय प्राप्त करते रहे। समिति ने पाया कि उन्होंने ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज कर विभाग को गुमराह किया, जिससे यह सिद्ध हुआ कि दोहरा लाभ उठाकर शासन के साथ धोखाधड़ी की गई।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि यदि सरपंच की जगह कोई योग्य अभ्यर्थी अतिथि शिक्षक के रूप में नियुक्त होता, तो उसके परिवार का भरण-पोषण होता। सरपंच ने दूसरे व्यक्ति का हक मारते हुए गलत तरीके से दोहरा मानदेय लिया। ग्रामीणों ने यह भी कहा कि "शिक्षा विभाग के कुछ स्थानीय अधिकारियों की मिलीभगत से यह अनियमितता कई महीनों तक चलती रही। समय पर निगरानी होती तो ऐसी धोखाधड़ी संभव ही नहीं थी।" जांच समिति ने अपनी रिपोर्ट में सरपंच अरविंद पटेल के विरुद्ध कड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की अनुशंसा की है।

ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि इस प्रकार की अनियमितताओं पर सख्त कदम उठाकर भविष्य में ऐसे मामलों पर रोक लगाई जाए, जिससे ईमानदार और योग्य व्यक्तियों के अधिकारों का हनन न हो। यह मामला अब प्रशासनिक स्तर पर पहुँच चुका है और आगे की कार्रवाई पर सभी ग्रामीणों की निगाहें टिकी हुई हैं।

तुलाई के दौरान किसानों को न हो कोई भी असुविधा : रुपेश्वरी कुंजाम

तहसीलदार ने किया धान खरीदी केंद्रों का निरीक्षण

सिहोरा।

सिहोरा में धान खरीदी प्रक्रिया को पारदर्शीता के साथ सरल एंव सुगम बनाने के उद्देश्य से तहसीलदार सिहोरा रूपेश्वरी कुजांम ने धान खरीदी केंद्र राधे राधे वेयर हाउस सिलुआ शिव शक्ति वेयर हाउस टिकरिया,पुष्पराज वेयर हाउस जुझारी का निरीक्षण किया।

खरीदी केंद्र में हो पेयजल,टेंट की व्यवस्था

औचक निरीक्षण के दौरान सभी केंद्रों में तय मानकों के तहत खरीदी हो तौलाई,बारदाना उपलब्धता, किसानों के लिए पेय जल,टेन्ट,सुरक्षा व्यवस्था,सी सी टी व्ही कैमरे की व्यवस्थाओं के साथ कंट्रोल रूम वाईफाई स्थापित करने के निर्देश दिए। तथा मैदानी स्तर पर समीक्षा की।धान खरीदी केंद्र प्रभारी और समिति सदस्यों को निर्देशित करते हुए तहसीलदार ने कहा कि किसानों को तुलाई

के दौरान किसी भी प्रकार की देरी या असुविधा न हो इस बात का ध्यान रखे।

अनियमितता पर होगी तुरंत कार्यवाही

खरीदी केंद्रों में सभी व्यवस्थाएं नियमों के अनुरूप पूरी तरह सुनिश्चित रहे धान खरीदी नियमों के तहत पारदर्शी तरीके से की जाए खरीदी प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी। खरीदी सीज़न के दौरान सतत निगरानी रखें और किसानों की समस्याओं का प्राथमिकता से समाधान किया जाए। इस अवसर पर पटवारी शनि द्विवेदी, गीता रजक सहित अनेक कर्मचारी उपस्थित थे।

ये समिति प्रबंधक रहे उपस्थित

इस अवसर पर प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति केंद्र क्रमांक 1 मझगवां के समिति प्रबंधक -चंद्रभान पटेल, प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति केंद्र क्रमांक 1 फनवानी के समिति प्रबंधक संत कुमार गर्ग,प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति केंद्र क्रमांक 1 कछपुरा के समिति प्रबंधक राकेश दुबे सहित राजस्व अमला उपस्थित रहे।

इनका कहना है

सभी केन्द्रों में आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश खरीदी प्रभारी तथा समिती प्रवंधको को दिये गये है।

रुपेश्वरी कुंजाम
तहसीलदार सिहोरा

कला निकेतन महाविद्यालय में एनएसयूआई की नई कार्यकारिणी गठित

हरिभूमि, जबलपुर

कला निकेतन महाविद्यालय में भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन एनएसयूआई की नई कार्यकारिणी का गठन उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में पूर्व छात्र नेता श्रीकांत विश्वकर्मा, एनएसयूआई राष्ट्रीय सचिव करण तामसेतवर, प्रदेश उपाध्यक्ष अमित मिश्रा, प्रदेश महासचिव नीलेश माहर, तथा जिला अध्यक्ष सचिन रजक उपस्थित रहे।

प्रदेश महासचिव नीलेश माहर की अनुशंसा और जिला अध्यक्ष सचिन रजक के मार्गदर्शन में गठित कार्यकारिणी में दिव्यांश सिंह चौहान को अध्यक्ष बनाया गया। वरिष्ठ उपाध्यक्षः सजल, अर्जुन मिश्रा महासचिवः ध्रुव गुप्ता, नीरज सोनी, सचिन तिवारी सचिवः सागर रावत, रितेश पांडे, नदीम, तेशर अली, अनंत माझी कई अन्य सक्रिय कार्यकर्ताओं को भी जिम्मेदारियाँ सौंपी गईं।

कार्यक्रम में सैकड़ों छात्र उपस्थित रहे। छात्रों ने कहा कि एनएसयूआई हमेशा उनकी समस्याओं को मुखरता से उठाता रहा है और आगे भी छात्र हितों की लड़ाई जारी रखेगा। इस अवसर पर आपूर्व केसरवानी, राहुल यादव, सक्षम यादव, यश सोनी, करण सिंह, लाल श्रीवास्तव, जयसूर्या मिश्रा, फैजल खान, एहतेशाम खान, शुभ सोनी सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। एनएसयूआई ने विश्वास जताया कि नई कार्यकारिणी महाविद्यालय के छात्रों के अधिकारों और हितों की रक्षा हेतु लगातार सक्रिय रहेगी।

निर्भय नगर में नहीं थम रहे अपराध-बदमाशों ने 2 युवकों पर किया चाकू से वार

जबलपुर।

अधारताल थाना क्षेत्र में अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं। जुआ, सट्टा, अवैध शराब के लिए कुख्यात हो सके निर्भयनगर में अभी महिलाओं पर चाकू से हमला करने वाले आरोपी पकड़े भी नहीं गए थे कि कल फिर दुर्गा मंदिर निर्भय नगर में पुरानी रंजिश को लेकर तीन बदमाशों ने एक युवक व बीच बचाव करने आए उसके दोस्त पर चाकू से हमला कर दिया।

हमले में घायल दोस्तों को उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। अधारताल पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार जय प्रकाश नगर अधारताल निवासी 32 वर्षीय अमन चौधरी गत दिवस अपने दोस्त चीनू के साथ दुर्गा मंदिर निर्भय नगर गया था जहां पर राकेश ठाकुर एवं रुपेन्द्र अपने एक अन्य साथी के साथ मिले और पुरानी रंजिश पर गालीगलौज करने लगे, मना करने पर राकेश ने चाकू से उसके पेट व सीने पर हमला कर दिया। उसके दोस्त चीनू ने बीच बचाव किया तो उसके हाथ पर भी चाकू से हमला कर दिया। घायल अमन को उपचार के लिए विक्टोरिया ले जाया गया, जहां से उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 296, 109, 353(2), 3(5) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

सांदीपनि विद्यालय में धूमधाम से मनाया गया गीता महोत्सव

मझौली। सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, मझौली में ब्लॉक स्तरीय अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव अत्यंत श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक एवं छात्र बड़ी संख्या में सम्मिलित हुए। महोत्सव का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्री विष्णु वराह मंदिर के पुजारी श्री ललित परोहा जी द्वारा माँ सरस्वती एवं श्रीकृष्ण पूजन के साथ किया गया। तत्पश्चात विद्यार्थियों द्वारा श्रीमद्भगवद्गीता के 15वें अध्याय के श्लोकों का सामूहिक वाचन प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी छात्रों एवं अतिथियों को श्रीमद्भगवद्गीता की प्रतियां वितरित की गईं। समापन अवसर पर श्रीकृष्ण भजन एवं पुष्पांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में विद्यालय की प्राचार्य संगीता राय, प्रधानाध्यापक अजय कुमार रैकवार, तथा गीता महोत्सव के प्रभारी अनुराग माझी, सोनिया शर्मा, शिवांश विश्वकर्मा सहित समस्त शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

अग्नि वीरों के छठे बैच की भव्य पासिंग आउट परेड सम्पन्न

जबलपुर। मुख्यालय मध्य भारत एरिया के तत्वाधान में जबलपुर मिलिट्री स्टेशन में भारतीय सेना के अग्निवीरों के छठे बैच की भव्य पासिंग आउट परेड आयोजित की गई। इस अवसर पर जम्मू और कश्मीर राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर और 1 सिग्नल ट्रेनिंग सेंटर के कुल 1113 अग्निवीर और 441 टेरिटोरियल आर्मी (टीए) सैनिक पास आउट हुए। इसमें जम्मू और कश्मीर राइफल्स सेंटर के 460 अग्निवीर और 441 टीए सैनिक तथा 1 सिग्नल ट्रेनिंग सेंटर के 653 अग्निवीर शामिल थे। पारंपरिक परेड का निरीक्षण रेजिमेंटल सेंटर के कमांडेंट ब्रिगेडियर राकेश शर्मा और 1 सिग्नल ट्रेनिंग सेंटर के कमांडेंट ब्रिगेडियर टी सुरेश ने किया। समारोह में सैन्य अधिकारी, जूनियर कमीशंड अधिकारी, सैनिक और अन्य प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे। ब्रिगेडियर शर्मा और ब्रिगेडियर टी सुरेश ने अग्निवीरों को राष्ट्र और रेजिमेंट के प्रति अपनी शपथ का पालन करने तथा उच्च अनुशासन और समर्पण के साथ सेवा देने का आह्वान किया। 31 सप्ताह के कठिन प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने वाले अग्निवीरों ने गीता, कुरान, गुरु ग्रंथ साहिब और बाइबल जैसे पवित्र ग्रंथों पर हाथ रखकर देश की रक्षा की शपथ ली।

राष्ट्रीय ब्लाइंड क्रिकेट नागेश ट्रॉफी तीसरे दिन भी जारी रहा मुकाबला

जबलपुर। "दृष्टि दिव्यांग खिलाड़ी किसी प्रतिभा के मोहताज नहीं। सामान्य व्यक्तियों की तरह दृष्टिबाधित दिव्यांग साथी भी अब क्रिकेट जैसे असामान्य व असाधारण खेल के माध्यम से विश्व में कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं।" यह विचार जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष मनीष तिवारी ने रानीताल स्टेडियम में चल रहे ब्लाइंड क्रिकेट राष्ट्रीय नागेश ट्रॉफी स्थल में पहुंचकर व्यक्त किए। इस अवसर पर अधिवक्ता अमित कोहली, रविन्द्र दत्त, दिव्यांगसेवी सोनू गोलकर, डॉ. एच.पी. तिवारी व सुनील कुमार जैन विशेष रूप से उपस्थित थे। राष्ट्रीय नागेश ट्रॉफी के आठवें चरण के ग्रुप डी के मैच में आज रानीताल क्रिकेट ग्राउंड में पांचवां मैच खेला गया। उड़ीसा और हरियाणा के बीच खेले गए मैच में टॉस जीतकर उड़ीसा ने बल्लेबाजी के लिए हरियाणा को आमंत्रित किया। हरियाणा ने निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 206 रन बनाए, जिसमें हरियाणा के कप्तान दीपक मलिक का शतक शामिल है। जवाब में उड़ीसा ने मात्र 15.3 ओवर में देवराज के शानदार 92 रन की बदौलत इस मैच को 9 विकेटों से जीत लिया। देवराज की शानदार बल्लेबाजी के लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच से सम्मानित किया गया। छठवां मुकाबला पांडिचेरी और बिहार के मध्य खेला गया जिसमें पांडिचेरी ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया और 20 ओवर में 7 विकेटों के नुकसान पर 168 रन बनाए। जवाब में यह मुकाबला बिहार ने बिना किसी विकेट खोए 17 ओवरों में 169 रन बनाकर जीत लिया। मैच के प्लेयर ऑफ द मैच विकी ओराओ रहे, जिन्होंने 55 गेंदों पर 72 रन बनाए एवं 4 रन आउट भी किए।

श्रीमती पुष्पा शुक्ला- प्रेम नगर पोस्ट ऑफिस के पीछे निवासी श्रीमती पुष्पा शुक्ला का 67 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। वह गोविंद प्रसाद शुक्ला की पत्नी थी। अंतिम संस्कार गौरी घाट मुक्ति धाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती कलावति बिजोरहा - सिहोरा, पुलिस थाने के सामने बस स्टैंड वार्ड क्रमांक 11 निवासी श्रीमती कलावती सिंह बिजोरहा (बिजोरहा मेडम) का 98 शाल की उम्र में निधन हो गया था। अंतिम संस्कार बाबाताल स्थित मुक्तिधाम में किया गया। वे आलोक सिंह बिजोरहा की माताजी एंव तन्मय,मलय सिंह बिजोरहा की दादी थी।

श्रीमती रूपा भट्टाचार्य- गंगानगर कॉलोनी गढ़ा निवासी श्री असीम भट्टाचार्य की धर्मपत्नी श्रीमती रूपा भट्टाचार्य (53) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री राम सिंह- ग्रीन सिटी माढ़ोताल निवासी श्री राम सिंह (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार माढ़ोताल मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती मैना देवी सिंह- पुरानी बस्ती रांझी निवासी श्री काशी सिंह की धर्मपत्नी श्रीमती मैना देवी सिंह (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती तरसेम कौर- गुप्तेश्वर आदर्श कन्या शाला के पास निवासी श्री सेवा सिंह की धर्मपत्नी श्रीमती तरसेम कौर (87) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री नागेश जायसवाल- आमनपुर मदनमहल निवासी श्री नागेश जायसवाल (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती कला बाई- सिद्धबाबा वार्ड झंडा चौक निवासी श्री चंदन लाल महार की धर्मपत्नी श्रीमती कला बाई (82) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री मगन लाल- संजय गांधी नगर सदर केंट निवासी श्री मगन लाल (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री मनोज रैकवार- फकीर चंद का अखाड़ा के पास राधाकृष्णन वार्ड निवासी श्री सुदामा प्रसाद रैकवार के पुत्र श्री मनोज रैकवार (43) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती कौशल्या कुशवाहा- पंसारी मोहल्ला गोरखपुर निवासी श्री तुलसीदास कुशवाहा की धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या कुशवाहा (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री मोती लाल संधू- मोदी बाड़ा सदर निवासी श्री मोती लाल संधू (81) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री मुन्ना लाल पासी- राजीव गांधी नगर कटंगा केंट निवासी श्री मुन्ना लाल पासी (63) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री जीतेंद्र कोरी- वल्दी कोरी की दफाई सिद्धबाबा वार्ड निवासी श्री दुर्गा प्रसाद कोरी के पुत्र श्री जीतेंद्र कोरी (26) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री राजकुमार ठाकुर- गौरीघाट झंडा चौक निवासी श्री राजकुमार ठाकुर (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती सावित्री अहिरवार- भानतलैया बकरा मार्केट के पास निवासी श्री भगवान दीन अहिरवार की धर्मपत्नी श्रीमती सावित्री अहिरवार (58) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री विनोद लक्ष्मण सर्वटे- कुलियाना मोहल्ला आमनपुर मदनमहल निवासी श्री विनोद लक्ष्मण सर्वटे (85) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती हेती बाई विनोदिया- छोटी ओमती निवासी श्री बाबू लाल विनोदिया की धर्मपत्नी श्रीमती हेती बाई विनोदिया (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री सुरेंद्र नायडू- मदनमहल रेलवे कॉलोनी निवासी श्री सुरेंद्र नायडू (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती राम बाई चौधरी- बापू नगर राधाकृष्णन वार्ड निवासी श्री बाबू लाल चौधरी की धर्मपत्नी श्रीमती राम बाई चौधरी (59) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती निर्मला- अमृत अपार्टमेंट हवाबाग चर्च के सामने निवासी श्री बृज बिहारी श्रीवास्तव की धर्मपत्नी श्रीमती निर्मला (79) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री लखन लाल रोहणी- भीम नगर पोलीपाथर निवासी श्री लखन लाल रोहणी (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

41 साल पुराने जख्म आज भी हैं हरे...वो दिन याद करते ही सहम जाता है दिल

बीएमएचआरसी में दिवंगत गैस पीड़ितों को मोमबत्ती जलाकर दी श्रद्धांजलि

आज आशा स्मारक पर भी अर्पित की जाएगी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

भोपाल स्मारक अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र (बीएमएचआरसी) में मंगलवार को भोपाल गैस त्रासदी के दिवंगतों को मोमबत्ती जलाकर श्रद्धांजलि दी गई। बीएमएचआरसी के प्रभारी चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अनुराग यादव समेत अस्पताल के कर्मचारियों ने नम आंखों से गैस त्रासदी के दिवंगतों को श्रद्धांजलि दी। बुधवार तीन दिसंबर को सुबह संस्थान के श्रद्धांजलि एवं आशा स्मारक पर भी श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी।

पूर्व संध्या पर भी फूटा पीड़ितो का गुस्सा
गैस रिसाव की 41वीं बरसी पर निकाला कैंडल मार्च

भोपाल। गैसकांड की 41वीं बरसी पर मंगलवार को यूनियन कार्बाइड सड़क पर कैंडल मार्च निकाला और मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। दिसंबर 1984 के हादसे की वजह से भोपाल में मौतें हो रही हैं। जो लोग बचपन में इसके संपर्क में आए थे, वे फेफड़ों, किडनी और दूसरे अंगों की पुरानी बीमारियों और कैंसर से लंबे समय तक पीड़ित रहने के बाद 50 साल से कम उम्र में मर रहे हैं। बरसी पर पूर्व संध्या पर पीड़ितों ने छोला से गैस स्टेच्यू तक कैंडल मार्च निकालकर मृतकों को याद किया।

गैस स्टेच्यू पर कैंडल जलाकर श्रद्धांजलि दी गई।

निकाला मशाल जुलूस

गैस पीड़ित महिला उद्योग संगठन शाम 6 बजे शाहजहांनी पार्क से मशाल-कैंडिल जुलूस निकाला गया, जिसमें पीड़ितों ने हाथों में मशाल लेकर डाउ कंपनी के खिलाफ विरोध दर्ज कराया। पीड़ितों ने बताया कि फैक्ट्री के जहरीले कचरे की वजह से आसपास के 5 किलोमीटर के दायरे में पीने का पानी दूषित है। इस वजह से हजारों लोग गंभीर बीमारियों से पीड़ित हैं। सरकार इन पीड़ितों की सेहत पर गंभीरता से ध्यान दें। इसके अलावा पीड़ितों को पांच गुना मुआवजा दिया जाए। जिससे, वह बेहतर तरीके से जीवनयापन कर सकें।

हाथों में तख्तियां लिए महिलाएं।

संभावना ट्रस्ट में जड़ी-बूटियों से हो रहा गैस पीड़ितों की लाइलाज बीमारियों का इलाज

तीस हजार गैस पीड़ितों को मिला इलाज, सर्टिका के मरीजों को राहत

संभावना ट्रस्ट का कार्यालय।

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राजधानी में यूनियन कार्बाइड की जहरीली गैस के प्रभाव से पीड़ित लोगों को संभावना ट्रस्ट क्लीनिक में आधुनिक मेडिसिन सहित जड़ी-बूटियों से इलाज मुहैया कराया जा रहा है। जिसके तहत अब तक करीब तीस हजार से अधिक मरीजों को इलाज मिला है। यहां पर पीड़ितों के बच्चों को भी इलाज दिया जा रहा है। यहां की खासियत यह है कि परिसर में ही आर्गेनिक खाद से जड़ी-बूटियां उगाकर उन्हें प्रोसेस के तहत दवाईयां तैयार की जाती हैं। यहां पर गैस पीड़ितों की कई लाइलाज बीमारियों का सफलतापूर्वक इलाज किया गया है।

यूनियन कार्बाइड के पास बाफना कॉलोनी में 29 साल पहले गैस पीड़ितों के इलाज के लिए संभावना ट्रस्ट क्लीनिक ने इलाज का सिलसिला शुरु किया था। जिसके तहत यहां पर एलोपैथिक, आयुर्वेदिक और योग से इलाज किया जाता है। यहां आने वाले मरीजों का रजिस्ट्रेशन करने के बाद उनकी बीमारी के आधार पर इलाज की शुरुआत की जाती है। कार्बाइड की गैस ने फेफड़ों, आंखों, दिल, दिमाग और प्रजनन प्रणाली पर असर डाला है।

ट्रस्ट के बाहर लगा बोर्ड।

थायरॉइड और डायबिटीज का सटीक इलाज

गैस पीड़ितों में थायरॉइड की बीमारियां, मोटापा और मेटाबॉलिक डिसऑर्डर्स लगातार बढ़ते जा रहे हैं। गैस का असर इतना ज्यादा है कि दूसरी और तीसरी पीढ़ी तक इसके प्रभाव दिख रहे हैं। ट्रस्ट के क्लीनिक की डॉ. ऊषा आर्या का कहना है कि गैस ने शरीर के अलग-अलग सिस्टम को नुकसान पहुंचाया है। इसलिए ट्रीटमेंट भी एक ही लाइन से नहीं हो सकता। हम आधुनिक मेडिसिन, आयुर्वेद और योग तीनों को मिलाकर इलाज करते हैं।

गैस पीड़ित परिवार की बेटी की जंग-जन्मजात बीमारी से, दो ऑपरेशन, एक अभी बाकी, लिया पीड़ितों की सेवा का संकल्प

सपना जब पैदा हुई तो होठ और तालू नहीं था, चीभ पर दूध रखते थे, अब इंदौर में फिजियोथेरेपी का कोर्स कर रही है, नाक का ऑपरेशन होना बाकी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

1984 की भोपाल गैस त्रासदी भले ही चार दशक पुरानी हो चुकी हो, लेकिन इसके जख्म अब भी कई परिवारों की अगली पीढ़ियों को प्रभावित कर रहे हैं। इन्हीं परिवारों में से एक गैस पीड़ित परिवार में 2001 में जन्मी एक बच्ची की कहानी संघर्ष, साहस और सेवा की मिसाल बन गई है। बच्ची ने जन्मजात स्वास्थ्य समस्याओं के कारण आते ही अस्पताल का रास्ता देख लिया। गैस पीड़ित परिवारों में अक्सर देखी जाने वाली श्वास और चेहरे संबंधी जटिलताओं ने उसके बचपन को सामान्य नहीं रहने दिया। दो वर्ष की उम्र से लेकर युवावस्था तक वह लगातार डॉक्टरों और दवाइयों के बीच रही।

जेपी नगर की बस्ती जो सर्वाधिक प्रभावित हुई थी।

गैस पीड़ितों की सेवा को बनाया जीवन उद्देश्य

अपने अनुभवों ने उसे एक खास दिशा दी है। उसका मानना है कि गैस त्रासदी के प्रभाव आज भी पीड़ित परिवारों में मौजूद हैं, लेकिन उनके लिए लड़ने वाले लोगों की संख्या कम है।

दादी चंपा के साथ सपना।

दादी चंपा देवी ने बताया कि सपना शुक्ला छोला में रहती है। उसके पिता नहीं हैं। माता और उन्होंने जब वे पैदा हुई थी तब होंठ और तालू कुछ भी नहीं था। चीभ पर दूध रखते थे ताकि पेट में कुछ जा सके। 2002 में आशा निकेतन में पहला ऑपरेशन करवाया। दूसरा ऑपरेशन दिल्ली के सेंट स्टीफन अस्पताल में हुआ। परिवार ने हिम्मत नहीं हारी और सफलता मिलती गई। उसकी पढाई भी 12 वीं तक हुई। उसके बाद उसने इंदौर से फिजियोथेरेपी करने की ठानी ताकि वे गैस पीडितों की सेवा कर सके। उक्त कोर्स का उसका अंतिम साल है। यह कोर्स पूरा करने के बाद वे गैस पीडितों की सेवा के लिए काम करेगी।

माता-पिता और दादी का संघर्ष बना ढाल

आर्थिक तंगी और सामाजिक चुनौतियों के बावजूद परिवार ने उसके इलाज में कोई कमी नहीं होने दी। हमारी बेटी स्वस्थ हो जाए, बस यही हमारी एकमात्र प्रार्थना थी। दादी ने बताया कि परिवार ने हर संभव संसाधन जुटाकर उसके दो बड़े ऑपरेशन करवाए। इन ऑपरेशनों ने उसकी स्थिति में सुधार तो किया, लेकिन पूरी तरह से सामान्य होने के लिए उसका नाक का एक बड़ा ऑपरेशन अभी भी बाकी है, जो उसकी साँस लेने की क्षमता और स्वास्थ्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

41 वर्ष बाद भी भोपाल गैस त्रासदी के दोषियों को अब तक नहीं मिली सजा

कोर्ट ने 7 जून 2010 को सुनाई थी 2-2 साल की सजा

अब तक 7 जज बदले लेकिन सुनवाई अभी भी जारी है

यूनियन कार्बाइड कारखाना।

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

विश्व की भीषणतम रासायनिक दुर्घटना मानी जाने वाली 2/3 दिसंबर 1984 की यूनियन कार्बाइड गैस त्रासदी को आज 41 वर्ष हो गए हैं। बीते 40 सालों से कैंसर और किडनी की गंभीर बीमारियों ग्रसित गैस पीड़ित विश्व की इस दुर्घटना के दोषियों को मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी मोहन पी तिवारी की कोर्ट द्वारा सजा सुनाये जाने के बावजूद जेल की सजा नहीं भुगताए जाने से दुखी और मायूस हैं।

दुर्घटना के 25 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद 7 जून 2010 को तत्कालीन मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी मोहन पी तिवारी की कोर्ट ने मुख्य आरोपी यूनियन कार्बाइड कारपोरेशन यूएसए के तत्कालीन चेयरमैन वारेन एंडरसन को फरार घोषित करते हुए यूनियन कार्बाइड कंपनी इंडिया लिमिटेड के तत्कालीन चेयरमैन केशव महेंद्रा सहित विजय प्रभाकर गोखले, किशोर कामदार,जे मुकुंद, एसपी चौधरी,केवी शेट्टी और एसवाई कुरैशी को भादंसं की धारा-304 (ए) के अंतर्गत दोषी करार देते हुए 2-2 वर्ष के सश्रम कारावास एवं एक-एक लाख रुपये के अर्थदण्ड की सजा सुनाई थी। कोर्ट ने आठवें आरोपी के रूप में यूनियन कार्बाइड कंपनी इंडिया पर पांच लाख रुपये का अर्थदण्ड अदा करने की सजा सुनाई थी। सजा सुनाए जाने के बाद आरोपियों ने सजा माफ किए जाने को लेकर सेशन कोर्ट में अपील दायर कर दी थी। वहीं आरोपियों की सजा कम बताते हुए सीबीआई ने भी अधिकतम सजा सुनाए जाने के लिए अपील दायर कर दी थी। आरोपियों और सीबीआई की अपील पर 15 वर्षों से सेशन कोर्ट में बहस चल रही है। इस बीच सात जज बदले जा चुके हैं लेकिन सुनवाई अभी भी जारी है। मामले की सुनवाई के दौरान डॉक्टर आरबी राय चौधरी ,वारेन एंडरसन , केशव महेंद्रा, विजय प्रभाकर गोखले एवं केवी शेट्टी की मौत हो गई। मामले की अगली सुनवाई 10 दिसंबर को होगी।

प्लांट में मशीनों की मदद से 65 तरह की दवाइयां तैयार

परिसर में ही दवाईयां का प्लांट भी लगाया गया है, जिससे जड़ी-बूटियों को जमीन से निकालकर उनकी साफ-सफाई करने के बाद मशीनों की मदद से गोलियां और अन्य तरह की दवाईयां तैयार की जाती हैं। जिसके लिए अलग से एक्सपर्ट कर्मचारियों को लगाया गया।

अब थानों और चौराहों पर लगे क्यूआर कोड से दर्ज होंगी शिकायतें, पुलिस कमिश्नर मिश्र रोजाना करेंगे मॉनिटरिंग

नागरिकों की सुरक्षा के लिए क्यूआर कोड योजना शुरू करते भोपाल पुलिस कमिश्नर हरिनारायणचारी मिश्र और पुलिस अधिकारी।

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

सीपी मिश्र बोले - यदि कोई थाना प्रभारी निर्धारित समय में शिकायत का समाधान नहीं करता, तो जवाबदेही तय की जाएगी

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में पुलिस आयुक्त प्रणाली को और अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के लिए नगरीय पुलिस ने बड़ी तकनीकी पहल की है। शहर के सभी थानों और प्रमुख चौकियों पर अब बड़े आकार के क्यूआर कोड बोर्ड लगाए जा रहे हैं, जिनके माध्यम से नागरिक सीधे पुलिस कमिश्नर कार्यालय तक अपनी शिकायत पहुंचा सकेंगे।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, यदि किसी नागरिक को थाने में शिकायत दर्ज कराने, एफआईआर लिखवाने या किसी भी पुलिस कर्मचारी से व्यवहार संबंधी समस्या होती है, तो वह थाने पर लगे क्यूआर कोड को मोबाइल से स्कैन कर तुरंत शिकायत ऑनलाइन भेज सकेगा। शिकायत दर्ज होते ही वह सीधे पुलिस कमिश्नर कार्यालय में पहुंच जाएगी और पुलिस कमिश्नर हरिनारायणचारी मिश्र स्वयं रोजाना इन शिकायतों की समीक्षा करेंगे। इसके साथ ही भोपाल की यातायात पुलिस ने भी शहर में क्यूआर कोड आधारित फीडबैक और शिकायत प्रणाली शुरू की है। शहर के चौराहों, तिराहों और रास्तों पर यातायात से जुड़ी समस्याएं, अव्यवस्थाएं या सुझाव भी नागरिक दफ कोड स्कैन कर सीधे भेज सकेंगे। इससे जनता सुरक्षा को लेकर आश्वस्त हो सकेगी।

थाना प्रभारियों पर बढ़ेगी जिम्मेदारी

हरिनारायणचारी मिश्र ने बताया कि क्यू कोड के माध्यम से दर्ज शिकायतों की नियमित ट्रैकिंग की जाएगी। उन्होंने साफ कहा कि यदि कोई थाना प्रभारी निर्धारित समय में शिकायत का समाधान नहीं करता, तो उसकी जवाबदेही तय की जाएगी। इस व्यवस्था से नागरिकों को बिना किसी बाधा के सीधे पुलिस कमिश्नर मिश्र तक पहुंचने का अवसर मिलेगा और थानों की जवाबदेही भी मजबूत होगी।

सुगम, पारदर्शी और जवाबदेह सिस्टम

नगरीय पुलिस ने कहा कि क्यूआर कोड प्रणाली पुलिस कार्यप्रणाली को अधिक त्वरित, पारदर्शी और सुलभ बनाने का महत्वपूर्ण कदम है। पुलिस ने नागरिकों से आग्रह किया है कि वे समस्याओं और सुझावों को साझा करने में सहयोग दें, ताकि कानून-व्यवस्था और सेवा का स्तर और बेहतर किया जा सके।

जमीन लेकर भी नहीं लगाया उद्योग 240 उद्यमियों का भूखंड आवंटन रद्द

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश के औद्योगिक विकास के लिए जमीन लेकर उद्योग स्थापित नहीं करने वाले 240 उद्यमियों पर अब सीएसआइडीसी ने बड़ी कार्रवाई कर दी है। उद्यमियों ने वर्षों पहले सस्ती दरों पर भूखंड तो ले लिए, मगर न तो उद्योग लगाए, न उत्पादन शुरू किया और न ही बकाया राशि का भुगतान किया। राज्य सरकार की नई औद्योगिक नीति में दी गई रियायतों का लाभ लेने के लिए कई उद्यमियों ने औद्योगिक क्षेत्रों रायपुर, बिलासपुर, उरला, सिलतरा, सिरगिट्टी, तिफरा सहित मेगा इंडस्ट्रियल जोंन्स और रायगढ़ में भूखंड हासिल किए थे। लेकिन निर्धारित समयावधि बीतने के बाद भी न तो भवन निर्माण हुआ, न मशीनें लगीं, न ही रोजगार पैदा हुए।

जांच कर भूखंड वापस लेने की तैयारी

प्रबंध संचालक के अनुसार, कुछ उद्यमियों ने केवल औपचारिकता के नाम पर चारदीवारी बनाकर काम शुरू दिखाने की कोशिश की। ऐसे मामलों की जांच कर भूखंड वापस लेने की तैयारी है। जहां बिल्कुल काम नहीं हुआ, वहां तत्काल प्रभाव से आवंटन निरस्त किया जा चुका है। पिछले एक वर्ष के भीतर ही 240 भूखंड आवंटन रद किए गए हैं। कई उद्यमियों को पहले भी नोटिस जारी किए गए थे, लेकिन संतोषजनक जवाब न मिलने पर सीएसआइडीसी ने सख्त कदम उठाया है।

खाद्य और दवा जांच की बढ़ेगी क्षमता

नवा रायपुर में बनेगी अत्याधुनिक प्रयोगशाला

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नवा रायपुर में अत्याधुनिक इंटीग्रेटेड खाद्य व औषधि परीक्षण प्रयोगशाला स्थापित की जाएगी। राज्य सरकार ने इसके लिए 46 करोड़ 49 लाख 45 हजार रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान कर दी है। मुख्य बजट 2025-26 के प्रावधान के अनुरूप महत्वपूर्ण परियोजना से प्रदेश में खाद्य व औषधि परीक्षण क्षमता को नई मजबूती मिलेगी।

प्रयोगशाला और नवीन एफडीए भवन की स्थापना के लिए शासन की ओर से नवा रायपुर में 1.5 एकड़ भूमि उपलब्ध कराई गई है। वर्तमान में रायपुर स्थित प्रयोगशाला मात्र पांच हजार वर्गफीट क्षेत्र में तीन मंजिलों पर संचालित है, जिससे परीक्षण क्षमता सीमित हो जाती है। नई प्रस्तावित प्रयोगशाला 30 हजार वर्गफीट क्षेत्र में भूतल से लेकर तृतीय तल तक निर्मित की जाएगी तथा इसे अत्याधुनिक ड्रग और इनफोर्समेंट से जुड़े उपकरणों से सुसज्जित किया जाएगा। नए ढांचे के साथ प्रयोगशाला की परीक्षण क्षमता कई गुना बढ़ जाएगी।

5,000 नमूनों का प्रतिवर्ष परीक्षण किया जा सकेगा

रासायनिक परीक्षण क्षमता जहां अभी 500 से 800 नमूनों तक सीमित है, वहीं नई लैब में यह बढ़कर 7,000 से 8,000 नमूने प्रतिवर्ष हो जाएगी। माइक्रोबायोलाजिकल परीक्षणों इंजेक्शन, आई ड्राप आदि की क्षमता 2,000 नमूने प्रतिवर्ष तक बढ़ाई जाएगी। वर्तमान में इसकी जांच के लिए कोलकाता भेजना पड़ता था, जिसकी रिपोर्ट आने में एक माह से अधिक समय लग जाता था। मेडिकल उपकरण जैसे दस्ताने और कैथेटर आदि का परीक्षण वर्तमान में संभव नहीं है, लेकिन नई प्रयोगशाला में 5,000 नमूनों का प्रतिवर्ष परीक्षण किया जा सकेगा।

अर्ध शहरी एवं ग्राम पंचायतों के विकास के लिए बनाई जाए कार्ययोजना

समग्र ग्राम विकास की अवधारणा के अनुसार योजनाओं का क्रियान्वयन करें सुनिश्चितः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

सीएम डॉ. मोहन ने बैठक में की पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा

विशेष प्रतिनिधि ⏭ भोपाल

दो वर्ष की उपलब्धियों का प्रेजेंटेशन, आगामी कार्य योजना संबंधी दिए निर्देश

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि ग्राम विकास से संबंधित सभी विभाग समग्र ग्राम विकास की अवधारणा के अनुसार योजनाओं का क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। अर्ध शहरी एवं बड़ी ग्राम पंचायतों को सशक्त करते हुए उनके विकास के लिए कार्ययोजना बनाई जाए और उस पर अमल किया जाए। डॉ. यादव विधानसभा स्थित समिति कक्ष में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की उपलब्धियों और प्राथमिकताओं पर बैठक को संबोधित कर रहे थे।

इस अवसर पर महात्मा गांधी नरेगा, पंचायतराज, प्रधानमंत्री आवास ग्रामीण, स्वच्छ भारत मिशन, राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण, मप्र ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण और ग्रामीण यांत्रिकी सेवा की 2 वर्ष की उपलब्धियों और नवाचारों का प्रेजेंटेशन किया गया तथा आगामी कार्ययोजना के संबंध में निर्देश दिए गए। बैठक में पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, राज्य मंत्री राधा सिंह, मुख्य सचिव अनुराग जैन आदि मौजूद रहे।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की बैठक में निर्देश देते सीएम डॉ. मोहन यादव। बैठक में मंत्री प्रह्लाद पटेल व राज्य मंत्री राधा सिंह भी मौजूद रहे।

योजनाओं का समन्वित रूप से क्रियान्वयन किया जाए

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के साथ ही कृषि, सहकारिता, मत्स्य पालन तथा ग्राम विकास से संबंधित अन्य विभागों को सम्मिलित करते हुए समग्र ग्राम विकास की अवधारणा के अनुसार योजनाओं का समन्वित रूप से क्रियान्वयन किया जाए। डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री वृन्दावन ग्राम योजना को गति देने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि अर्ध शहरी एवं बड़ी ग्राम पंचायतों को सशक्त करते हुए उनके विकास के लिए कार्य योजना बनाई जाए तथा नगरीय निकायों के मध्य विद्यमान पंचायतें परस्पर समन्वय से सड़कें तथा अन्य आवश्यक अधोसंरचनाएं विकसित करें।

विकास की मुख्य धारा में विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्राम स्तर पर रोजगार सृजन, स्वच्छता और ग्रामों को सड़कों के माध्यम से विकास की मुख्य धारा में जोड़ने में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका है। यह गतिविधियां आम आदमी के जीवन स्तर में सुधार लाने में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प के अनुसार वर्ष 2047 तक विकसित भारत के स्वप्न को साकार करने में इस विभाग द्वारा संचालित कार्यक्रमों और योजनाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहेगा। योजनाओं और कार्यक्रमों के क्रियान्वयन तथा अनुवीक्षण में सूचना प्रौद्योगिकी से जुड़ी अद्यतन तकनीकों का अधिक से अधिक उपयोग किया जाए।

बैठक में बताई गई तीन वर्षों की कार्य योजना

- स्वीकृत गतिविधियों को समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण करना सुनिश्चित किया जाएगा।
- आत्मनिर्भर पंचायत की दिशा में पंचायतों के आय के स्त्रोत बढ़ाने के लिए प्रयास होंगे।
- मुख्यमंत्री वृन्दावन ग्राम योजना के तहत चयनित प्रत्येक ग्राम को मॉडल ग्राम के रूप में विकसित किया जाएगा।
- अर्ध शहरी एवं बड़ी ग्राम पंचायतों के व्यवस्थित विकास के लिए मध्यप्रदेश ग्राम पंचायत नियमों का युक्तियुक्तकरण किया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों में कॉलोनियों के रजिस्ट्रेशन एवं विकास की अनुमति केन्द्रीकृत ऑनलाइन व्यवस्था पोर्टल के माध्यम से की जाएगी।
- ग्रामों में सुगम आवागमन के लिए दोहरी संपर्कता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री सुगम संपर्कता परियोजना का क्रियान्वयन किया जाएगा।
- यशोदा दुग्ध प्रदाय योजना के अंतर्गत आंगनबाड़ी के समस्त बच्चों और कक्षा 8वीं तक के विद्यार्थियों को पौष्टिक नाश्ते की व्यवस्था के लिए कार्यवाही की जा रही है।
- सांदीपनि शालाओं में स्व-सहायता समूहों के माध्यम से मेकेनाईज्ड किचिन शेड का संचालन किया जाएगा।
- स्वच्छता के लिए व्यवहार परिवर्तन के उद्देश्य से सोशल मीडिया के माध्यम से गतिविधियां संचालित होंगी।

खबर संक्षेप

करनाल में पलटा ट्रक 4 की मौके पर मौत

करनाल। हरियाणा के करनाल जिले में घरौंडा में नेशनल हाईवे-44 पर बड़ा सड़क हादसा हुआ है, जिसमें 4 लोगों की मौत हो गई है। हादसा रॉन्ग साइड में ड्राइविंग के कारण हुआ। ट्रक ने पहले रोडवेज बस को टक्कर मारी, फिर बाइक को कुचला, फिर कार को टक्कर मारकर बीच सड़क पलट गया।

धमेंद्र की अस्थियां गंगा में विसर्जित की गईं

हरिद्वार। बॉलीवुड के 'ही मैन' धर्मेंद्र की अस्थियां हरिद्वार में हरकी पौड़ी पर गंगा में विसर्जित की गईं। उनके पारिवारिक पुरोहित पंडित संदीप पाराशर श्रोत्रिय ने बताया कि अस्थि विसर्जन के पूर्व की कर्मकांड विधि निजी होटल में संपन्न कराई गई।

कर्नाटक और झारखंड राजभवन अब लोकभवन

नई दिल्ली। कर्नाटक और झारखंड में राजभवन का नाम बदलकर 'लोकभवन' किया गया है। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत और झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार ने इसकी मंजूरी दी।

लोकसभा में संचार साथी एप पर ज्योतिरादित्य सिंधिया की दो टूक

स्नूपिंग न संभव है, न कभी होगी, यह सेफ उद्धव का दावा- ये पेगासस का ही नया रूप

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने लोकसभा में संचार साथी एप पर पूछे गए सवाल का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि संचार साथी एप से स्नूपिंग न संभव है और न ही कभी होगी। सरकार चाहती है कि लोग खुद को सुरक्षित रखने के लिए तकनीकी साधनों से लैस हों।

■ सुझावों के आधार पर सुधार करेंगे

संचार साथी की सफलता और उसका व्यापक उपयोग जनता के भरोसे और सहभागिता का परिणाम है। हम नागरिकों से मिले सुझावों और फीडबैक के आधार पर नियमों में आवश्यक सुधार करने के लिए सदैव तैयार हैं। केंद्रीय संचार मंत्री ने कहा कि संचार साथी एप को मोबाइल फोन से हटाया जा सकता है और जब तक यूजर रजिस्ट्रेशन नहीं करेगा, तब तक एप चालू नहीं होगा। ऐसा कहकर उन्होंने मोबाइल हैंडसेट में संचार साथी एप को पहले से इंस्टॉल करने के केंद्र के निर्देश के बाद जासूसी की अटकलों का खंडन किया। लोकसभा में कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा के सवाल का जवाब देते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मोबाइल एप पूरी तरह सुरक्षित एप है।

रजिस्ट्रेशन के बिना नहीं चलेगा एप

ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि सरकार चाहती है कि लोग खुद को सुरक्षित रखने के लिए तकनीकी साधनों से लैस हों

केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया

संचार साथी एप

एप इंस्टाल करना यूजर्स की मर्जी

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि एक अरब मोबाइल यूजर्स हैं, लेकिन कुछ लोग मोबाइल का गलत इस्तेमाल करते हैं। ऐसे लोगों से अपने नागरिकों की सुरक्षा करना सरकार का कर्तव्य है। संचार साथी पोर्टल साल 2023 में इसी सोच के साथ शुरू किया गया था और अब मोबाइल एप को भी इसी सोच के साथ लाया गया है, लेकिन एप को इस्तेमाल करना या नहीं करना, यूजर की मर्जी होगी। इसे किसी भी अन्य एप की तरह अनइंस्टॉल करके हटा सकते हैं।

सरकार लोगों की जासूसी करने की तैयारी कर रहीः उद्धव

शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि संचार साथी एप असल में पेगासस का ही नया रूप है और भाजपा नेतृत्व वाली सरकार लोगों की जासूसी करने की तैयारी कर रही है। ठाकरे ने दावा किया कि यह एप नागरिकों के फोन में जबरन डालकर उनकी गतिविधियों की निगरानी करने का तरीका है, जो लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। आगे कहा कि सरकार लोगों पर अविश्वास दिखाने के बजाय उन सुरक्षा चूकों की जांच करे, जिनके कारण अप्रैल में पहलगाम में बड़ा आतंकी हमला हुआ था जिसमें 26 लोगों की जान गई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि जब सरकार को यह देखना चाहिए कि आतंकी भारत में कैसे घुस रहे हैं, तब वह नागरिकों के फोन पर नजर रखने में व्यस्त है।

सरकार से असहमति रखने वाले निशाने पर

राज्यसभा में कांग्रेस सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि यह एप नागरिकों की गोपनीयता के अधिकार को पूरी तरह समाप्त कर सकता है। एप के जरिए किसी भी यूजर की रियल-टाइम लोकेशन, सर्च हिस्ट्री, फाइनेंशियल लेन-देन को जाना जा सकता है। साथ ही एसएमएस व वाट्सएप चैट तक की निगरानी संभव है। इससे विपक्षी नेताओं और असहमति रखने वालों को निशाना बनाना आसान हो जाएगा। एप के कारण पासवर्ड, बैंक अकाउंट की जानकारी और निजी डाटा किसी सरकारी एजेंसी या हैकर की पहुंच में आ सकते हैं। उन्होंने तीन प्रश्नों के जवाब मांगे हैं।

एक दिन में 10 गुना बढ़े डाउनलोड

संचार साथी एप के डाउनलोड का ग्राफ तेजी से ऊपर जा रहा है। मंगलवार को एप को लगभग 6 लाख लोगों ने डाउनलोड किया, जबकि सामान्य दिनों में यह आंकड़ा करीब 60 हजार रहता था। यानी एक दिन में डाउनलोड 10 गुना तक बढ़ गए। पहले ही 1.5 करोड़ लोग संचार साथी एप डाउनलोड कर चुके थे।

कलकत्ता हाईकोर्ट ने पलटा फैसला

नहीं छिनेगी 32000 प्राथमिक स्कूल शिक्षकों की नौकरियां

कहा- पूरी चयन प्रक्रिया रद्द नहीं कर सकते

कलकत्ता हाईकोर्ट

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

कलकत्ता हाईकोर्ट की एक खंडपीठ ने बुधवार को एकल पीठ के उस आदेश को खारिज कर दिया, जिसमें पश्चिम बंगाल में 32,000 प्राथमिक स्कूल शिक्षकों की नियुक्तियों को रद्द कर दिया गया था। इन शिक्षकों की भर्ती 2014 की शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) के माध्यम से की गई थी। न्यायमूर्ति तपब्रत चक्रवर्ती की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि वह एकल पीठ के आदेश को बरकरार रखने के लिए इच्छुक नहीं है, क्योंकि सभी भर्तियों में अनियमितताएं साबित नहीं हुई हैं। हाईकोर्ट ने कहा कि नौ वर्ष के बाद नौकरी खत्म करने से प्राथमिक शिक्षकों और उनके परिवारों पर बहुत प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

फैसले से हम खुशः सीएम ममता

पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बेनर्जी ने खंडपीठ के आदेश पर खुशी जताई है। उन्होंने कहा कि हम अदालत के आदेश से खुश हैं। यह बड़ी राहत की बात है कि इन शिक्षकों की नौकरियां बच गईं। हम नौकरियां पैदा करना चाहते हैं, उन्हें छीनना नहीं। वहीं, पश्चिम बंगाल के शिक्षा मंत्री ब्रत्यु बसु ने भी खंडपीठ की सराहना करते हुए कहा कि सच्चाई की जीत हुई है क्योंकि शिक्षकों की नौकरियां 'सुरक्षित' बनी हुई हैं। बसु ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में पश्चिम बंगाल प्राथमिक शिक्षा बोर्ड को भी बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्राथमिक विद्यालय के 32,000 शिक्षकों की नौकरियां पूरी तरह सुरक्षित हैं। शिक्षकों को मेरी शुभकामनाएं।

शुरू में 264 नियुक्तियों में ही अनियमितताएं

आदेश में कहा गया है कि सीबीआई, जिसे हाईकोर्ट की ओर से मामले की जांच करने का निर्देश दिया गया था, ने शुरू में 264 नियुक्तियों की पहचान की थी जिनमें अनियमितताएं हुई थीं, जिसके बाद अन्य 96 शिक्षकों के नाम एजेंसी की जांच के दायरे में आए। अदालत ने कहा कि इसे देखते हुए

दिल्ली दंगा मामले में आरोपियों के वकील को सुप्रीम कोर्ट का निर्देश

15 मिनट में बात खत्म कीजिए, मामले में बहस काफी लंबी हो चुकी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने 2020 दिल्ली दंगा मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि इस मामले में बहस काफी लंबी हो चुकी है, इसलिए अब समय सीमा तय की जा रही है। अदालत ने आरोपियों के वकीलों से कहा कि वे अपनी मौखिक दलीलें 15 मिनट में सीमित रखें। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और एनवी अंजरिया की पीठ ने कहा कि आरोपियों की दलीलों पर अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू की तरफ से की जाने वाली सफाई या जवाब 30 मिनट से अधिक नहीं होनी चाहिए। अगली सुनवाई 9 दिसंबर के लिए तय की है।

मामले की अगली सुनवाई 9 दिसंबर को होगी

जमानत का दिल्ली पुलिस ने किया विरोध

आरोपियों के स्थाई पते जमा करने का भी निर्देश

सुप्रीम कोर्ट

इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट ने आरोपियों के वकीलों को उनके स्थायी पते जमा करने का भी निर्देश दिया। इस सुनवाई के दौरान कार्यकर्ता शरजील इमाम की ओर से पेश वरिष्ठ वकील सिद्धार्थ दवे ने कहा कि उनके मुवक्किल को बिना ट्रायल और बिना किसी दोषसिद्धि के 'खतरनाक आतंकी' बताया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इमाम 28 जनवरी 2020 को गिरफ्तार हुए थे, यानी दंगे होने से पहले।

दंगे के दौरान दिल्ली में नहीं था खालिदः सिब्बल

वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने उमर खालिद की तरफ से कहा कि दंगे के दौरान उनका मुवक्किल दिल्ली में मौजूद ही नहीं था। वहीं वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि आरोपी गल्फिशा फातिमा लगभग 6 साल से जेल में है।

आरोपी दंगों के मुख्य साजिशकर्ताः दिल्ली पुलिस

दिल्ली पुलिस ने इन सभी की जमानत का कड़ा विरोध करते हुए कहा कि फरवरी 2020 के दंगे अचानक नहीं हुए थे, बल्कि यह एक योजनाबद्ध साजिश थी। इनको यूएपीए और आईपीसी के तहत इसलिए गिरफ्तार किया।

डीयू के दो कॉलेजों को बम से उड़ाने की धमकी

दिल्ली विश्वविद्यालय के दो कॉलेजों को बम से उड़ाने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। हालांकि, पुलिस द्वारा मौके पर की गई सघन तलाशी में किसी भी प्रकार का कोई संदिग्ध उपकरण या वस्तु नहीं मिली। दिल्ली पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि दिल्ली रामजस कॉलेज और देशबंधु कॉलेज को आज ईमेल से बम की धमकी मिली थी। बम स्क्वाड और दिल्ली पुलिस मौके पर हैं। फिलहाल, अभी तक कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है।

सुप्रीम की छमाही आय 75.36 करोड़ रु. पहुंची

चेन्नई। सुप्रीम पावर इक्विपमेंट लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2026 की पहली छमाही के लिए अपनी अनऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की। पहली छमाही में कंपनी ने कुल आय 75.36 करोड़ रुपए ,एबिटडा 14.27 करोड़, शुद्ध लाभ 9.41 करोड़ और शुद्ध लाभ मार्जिन 12.49 फीसदी दर्ज हुआ।

बेड़े में 30 नए टाटा एलपीटी 1921 ट्रक शामिल

ओम लॉजिस्टिक्स सप्लाई चेन ने टाटा मोटर्स के साथ सहयोग किया

एजेंसी ▶▶ मुंबई

लॉजिस्टिक्स सेक्टर में अग्रणी भूमिका निभा रही ओम लॉजिस्टिक्स सप्लाई चेन ने परिचालन विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। 1991 में स्थापित कंपनी आज बड़े उद्योगों से लेकर छोटे और मझोले व्यवसायों तक को एंड-टू-एंड लॉजिस्टिक्स समाधान प्रदान कर रही है। मजबूत वेयरहाउसिंग सुविधाओं और प्रशिक्षित कार्यबल के साथ कंपनी ने विश्वसनीयता, समयबद्ध सेवाओं और उन्नत परिचालन गुणवत्ता के लिए एक मजबूत पहचान बनाई है। कंपनी ने हाल ही में अपने बेड़े में 30 नए टाटा एलपीटी 1921 ट्रक शामिल किए हैं।

रॉयल चैलेंज ने किया नए कैंपेन फिलॉसफी को और ज्यादा पुख्ता

मुंबई। रॉयल चैलेंज पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटर ने अपने नए बोल्ड कैंपेन 'मैं नहीं तो कौन बे' को लांच किया है, जो सेल्फ-बिलीफ और ऑथेन्टिसिटी का दमदार सेलिब्रेशन है। यह कैंपेन बोल्ड होने के मायने को बदलने वाली इस नई जनरेशन का समर्थन करता है जो अपने आप में रॉ, सेल्फ- मेड और अन अपोलोजेटिकली रियल है। स्मृति मंधाना ने कहाकि मेरे लिए बोल्ड होने का मतलब हमेशा सही समय पर आगे बढ़ने से रहा है फिर चाहे वह मैदान में हो या उससे बाहर। क्रिकेट ने मुझे यह सिखाया है कि शुरुआत खुद पर विश्वास करने से ही होती है। 'मैं नहीं तो कौन बे' चुनौतियों का सामना करने, अपनी इंस्टिंक्ट्स पर भरोसा रखने, अपना बेहतरीन देने और पूरे कन्विक्शन के साथ अपने लम्हों को अपना बनाने की याद दिलाता है।

कार्यालय नगर पंचायत भानुप्रतापपुर जिला - उ.ब. कांकेर (छ.ग.)

क्र / 641 / लो.नि.वि. / न.पं. / 2025-26 — भानुप्रतापपुर, दिनांक 03/12/2025

-: ई-प्रोक्यूरमेंट प्रथम निविदा आमंत्रण सूचना :-

Main Portal:- https://eproc.cgstate.gov.in

नगर पंचायत भानुप्रतापपुर द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु निम्नानुसार ऑनलाईन ई-निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्र.	सिस्टम टेंडर नं.	कार्य का विवरण	अनु. लागत (लाख में)	अमानत राशि (टी.डी.आर./ एफ.डी. आर. में)	कार्य अवधि	रिमार्क
1	181007	CONSTRUCTION OF SHOPPING COMPLEX AT DALLIRAJHARA ROAD AT WARD NO. 03 BHANUPRATAPPUR (निकाय/ प्रीमियम मद)	168.55	126500.00	12 माह	सक्षम श्रेणी में पंजीकृत

उपरोक्त निविदा संबंधी विस्तृत विवरण एवं शर्तें उल्लेखित वेबसाईट एवं विभागीय वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in एवं विभागीय वेबसाईट https://uad.cg.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है एवं नगर पंचायत भानुप्रतापपुर में कार्यालयीन अवधि में लोक निर्माण विभाग शाखा से प्राप्त की जा सकती है।

ई-प्रोक्यूरमेंट बीड सबमिट करने की अंतिम तिथि 31.12.2025 को शाम 5.30 बजे तक एवं फिजिकल डाक्यूमेंट सबमिट करने की अंतिम तिथि 05.01.2026 को शाम 5.30 बजे तक तथा ई-निविदा खोलने की तिथि 06.01.2026 को प्रातः 11.00 बजे निर्धारित की गई है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत, भानुप्रतापपुर, जिला- उ.ब. कांकेर (छ.ग.)

कार्यालय- प्रबंधक शासकीय पशु प्रजनन प्रक्षेत्र गढी - जिला बालाघाट म.प्र.

क्र -JDVS JBP NIT No. 28/2005 -: अल्पकालिक निविदा विज्ञप्ति :- दिनांक 17.11.2025

संचालनलय पशु पालन एवं डेयरी विभाग, मध्य प्रदेश की ओर से शासकीय पशु प्रजनन प्रक्षेत्र गढी- जिला म.प्र. पर निम्न कार्यों हेतु e-procurement प्रणाली Portal http://mptenders.gov.in पर ऑनलाईन कृषि मजदुर ठेकेदार से निविदा आमंत्रित की जाती है।

स. क्र.	पोर्टल टेंडर क्र.	कार्य का नाम	निविदा प्रपत्र क्रय करने की तिथि	निविदा प्रपत्र का मुल्य रू. में	अमानत राशि (EMD) रू.में	निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6	7
1	JDVS JBP NIT No.28/2025	13 एकड़ कृषि भूमि में वर्ष 2025-26 हेतु बरसीम घास उत्पादन हेतु खेत तैयार कर बरसीम घास लगाना, कटवाना, प्रक्षेत्र पर पहुंचवाना एवं चौकीदारी	05.12.2025	2000.00	9000.00	12.12.2025

1. निविदा प्रपत्र उक्त बेवसाईट पर ऑनलाईन भुगतान कर प्राप्त किये जा सकते हैं ।
2. निविदा संबंधी समस्त जानकारी बेवसाईट पर अथवा कार्यालयीन समय में प्राप्त की जा सकती हैं ।
3. निविदा का अनुमानित मूल्य रू. 4.50 लाख मात्र है ।
4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाईट पर ही दर्ज किये जायेंगे, प्रथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा ।

प्रबंधक

G-22242/25 "स्वच्छता ही सेवा" शासकीय पशु प्रजनन प्रक्षेत्र गढी - जिला बालाघाट म.प्र.

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

मोतीबाग कार्यशाला, नागपुर ICF / LHB बोगियों के कार्य के लिए ई-निविदा सूचना

मुख्य कार्यशाला प्रबंधक, मोतीबाग कार्यशाला, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती है:

निविदा सूचना सं.: एमआईबीडब्ल्यू-2025-19-06-09-4R2 दिनांक: 28.11.2025

कार्य का विवरण: मोतीबाग वर्कशॉप, नागपुर में कार्य के दायरे के अनुसार ICF/LHB बोगियों की स्ट्रिपिंग, स्प्रिंग्स की ओवरहॉलिंग व अन्य गैर-कोर गतिविधियाँ, 03 महीने हेतु।

अनुमानित निविदा मूल्य: ₹ 48,45,403/- (रु. अड़तालीस लाख पैंतालीस हजार चार सौ तीन मात्र), सभी करों सहित, **बयाना राशि:** ₹ 96,900.00 (रु. छियानवे हजार नौ सौ मात्र), **अनुबंध की अवधि:** 03 (तीन) महीने, **निविदा प्रपत्र मूल्य:** ₹ 0 (शून्य)।

निविदा जमा करना: निविदाओं के लिए बोलीदाता अपनी मूल/संशोधित बोलियां केवल दिनांक **13.12.2025** के **11:00** बजे तक ही प्रस्तुत कर सकते है।

इन निविदाओं के अंतर्गत मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है। ऐसे प्रस्तुत किए गए मैनुअल प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया जाएगा। ।

उपरोक्त निविदा सम्बंधित विवरण हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

उप मुख्य यांत्रिक अभियंता,
दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे,
मोतीबाग, नागपुर

FL/46-211

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

GOVERNMENT OF MAHARASHTRA
WORLD BANK PROJECT DIVISION, AHILYANAGAR

Adders - Near Ashok Hotel, Ahilyanagar Chhatrapatisambhajinagar- Road, Ahilyanagar
E-mail: wbpahmednagar.ee@mahapwd.gov.in Phone No. 0241-2428043

E-TENDER NOTICE NO. 1 for 2025-2026 (Online)
(Corrigendum No.2)

Online E-Tenders in B-2 (Item Rate) Form for the following works invited by Executive Engineer, World Bank Project Division, Ahilyanagar From Competent and Interested contractors fulfilling all the terms and conditions of tender Globle Company having it's Indian/Sub Company can also Participate in Tender. Tender Document can be Downloaded from Government web site www.mahatenders.gov.in Executive Engineer, World Bank Project Division, Ahilyanagar who reserves the right to reject any or all tenders without assigning any reason therefore. Conditional tender will not be accepted.

Estimated rates does not contains GST. Contractors shall also quote their rates without GST (Excluding GST). GST will be paid to Contractors at prevailing rates on bill amount separately.

Sr. No.	Name of work	Estimated Cost put to tender
1	Improvements of four Lanning of Ahilyanagar Chhatrapatisambhajinagar road MSH-05 Km 120/400 to 162/00	4086.18 Lakhs

E-Tender Available period	:-	Date 03/12/2025 to Date 17/12/2025
Pre Bid Meeting	:-	Dt. 10/12/2025 at 12.30 hours in the Office of the Chief Engineer P.W.Region, Bandhakam Bhawan,Trimbak road Nashik
Opeining of E-Tender	:-	Date 18/12/2025

The details of works are provided in the websites as below
1. www.mahapwd.gov.in
2. www.mahatenders.gov.in
(Change if any in above Schedule can be seen on above websites)
3. On Notice Board in the office of Executive Engineer World Bank Project Division, Ahilyanagar

Executive Engineer
World Bank(Project Division
Ahilyanagar

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PUBLIC WORK DEPARTMENT (E./M.) DIVISION- JABALPUR (M.P.)

Web site:-www.mp.gov.in/pwdmp Email:- eepwdelecjbp@mp.nic in Tel./Fax No. 0761-2620792

NIT No--33/25-26/SAC/E/M — Jabalpur, Date 21/11/2025

Online Tender for mentioned below are being invited. The Tender have been uploaded on the system of Public Works Department on the Portal http://mptenders.gov.in Tender details are as below:-

S.N.O.	Tender No.	Name of work	Reg. No.	Cost of Project (PAC) (Rs. In lack)	(Original EMD)	Cost of Tender form	Time Allowed	1-Contractor categari 2. Call No.
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	2025_PWDRB_464119_1	UNSERVICEBLE MATERIAL (PLANT & MACHINARY) DINDORI.	-	Rs. 146200/-	8000/-	1000/-	7 Days	1-1 St Call
2	2025_PWDRB_464120_1	CANTER (SWARAJ MAHINDRA)(WORK SHOP MANDLA)	MP02 27469	Rs. 30000/-	5000/-	1000/-	7 Days	1-2 ND Call
3	2025_PWDRB_464121_1	CRANE (BIG SIZE) (E/M SUB DIVISION SEONI)	-	Rs. 30000/-	5000/-	1000/-	7 Days	1-2 ND Call
4	2025_PWDRB_464123_1	DRR (JESSOP) (WORK SHOP MANDLA)	2666	Rs. 35000/-	5000/-	1000/-	7 Days	1-2 ND Call
5	2025_PWDRB_464124_1	JEEP (MAHINDRA & MAHINDRA) (E/M SUB DIV. SEONI)	MP02-3860	Rs. 15000/-	2000/-	1000/-	7 Days	1-2 ND Call
6	2025_PWDRB_464126_1	SMALL HYDROLIC(E/M SUB DIV. SEONI)	-	Rs. 6000/-	1000/-	500/-	7 Days	1-2 ND Call
7	2025_PWDRB_464127_1	SMALL HYDROLIC(E/M SUB DIV. SEONI)	-	Rs. 5500/-	1000/-	500/-	7 Days	1-2 ND Call
8	2025_PWDRB_464131_1	TARBOILER (E/M SUB DIV. SEONI)	-	Rs. 800/-	500/-	100/-	7 Days	1-2 ND Call
9	2025_PWDRB_464132_1	SMALL HYDROLIC CRANE (E/M SUB DIV. SEONI)	-	Rs. 5000/-	1000/-	500/-	7 Days	1-2 ND Call
10	2025_PWDRB_464133_1	CRUSHER-T PART(E/M SUB DIV. SEONI)	-	Rs. 6000/-	1000/-	500/-	7 Days	1-2 ND Call
11	2025_PWDRB_464134_1	TRACTOR (ESCORT 325 (B/R SUB DIV. SEONI)	MP02-7179	Rs. 25000/-	5000/-	1000/-	7 Days	1-2 ND Call
12	2025_PWDRB_464136_1	TRACTOR TROLLY (B/R SUB DIV. SEONI)	MP02-7179	Rs. 5000/-	1000/-	500/-	7 Days	1-2 ND Call
13	2025_PWDRB_464138_1	TRACTOR TROLLY (B/R SUB DIV. SEONI)	-	Rs. 8000/-	2000/-	500/-	7 Days	1-2 ND Call
14	2025_PWDRB_464140_1	WATER TANK WITH TROLLY (B/R SUB DIV. SEONI)	CH.NO. 800G	Rs. 5000/-	1000/-	500/-	7 Days	1-2 ND Call
15	2025_PWDRB_464142_1	TRACTOR (ESCORT) 325 (REST HOUSE KEOLARI)	MPZ-9943	Rs. 25000/-	5000/-	1000/-	7 Days	1-2 ND Call
16	2025_PWDRB_464143_1	TRACTOR TROLLY (REST HOUSE KEOLARI)		Rs. 6500/-	1000/-	500/-	7 Days	1-2 ND Call
17	2025_PWDRB_464145_1	WATER TANKER (LOCAL BODY)(REST HOUSE KEOLARI SEONI)		Rs. 2500/-	1000/-	500/-	7 Days	1-2 ND Call
18	2025_PWDRB_464147_1	TRACTOR TROLLY (REST HOUSE BAMHANI MANDLA)	MPZ-9927	Rs. 3000/-	1000/-	500/-	7 Days	1-2 ND Call
19	2025_PWDRB_464148_1	4 WHEEL TROLLY (OLD MAKE) (WORK SHOP MANDLA)	MPZ-9927	Rs. 3000/-	1000/-	500/-	7 Days	1-2 ND Call
20	2025_PWDRB_464149_1	UNSERVICEBLE MATERIAL (STORE SUB DIVISION E/M NARSINGHPUR)		Rs. 144355/-	8000/-	1000/-	7 Days	1-2 ND Call

The document can only be purchased online from the above website after making online payment. The last date & time for purchase of Document on line is Dated 20/12/2025 up to (17:30.) Detailed NIT and other details can be viewed on the above mentioned portal. Amendments to NIT, if any, would be published on website only, and not in newspaper.

Executive Engineer
G-22259/25 "स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता" P.W.D. E/M DIVISION JABALPUR

खबर संक्षेप

अप्रावा एनर्जी ने 800 करोड़ रुपए जुटाए

नई दिल्ली। एकीकृत ऊर्जा समाधान प्रदाता कंपनी अप्रावा एनर्जी ने ब्रिटेन के विकास वित्त संस्थान और 'इम्पैक्ट' निवेशक ब्रिटिश इंटरनेशनल इन्वेस्टमेंट (बीआईआई) और स्टैंडर्ड चार्टर्ड से 800.9 करोड़ रुपये (9.2 करोड़ डॉलर) का वित्तपोषण हासिल किया है। कंपनी ने बुधवार को यह जानकारी दी। इम्पैक्ट निवेशक वह निवेशक होता है जो सिर्फ वित्तीय लाभ कमाने के लिए नहीं, बल्कि सकारात्मक सामाजिक और पर्यावरणीय प्रभाव पैदा करने के उद्देश्य से भी निवेश करता है।

जियो ने अक्टूबर में सबसे अधिक मोबाइल ग्राहक जोड़े

नई दिल्ली। भारत में अक्टूबर में सक्रिय मोबाइल ग्राहकों की संख्या में 57 लाख की बढ़ोतरी हुई। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के हालिया आंकड़ों के आधार पर विभिन्न विश्लेषकों की रिपोर्ट के अनुसार इस दौरान जियो ने 39 लाख नए ग्राहक जोड़कर सबसे अच्छा प्रदर्शन किया। जेफरीज की रिपोर्ट के अनुसार, 2025 कैलेंडर वर्ष में मजबूत ग्राहक वृद्धि और मोबाइल डेटा का बढ़ता उपयोग औसत प्रति कमाई (एआरपीयू) के लिए सकारात्मक संकेत है।

एक्वस के निर्गम को पहले दिन 3.42 गुना अभिदान

नई दिल्ली। टिकाऊ उपभोक्ता सामान और एयरोस्पेस कलपुर्जे में विशेषज्ञता वाली एक अनुबंध विनिर्माण कंपनी, एक्वस लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को बुधवार को बोली के पहले दिन 3.42 गुना अभिदान मिला। एनएसई के आंकड़ों के अनुसार, कंपनी के 922 करोड़ रुपये के आईपीओ में 4,20,26,913 शेयरों के मुकाबले 14,36,44,200 शेयरों के लिए बोलियां प्राप्त हुईं।

सन फार्मा नए संयंत्र पर करेगी निवेश

नई दिल्ली। सन फार्मास्युटिकल इंडस्ट्रीज की एक इकाई मध्य प्रदेश में नए विनिर्माण संयंत्र पर 3,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बना रही है। मुंबई स्थित दवा कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी सन फार्मा लैबोरेटरीज लिमिटेड के निदेशक मंडल ने राज्य में नई फॉर्मूलेशन विनिर्माण सुविधा स्थापित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। कंपनी सूचना के अनुसार, नए विनिर्माण संयंत्र पर 3,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना है।

सीआईआई बेंगलुरु 'एक्सकॉन 2025' की करेगा मेजबानी

नई दिल्ली। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) नौ दिसंबर से बेंगलुरु में चार दिवसीय विनिर्माण उपकरण प्रदर्शनी 'एक्सकॉन 2025' की मेजबानी करेगा। इस प्रदर्शनी का मकसद विनिर्माण उपकरण और उन्नत विनिर्माण में देश के नेतृत्व को दर्शाना है। बुधवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, दक्षिण एशिया की सबसे बड़ी विनिर्माण उपकरण प्रदर्शनी 'एक्सकॉन 2025' का आयोजन नौ दिसंबर से 13 दिसंबर तक किया जाएगा। कार्यक्रम में मदर इंडिया फॉर्मिंग (एमआईएफ) 'प्रिसीजन शीट-मेटल कोल्ड-रोल फॉर्मिंग' में देश की बढ़ती क्षमता का प्रदर्शन करेगी।

पान मसाला पैक पर अब खुदरा मूल्य छापना होगा अनिवार्य, फरवरी से लागू

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अगर आप पान मसाला खाते हैं तो यह खबर आपके लिए बेहद जरूरी है। सरकार ने पान मसाला के पैकेटों पर बड़ा फैसला लिया है। अब से चाहे पान मसाला का पैकेट कितना भी छोटा या बड़ा हो, उस पर एमआरपी यानी खुदरा बिक्री मूल्य और लीगल मेट्रोलॉजी रूल्स, 2011 के तहत जरूरी सभी जानकारियां छापनी होंगी। यह नियम 1 फरवरी 2026 से लागू हो जाएगा। उपभोक्ता मामलों के विभाग ने लीगल मेट्रोलॉजी सेकंड (अमेंडमेंट) रूल्स, 2025 को अधिसूचित किया है। उपभोक्ता मंत्रालय ने बताया कि ये बदले हुए नियम 1 फरवरी 2026 से लागू होंगे। तब से सभी पान मसाला बनाने वालों, पैक करने वालों और आयात करने वालों को इन नियमों का पूरी तरह से पालन करना होगा। पहले छोटे पैकेट, जैसे 10 ग्राम या उससे कम के पैकेट, पर एमआरपी छापना जरूरी नहीं था। लेकिन अब इन छोटे पैकेटों पर भी एमआरपी छापना अनिवार्य कर दिया गया है। इसके अलावा, पान मसाला के सभी पैकेटों पर लीगल मेट्रोलॉजी रूल्स, 2011 के तहत मांगी गई हर जानकारी दिखानी होगी। नोटिफिकेशन के मुताबिक, नियम 26(ए) के तहत जो पुरानी छूट थी, जिसमें छोटे पान मसाला पैकेटों को कुछ जानकारियां नहीं दिखानी पड़ती थीं, उसे अब हटा दिया गया है।

एमआरपी और लीगल मेट्रोलॉजी रूल्स, 2011 के तहत जरूरी

अब एमआरपी क्यों जरूरी?

सभी पैकेटों पर एमआरपी छापना इसलिए जरूरी किया गया है ताकि पान मसाला पर लगने वाले जीएसटी को सही तरीके से लागू किया जा सके। यह जीएसटी एमआरपी पर ही आधारित होता है। इससे जीएसटी काउंसिल के फैसलों को लागू करना आसान होगा। सभी तरह के पैकेटों, चाहे वे कितने भी छोटे क्यों न हों, उन पर टैक्स की सही गणना और वसूली हो सकेगी।

कितना लगता है जीएसटी?

फिलहाल, पान मसाला और तंबाकू पर 28 फीसदी जीएसटी लगता है। इसके अलावा, अलग-अलग दर से कंपनसेशन सेस भी लगता है। यह कंपनसेशन सेस 31 मार्च 2026 तक 4 साल के लिए बढ़ाया गया था। इस सेस से जो पैसा इकट्ठा होता है, उसका इस्तेमाल केंद्र सरकार की ओर से कोविड-19 के दौरान राज्यों को हुए जीएसटी राजस्व नुकसान की भरपाई के लिए गए कर्ज को चुकाने में किया जा रहा है।

मंत्रालय ने नियमों को लागू करने की प्रक्रिया शुरू कर दी, सरकार ने चार श्रम संहिताओं को अधिसूचित किया

श्रम संहिता अगले साल 1 अप्रैल से होगी पूरी तरह से लागू, जल्द नियमों का मसौदा जारी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्र और राज्य सरकारों को जनता की प्रतिक्रिया के लिए नियमों के मसौदे को प्रकाशित करने से पहले सार्वजनिक करना आवश्यक है। श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने बुधवार को यहां सीआईआई इंडियाएज 2025 को संबोधित करते हुए कहा कि चार श्रम संहिताओं के तहत मसौदा नियम प्रकाशित किए जाने से पहले जल्द ही सार्वजनिक किए जाएंगे।

मांडविया ने कहा कि इससे पहले केंद्र सरकार और राज्यों ने नियमों के मसौदे को पहले ही सार्वजनिक कर दिया था, लेकिन वह काफी समय पहले की बात है। अब मसौदे को वर्तमान समय के अनुरूप बनाने की आवश्यकता है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि नियमों के मसौदे को प्रकाशित करने से पहले, सरकार अधिसूचना के लिए उन्हें अंतिम रूप देने से पहले जनता की टिप्पणियों को लेकर 45 दिन का समय देगी।

सुधारों की दिशा में महत्वपूर्ण कदम श्रम संहिताएं अगले साल एक अप्रैल से पूरी तरह से लागू होने की उम्मीद है। मंत्रालय ने अधिसूचित कानून के तहत नियमों को लागू करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। सरकार ने चार श्रम संहिताओं वेतन संहिता, 2019, औद्योगिक संबंध संहिता, 2020, सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कामकाज स्थिति संहिता, 2020 को 21 नवंबर को अधिसूचित किया। किसी कानून को लागू करने के लिए, सरकार को उसके तहत नियमों को अधिसूचित करना आवश्यक है।

जनता की प्रतिक्रिया के लिए अधिसूचित करना

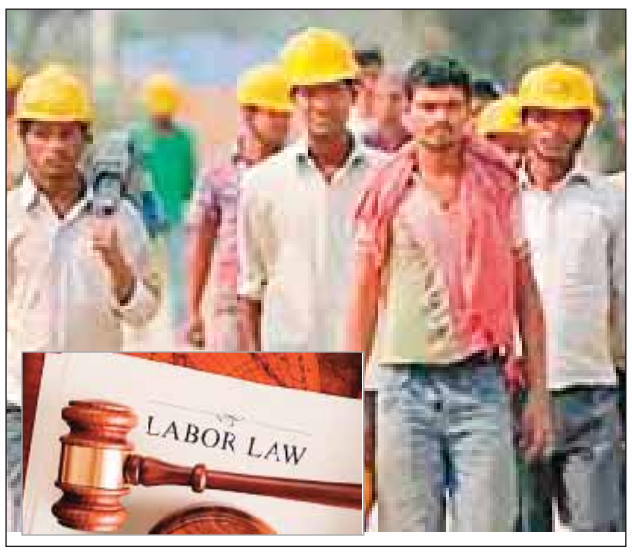

कार्य घंटे अभी भी आठ घंटे

अधिकारी ने यह भी बताया कि सरकार का मकसद नए वित्त वर्ष की शुरुआत यानी एक अप्रैल से इन चारों संहिताओं के क्रियान्वयन के लिए नियम लागू करने का है। मंत्री ने सम्मेलन में एक सत्र के दौरान प्रश्नों का उत्तर देते हुए कहा कि नई संहिताओं के तहत एक कर्मचारी के लिए कार्य घंटे अभी भी आठ घंटे प्रतिदिन है।

ओवरटाइम का विकल्प मिलेगा

इस प्रमुख श्रम सुधार में 29 मौजूदा श्रम कानूनों को सुसंगत बनाते हुए उन्हें इसमें एकीकृत किया गया है। मांडविया ने कहा कि नई रूपरेखा कर्मचारी को 'ओवरटाइम' का विकल्प प्रदान करती है, जो एक अंतरराष्ट्रीय चलन है।

सामाजिक सुरक्षा को प्राथमिकता

मंत्री ने मार्च, 2026 तक 100 करोड़ श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लक्ष्य को पूरा करने की सरकार की मंशा का भी जिक्र किया। यह अभी फिलहाल 94 करोड़ है। सामाजिक सुरक्षा दायरा 2015 के 19 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 64 प्रतिशत से अधिक हो गया है।

श्रम एक समवर्ती विषय

चूंकि श्रम एक समवर्ती विषय है, इसलिए संबंधित सरकारों...केंद्र और राज्यों... को देश भर में इन्हें पूरी तरह से लागू करने के लिए चारों संहिताओं के तहत नियमों को अधिसूचित करना होगा। मंत्री ने श्रम संहिताओं के विभिन्न प्रावधानों का उल्लेख किया।

समान वेतन व अवसर शामिल

इसमें अनिवार्य नियुक्ति पत्र, 40 वर्ष और उससे अधिक आयु के श्रमिकों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य जांच, समान कार्य समान वेतन और महिलाओं को विभिन्न पालियों में काम करने के समान अवसर शामिल हैं।

नए व्यवसाय में तेजी और कीमतों में नरमी प्रमुख

देश के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर नवंबर में बढ़ी : पीएमआई

नई दिल्ली। देश के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर में नवंबर में तेजी दर्ज की गई। नए व्यवसाय में तेजी और कीमतों में नरमी इसकी मुख्य वजह रही। बुधवार को जारी एक मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक अक्टूबर के 58.9 से बढ़कर नवंबर में 59.8 पर पहुंच गया। क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर अंक का मतलब गतिविधियों में विस्तार से और 50 से कम का आशय संकुचन से होता है। एचएसबीसी की भारत में मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, '' देश का सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक अक्टूबर के 58.9 से बढ़कर नवंबर में 59.8 आ गया। यह बढ़ोतरी मजबूत नए से प्रेरित रही जिसने उत्पादन वृद्धि को बढ़ावा दिया। एशिया, यूरोप और पश्चिम एशिया में कंपनियों की बढ़त की सूचना के साथ अंतरराष्ट्रीय बिक्री में सुधार जारी रहा। हालांकि, विस्तार की दर आठ महीने के निचले स्तर पर आ गई।

अब भी उत्पादन वृद्धि की उम्मीद

कंपनियों को हालांकि सकारात्मक धारणा के साथ अनुकूल मांग, सोशल मीडिया पर बढ़ती उपस्थिति, विपणन पहल और कीमतों में वृद्धि को न्यूनतम रखने की योजनाओं के दम पर अब भी उत्पादन वृद्धि की उम्मीद है। एचएसबीसी इंडिया सेवा पीएमआई को एसएंडपी ग्लोबल ने करीब 400 सेवा क्षेत्र की कंपनियों के समूह को भेजे गए सवालों के जवाबों के आधार पर तैयार किया है।

सोना बढ़कर 1,32,200 रुपए प्रति 10 ग्राम पर

सोने में 670 रुपए की तेजी और चांदी टूटी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मजबूत वैश्विक रुझानों और रुपये में भारी गिरावट के कारण सुरक्षित निवेश मांग के लिए समर्थन मिलने से बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमतें 670 रुपये चढ़कर 1,32,200 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गईं। अखिल भारतीय सराफा संघ ने यह जानकारी दी।मंगलवार को 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 1,31,530 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। कारोबारियों का कहना है कि डॉलर के मुकाबले रुपये के अब तक के सबसे निचले स्तर पर आने से सर्राफा कीमतों में तेजी आई है। हालांकि, सर्राफा संघ के अनुसार, चांदी ने छह दिन की बढ़त का सिलसिला तोड़ दिया और इसकी कीमत 460 रुपये की गिरावट के साथ 1,80,900 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) रह गई।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा, ''मजबूत वैश्विक रुख और भारतीय मुद्रा में कमजोरी के कारण घरेलू बाजारों में सोने में मामूली बढ़त दर्ज की गई।'' बुधवार को, विदेशी कोषों की निरंतर निकासी और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के बीच, रुपया पहली बार 90-डॉलर के स्तर को पार कर 90.21 (अस्थायी) के नए सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ, जो पिछले बंद से 25 पैसे की गिरावट है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में, हाजिर सोना मामूली बढ़त के साथ 4,207.67 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था, जबकि चांदी की कीमत बढ़कर 58.47 डॉलर प्रति औंस हो गई। सत्र के दौरान चांदी लगभग एक प्रतिशत बढ़कर 58.94 डॉलर प्रति औंस के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई।

सराफा को समर्थन जारी

गांधी ने कहा कि फेडरल रिजर्व के अधिकारियों की नरम टिप्पणियों ने अगले हफ्ते की एफओएमसी बैठक में ब्याज दरों में 0.25 प्रतिशत अंक की कटौती की उम्मीदों को मजबूत किया है, जिससे डॉलर के लिए प्रतिकूल परिस्थितियां पैदा हो रही हैं, जबकि सर्राफा को समर्थन मिल रहा है।

दर कटौती पर होगा फैसला रेपो दर में 0.25 प्रतिशत कटौती की उम्मीद

आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति की बैठक हुई शुरू

एजेंसी: मुंबई

मौद्रिक नीति तय करने वाली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन-दिवसीय बैठक बुधवार को शुरू हो गई। इस बैठक में रेपो दर में 0.25 प्रतिशत कटौती की संभावना जताई जा रही है लेकिन कुछ विशेषज्ञ यथास्थिति कायम रहने की भी उम्मीद जता रहे हैं। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता वाली छह-सदस्यीय एमपीसी का फैसला शुक्रवार को घोषित किया जाएगा। यह द्विमासिक समीक्षा बैठक खुदरा मुद्रास्फीति में लगातार नरमी, सकल

घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में उच्च वृद्धि दर, डॉलर के मुकाबले रुपये का भाव 90 के पार चले जाने और वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव के बीच हो रही है। आरबीआई ने इस साल फरवरी से जून के दौरान तीन किस्तों में रेपो दर में कुल एक प्रतिशत अंक की कटौती की थी। हालांकि, उसके बाद अगस्त एवं अक्टूबर की बैठकों में रेपो दर को 5.5 प्रतिशत पर स्थिर रखा गया।

मौजूदा दर भी कायम रह सकते हैं

इस पृष्ठभूमि में कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि आरबीआई अर्थव्यवस्था की मजबूत वृद्धि और वैश्विक अनिश्चितताओं को देखते हुए मौजूदा दरों को ही कायम रख सकता है। बैंक ऑफ बड़ौदा की अर्थशास्त्री अदिति गुप्ता ने कहा कि एमपीसी रेपो दर को संभवतः 5.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखेगी और तटस्थ रुख बनाए रखेगी।

नेफ्रोप्लस का आईपीओ 10 दिसंबर को खुलेगा

नई दिल्ली। डायलिसिस सेवा प्रदाता कंपनी नेफ्रोकेयर हेल्थ सर्विसेज लिमिटेड अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की तैयारी कर रही है। कंपनी का आईपीओ 10 दिसंबर को खुलकर 12 दिसंबर को बंद होगा। कंपनी आईपीओ के तहत 353 करोड़ रुपये से कुछ अधिक मूल्य के नये शेयर जारी करेगी। नेफ्रोकेयर हेल्थ सर्विसेज लिमिटेड अपने ब्रांड नेफ्रोप्लस के लिए जाने जाती है। आईपीओ दस्तावेजों के अनुसार, एंकर निवेशक नौ दिसंबर को शेयरों के लिए बोली लगा सकेंगे।

ईरान की मुद्रा रियाल रिकॉर्ड निचले स्तर पर

एजेंसी ▶▶ तेहरान

परमाणु प्रतिबंधों के दबाव से बदहाल ईरान की मुद्रा रियाल बुधवार को बड़ी गिरावट के साथ 12 लाख प्रति अमेरिकी डॉलर के नए रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ गई। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रियाल की नई विनिमय दर मंगलवार को ही पेश की थी, जो अब मुद्रा बाजार में लागू हो गया है। ईरानी मुद्रा में इस तेज गिरावट के कारण खाद्य पदार्थों और दैनिक जरूरतों की कीमतों पर दबाव बढ़ गया है। देश में मांस, चावल और अन्य जरूरी खाद्य वस्तुओं के दाम लगातार बढ़ने से आम नागरिकों के लिए रोजमर्रा की जिंदगी और मुश्किल होती जा रही है।

मुद्रा गिरकर 12 लाख प्रति अमेरिकी डॉलर

ईरान पर लगे अमेरिकी और अंतरराष्ट्रीय परमाणु प्रतिबंधों ने उसकी अर्थव्यवस्था की हालत खराब कर दी है। इन प्रतिबंधों के चलते ईरान से होने वाले तेल निर्यात पर भी असर पड़ा है, जो ईरान की आय का प्रमुख स्रोत रहा है। इस बीच, ईरान और इजराइल के बीच फिर से संघर्ष भड़कने को लेकर लोग आशंकित हैं।

जून में इजराइल के साथ 12 दिन तक हुआ था संघर्ष

ईरानी नागरिकों को लगता है कि अगर संघर्ष फिर छिड़ता है तो इसका सीधा असर अर्थव्यवस्था, आपूर्ति श्रृंखला और आम जीवन पर पड़ेगा। पिछले जून में दोनों देशों के बीच 12 दिन तक भीषण संघर्ष हुआ था। अमेरिकी हस्तक्षेप के बाद इस पर लगाम लगी थी लेकिन अब भी तनाव बना हुआ है।

वैश्विक रैंटिंग एजेंसी एसएंडपी ने बढ़ाकर 'ग्रुप-बी' कर दिया

भारत की दिवाला समाधान व्यवस्था की रैंकिंग बढ़ी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

वैश्विक रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ने बुधवार को भारत की दिवाला समाधान व्यवस्था के लिए अपनी रैंकिंग को बढ़ाकर 'ग्रुप-बी' कर दिया। यह संशोधन ऋणदाताओं के अनुकूल माने जा रहे दिवाला समाधान ढांचे और आईबीसी कानून के बेहतर प्रदर्शन के आधार पर किया गया है।

एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने एक बयान में कहा कि दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) से ऋण अनुशासन मजबूत हुआ है और समाधान प्रक्रिया का संतुलन स्पष्ट रूप से ऋणदाताओं के पक्ष में है। इस

वजह से अब प्रवर्तकों के लिए अपने व्यवसाय पर नियंत्रण गंवाने का जोखिम बढ़ गया है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि बदले हुए हालात में दिवाला समाधान की मूल्यांकन रैंकिंग को ग्रुप-सी से बढ़ाकर ग्रुप-बी कर दिया गया है। एसएंडपी ने कहा, ''यह संशोधन इसलिए किया गया है क्योंकि हमने भारत के दिवाला समाधान ढांचे का आकलन बदला है। हमें लगता है कि यह ढांचा ऋणदाताओं के लिए पहले की तुलना में अधिक अनुकूल होकर 'कमजोर' से 'मध्यम' हो गया है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि आईबीसी के तहत जारी सफल कर्ज समाधान, बेहतर समयसीमा और वसूली दर इसकी प्रमुख वजहें हैं।

एसएंडपी ने कहा कि दिवाला समाधान के दौरान बकाया कर्ज का औसत वसूली मूल्य 15–20 प्रतिशत से बढ़कर अब 30 प्रतिशत से अधिक हो गया है। इसके अलावा फंसे कर्जों के समाधान में लगने वाला औसत समय भी छह-आठ साल से घटकर लगभग दो साल रह गया है।

भारत अभी भी ग्रुप-बी के कुछ देशों से पीछे

हालांकि, एजेंसी ने कहा कि भारत की दिवाला समाधान व्यवस्था अब भी ग्रुप-ए और ग्रुप-बी के कुछ देशों से पीछे है। लगभग 30 प्रतिशत बकाया वसूली दर को दूसरे उन्नत देशों में कम माना जाता है।

प्रक्रिया में अनिश्चितता बनी हुई

एसएंडपी ने यह भी कहा कि समाधान प्रक्रिया में लगभग दो साल का समय लगने के बावजूद अब भी दिवाला प्रक्रिया में अनिश्चितता बनी रहती है। कई मामलों में कानूनी चुनौतियों, आवेदन की प्रारंभिक प्रक्रिया और समाधान योजनाओं के क्रियान्वयन के कारण विलंब होता है।

पंच कल्याणक एवं सप्त गजरथ महोत्सव में भगवान की गोद भराई, उमड़ा भक्तों का जनसैलाब

जबलपुर। पंचकल्याणक एवं सप्त गजरथ महोत्सव के चौथे दिन भगवान के जन्मोत्सव से पूर्व गोद भराई (साँदें) की रस्म बड़े उत्साह और भव्यता के साथ संपन्न हुई। प्रातः से लेकर रात्रि तक महोत्सव स्थल पर विविध धार्मिक अनुष्ठान और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुए। हजारों श्रद्धालु और इंद्राणियाँ इस अवसर पर भगवान की माता की गोद भरने की रस्म में भाग लेने पहुंची। प्रतिष्ठाचार्य बाल ब्रह्मचारी विनय भैया (बंडा) के अनुसार सुबह 7 बजे से भगवान का अभिषेक और शांतिधारा पूजन किया गया। पीत वस्त्रधारी और आभूषणों से सुसज्जित इंद्र-इंद्राणी पंडाल में आकर्षण का केंद्र बने। आचार्यश्री समयसागर महाराज ने भक्तों को धर्मानुराग और प्रमोद भाव के महत्व पर मंगलदेशना दी। उन्होंने कहा कि धर्म के प्रति सच्चा प्रेम और भावना ही पुण्य का स्रोत है और यह जीव का कल्याण सुनिश्चित करती है। दोपहर 12 बजे से भगवान के जन्मोत्सव से पूर्व खुशी मनाने की रस्म आरंभ हुई। माता मरुदेवी की गोद भराई की रस्म में महिलाएं और इंद्राणियाँ मंगलगीत गाती हुई बड़ी भक्ति भाव से शामिल हुईं। इसके अतिरिक्त, सोलह स्वप्नों का फलादेश भी प्रस्तुत किया गया, जिसमें महाराजा नाभिराज के राज दरबार में माता मरुदेवी द्वारा सोलह स्वप्न दर्शन का फलादेश सुनाया गया। गीत-संगीत और मंचन ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया और महोत्सव स्थल पर भक्तिभाव की अनोखी छटा बिखेर दी।

श्री पिसनहारी तीर्थ में आचार्य श्री विद्यासागर जी की स्मृति में चरण चिन्ह और छतरी का शिलान्यास

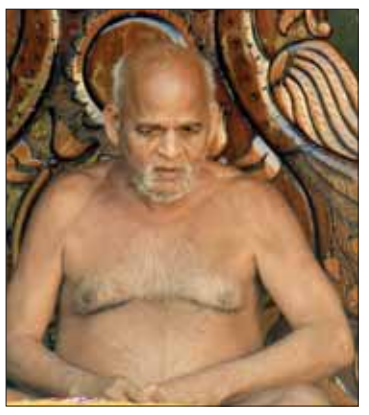

जबलपुर। परमपूज्य गुरुवर 108 आचार्य श्री विद्यासागर जी की स्मृति को स्थायी रूप से संरक्षित करने के उद्देश्य से श्री पिसनहारी तीर्थ में प्रतिष्ठित नंदीश्वर द्वीप जिनालय के प्रांगण में उनके रजत धातु से निर्मित चरणचिन्ह और छतरी का शिलान्यास और भूमि पूजन विधि-विधान से सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम में आचार्य श्री 108 समयसागर जी स संघ की पावन उपस्थिति रही। शांतिनगर जिनालय के अध्यक्ष आलोक जैन एवं उनके परिवार ने शिलान्यास का विधिपूर्वक कार्य संपन्न कराया। ज्ञात हो कि नंदीश्वर द्वीप मंदिर की प्रतिष्ठा गुरुवर के करकमलों से 1992 में गजरथ के दौरान की गई थी। इस अवसर पर डोंगरगढ़ (छत्तीसगढ़) में निर्माणाधीन समाधि स्थल छतरी की वास्तविक प्रतिकृति बनाए जाने की भी घोषणा की गई। पिसनहारी तीर्थ ट्रस्ट ने कहा कि न्यूनतम दान देकर कोई भी व्यक्ति इस पुण्यकार्य में सहभागी बन सकता है। कार्यक्रम में अध्यक्ष राजेंद्र मम्मा, उपाध्यक्ष संजय चौधरी, महामंत्री संजय अरिहंत, कोषाध्यक्ष सुबोध कामरेड सहित अनेक गणमान्य क्षेत्रीय और नगरवासी उपस्थित रहे।

वर्ल्ड रामायण कॉन्फ्रेंस

सांस्कृतिक चेतना का महाआंदोलन

- प्रदर्शनी से पहले हुई महत्वपूर्ण बैठक
- 4 हजार बच्चे होंगे रामायण प्रश्नोत्तरी में शामिल
- बैठक में संस्कृति और मूल्यों से जोड़ने का सामूहिक संकल्प

जबलपुर। वर्ल्ड रामायण कॉन्फ्रेंस की तैयारियों को लेकर गत दिवस वनवासी आश्रम, ग्वारीघाट में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें दीदी ज्ञानेश्वरी, विधायक अजय विश्नोई, नगर निगम अध्यक्ष रिंकू विज, डॉ. अखिलेश गुमास्ता और रविंद्र वाजपेई उपस्थित रहे। बैठक में विभिन्न समितियों द्वारा किए जा रहे कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई और उनके प्रयासों की सराहना करते हुए इसे सांस्कृतिक जागरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया गया। प्रतिनिधियों ने कहा कि "वर्ल्ड रामायण एक सांस्कृतिक आंदोलन है" जिसका उद्देश्य नई पीढ़ी को भारतीय ज्ञान, संस्कृति और मूल्यों से जोड़ना है। बैठक में 28 दिसंबर को होने वाली भव्य रामायण एग्जीबिशन की तैयारियों पर विशेष चर्चा की गई। प्रदर्शनी को सफल और आकर्षक बनाने के लिए जिम्मेदारियों का विभाजन भी किया गया। बैठक में अलका विश्नोई, अनीता दुबे, रामजी अग्रवाल, विनोद दुबे, नीना उपाध्याय, रवि रंजन, राजीव चतुर्वेदी, रत्नेश मिश्रा, विध्येश भापकर सहित कई गणमान्य नागरिक मौजूद थे। सभी ने आगामी कार्यक्रमों का रोडमैप तय करते हुए बच्चों और युवाओं में सांस्कृतिक चेतना जागृत करने के लिए सामूहिक प्रयासों पर जोर दिया। वर्ल्ड रामायण कॉन्फ्रेंस के अंतर्गत जिले में कक्षा 6वीं से 8वीं तक के लगभग 4,000 विद्यार्थी रामायण प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। प्रतियोगिता में शासकीय तथा अशासकीय दोनों प्रकार के विद्यालयों को शामिल किया गया है। इस संदर्भ में डीईओ घनश्याम सोनी और डीपीसी योगेश शर्मा ने अहम सुझाव प्रस्तुत किए। आयोजन समिति के सदस्य रत्नेश मिश्रा, श्रीमती श्वेता श्रीवास्तव, रामजी अग्रवाल, श्रीमती श्रद्धा निर्माण, डॉ. पी. तिवारी, विजय केसरवानी और राजीव कुमार सिंह ने प्रतियोगिता को सफलतापूर्वक संपन्न कराने का संकल्प लिया।

जनेकृविवि में 7 दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

वन पौध नर्सरी को बिजनेस मॉडल बनाएं

जबलपुर। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के वानिकी विभाग में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत आयोजित वन पौधशाला प्रबंधन विषय पर 7 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय डॉ. जयंत भट्ट के मुख्य आतिथ्य में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डॉ. एस.बी. अग्रवाल ने की। मुख्य अतिथि डॉ. जयंत भट्ट ने कहा कि वन पौध नर्सरी को युवाओं द्वारा बिजनेस मॉडल के रूप में अपनाया जाना चाहिए, क्योंकि उच्च गुणवत्ता वाले पौध तैयार कर युवा अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से प्राप्त ज्ञान को अपने क्षेत्रों में पहुंचाने की अपील की ताकि अधिक लोगों को रोजगार मिल सके।

अध्यक्ष डॉ. अग्रवाल ने आय देने वाले पौधों की रोपवाटिका तैयार करने तथा उसके प्रमाणीकरण की प्रक्रिया पर मार्गदर्शन दिया। वैज्ञानिक डॉ. यशपाल सिंह ने बताया कि प्रशिक्षण में पौध उत्पादन, नर्सरी संचालन, अधिक लाभ प्राप्ति, तथा स्टार्टअप प्रक्रिया से संबंधित विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, उड़ीसा और बिहार के 45 प्रतिभागियों ने भाग लिया। समापन अवसर पर सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. विष्णु सोलंकी और आभार प्रदर्शन डॉ. सोमनाथ सर्वदे ने किया। इस अवसर पर डॉ. बी. एस. द्विवेदी, डॉ. राहुल डोंगरे, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद डोंगरे, डॉ. कैलाश कुमार, डॉ. अजय शाह, श्री पूर्णिमा मालवीया सहित कर्मचारी और प्रतिभागी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

संस्कार सिटी में अव्यवस्थाओं का अंबार रहवासियों ने विधायक को सौंपा ज्ञापन

जबलपुर। संस्कार सिटी सूरतलाई के रहवासियों ने क्षेत्रीय विधायक इन्दु तिवारी को ज्ञापन सौंपकर कॉलोनी में वर्षों से लंबित मूलभूत समस्याओं के समाधान की मांग की।

रहवासी समिति, जो एक रजिस्टर्ड संस्था (पंजीयन संख्या JR/JBP/109978-11/01/2022) है, के अनुसार कॉलोनी में लगभग 350 परिवार और करीब 1200 निवासी रहते हैं। निवासियों ने बताया कि कॉलोनी का निर्माण मेसर्स गाला बिल्डर्स द्वारा किया गया है तथा कॉलोनी टीएनसीपी और रेरा (P-011-20 2589) से मान्यता प्राप्त है। इसके बावजूद कॉलोनी की सीवर लाइन मुख्य नाले से नहीं जोड़ी गई, जिसके कारण खाली प्लॉटों में जलभराव, गंदगी, मच्छरों की बढ़ोतरी और बीमारी फैलने की आशंका बनी रहती है। कई घरों में रिवर्स गंदगी भी पहुंच रही है। रहवासियों ने शिकायत की कि कॉलोनाइज़र को कई बार अवगत कराया गया, पर समस्या का समाधान नहीं हुआ। टीएनसीपी नियमों के अनुसार सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट बनाना अनिवार्य होने के बावजूद उसका निर्माण भी नहीं किया गया है। पानी की टंकी तो बनाई गई है, लेकिन घर-घर तक पानी की लाइन नहीं पहुंचाई गई, जिससे गर्मी में बोरिंग भी काम नहीं कर पा रही। निवासियों ने विधायक से इन समस्याओं के शीघ्र निराकरण और कॉलोनाइज़र पर कार्रवाई की मांग की।

इंदौर, ग्वालियर तथा रायपुर में हो रहे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच

जबलपुर में रणजी ट्रॉफी तक कराने की सुविधा नहीं

जबलपुर। जबलपुर में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच तो दूर की बात है, रणजी ट्रॉफी कराने तक की व्यवस्था नहीं है। नीमखेड़ा में बीसीसीआई द्वारा प्रस्तावित क्रिकेट ग्राउण्ड को वर्षों के बाद भी नहीं बनाया गया है। वर्तमान में जबलपुर में एक भी ऐसा क्रिकेट ग्राउण्ड नहीं है, जिसमें प्रदेश व राष्ट्रीय स्तर का क्रिकेट मैच हो सकें, जबकि प्रदेश के अन्य शहरों में राष्ट्रीय स्तर तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर के मैच कराने के लिए ग्राउंड बन चुके हैं। इंदौर, ग्वालियर तथा पूर्व मध्यप्रदेश के और अब छत्तीसगढ़ के शहर रायपुर में तो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच भी लगातार हो रहे हैं। इस मामले में बीसीसीआई के चेयरमेन तथा म.प्र. खेल मंत्री हस्तक्षेप करें। डॉ. पी.जी. नाजपांडे ने बताया कि नीमखेड़ा में बीसीसीआई द्वारा चार साल से क्रिकेट ग्राउण्ड निर्माण प्रस्तावित है, लेकिन पर्याप्त बजट आवंटित नहीं किये जाने के कारण यह प्रोजेक्ट धीमी गति से जारी है।

तिलहरी स्पोर्ट्स परिसर में म.प्र. खेल विभाग ने तीन वर्ष पहले क्रिकेट ग्राउण्ड बनाने की योजना बनाई थी, किंतु बजट के अभाव में यह ग्राउंड नहीं बन सका है। रानीताल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में ग्राउण्ड बनाया जा सकता है, लेकिन भूमि पर हुए अवैध अतिक्रमण को हटाया जाना जरूरी है।

जबलपुर के साथ भेदभाव तथा अन्याय

जनसंगठनों के रजत भार्गव, एड. वेदप्रकाश अधौलिया, टी.के. रायघटक, डी.के. सिंग, संतोष श्रीवास्तव, डी.आर. लखेरा, के.पी. सोनी, दिलीप कुंडे, एड. जी.एस. सोनकर, अर्जुन कुमार सहित अन्य ने आरोप लगाया कि यह जबलपुर के साथ भेदभाव तथा अन्याय है।

पूर्णिमा पर हरि नाम संकीर्तन के साथ होगा विशाल भंडारा

जबलपुर। मां नर्मदा चैतन्य महाप्रभु लोक कल्याण समिति जबलपुर द्वारा सीताराम आश्रम भेड़ाघाट सरस्वतीघाट में महंत ऋषि बाल्ययोगी कृष्णदास महात्यागी महाराज के सानिध्य में प्रत्येक माह की पूर्णिमा पर भजनानंदी सुबह 7:00 बजे से भगवान श्री राम-जानकी, मां नर्मदा मैया की महाआरती के साथ भाव-विभोर होकर हरि नाम संकीर्तन का गुणगान करते हुए, विशाल भव्य भंडारा आयोजित किया जाएगा। अध्यक्ष श्याम मनोहर पटेल ने बताया कि 4 दिसम्बर को सुबह 9 बजे सर्वप्रथम मां नर्मदा को भोग प्रसादी के पश्चात निरंतर 2:00 तक विशाल भंडारा का कार्यक्रम चलता रहेगा, सनातन संस्कृति के संपूर्ण शास्त्रों में उल्लेखित है कि भूखे को भोजन कराना एक महान कार्य है। यह दया, करुणा और मानवता की सबसे सुंदर अभिव्यक्ति है। भगवान श्री कृष्ण ने स्वयं गीता में कहा है कि पूजा-पाठ, दीया अगरबत्ती में से कई अधिक होता है अन्नकूट के माध्यम से भोजन प्रसादी कराना और प्यासे को पानी, जय मां नर्मदा भवानी। इस मौके पर उपस्थिति की अपील श्याम मनोहर पटेल, महंत ऋषि बाल्ययोगी, कृष्णदास महात्यागी महाराज, साध्वी कल्याणी दासी माता, संकीर्तनाचार्य सुरेश विश्वकर्मा, मोहित तिवारी, लालजी पटेल, मनोहर विश्वकर्मा ने की है।

हर छात्र और छात्रा को पता हो उनके अधिकार : डॉ. वाधवानी

जबलपुर। शांति नगर स्थित स्कूल में में छात्र-छात्राओं के लिए "महिला सुरक्षा एवं महिला अधिकार" विषय पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को महिला सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ दी गईं तथा विभिन्न परिस्थितियों में सुरक्षा के उपायों के बारे में विस्तारपूर्वक समझाया गया। साथ ही, छात्राओं को महिला अधिकार, उनके संरक्षण से जुड़े कानून और आवश्यकता पड़ने पर सहायता प्राप्त करने के तरीकों के बारे में भी अवगत कराया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में जागरूकता बढ़ाना, आत्म-सुरक्षा के प्रति समझ विकसित करना और महिला सम्मान व सुरक्षा के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण तैयार करना था। कार्यक्रम डॉ. अमित सिसोदिया के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। इस मौके पर डॉ. अजय वाधवानी, एड. भावना निगम, एड. आशीष त्रिपाठी, डॉ. अभिषेक जैन, डॉ. कमल विश्वास माँ, डॉ. अशोक मेथवानी उपस्थित रहे।

मुल्क में शांति व सद्भाव से ही तरक़्क़ी संभव : मुफ्ती-ए-आज़म

जबलपुर। "मुल्क में शांति और सद्भाव की नितांत आवश्यकता है, इन्हीं की बदौलत तरक़्क़ी का रास्ता खुलता है।" यह बात मुफ्ती-ए-आज़म मध्यप्रदेश हज़रत मौलाना मुशाहिद रज़ा कादरी ने गढ़ा स्थित काज़ी मोहल्ला में आयोजित ग्यारहवीं शरीफ़ की सालाना नियाज़ के दौरान कही। यह महफ़िल हाजी तौसीफ़ रज़ा के निवास पर अकीदतमंदों की बड़ी तादाद में मौजूदगी के साथ सम्पन्न हुई। आयोजन का आग़ाज़ दरूद-ओ-सलाम से हुआ, जिसके बाद फ़ातिहा पेश की गई। मुल्क में अमन-ओ-चैन, मिल्लत की तरक़्क़ी और आपसी भाईचारे की मजबूती के लिए ख़ास दुआ की गई। इस अवसर पर हाजी तैमूर रज़ा और तैय्युर रज़ा ख़ान ने नायब मुफ्ती-ए-आजम मध्यप्रदेश हज़रत मौलाना जियाउल हक़ कादरी बुरहानी सहित हाजी असलम पहलवान, हाजी अब्दुल रहमान, हाजी मुईन ख़ान, रफ़ीक ख़ान, हाजी शकील, हाजी नज़र पहलवान, हाजी हन्नू पहलवान, हाजी निज़ामुद्दीन, मुबारक कादरी, सैय्यद क़ादिर अली कादरी, नवेद ख़ान, हाजी सलीम (बून इलेक्ट्रॉनिक्स), हाजी इमामुद्दीन और यूसुफ मंसूरी का इस्तक़बाल किया। महफ़िल में शहर और आसपास के इलाक़ों से बड़ी संख्या में अकीदतमंदों ने शिरकत की। कार्यक्रम के अंत में आयोजक हाजी तौसीफ़ रज़ा ने सभी मेहमानों और महफ़िल को सफल बनाने में सहयोग देने वालों का तहेदिल से आभार व्यक्त किया।

टाउन हॉल में उत्कल यादव समाज ने किया खलीफाओं का सम्मान

जबलपुर। उत्कल यादव समाज समिति जबलपुर द्वारा रविवार को खलीफाओं का सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया। टाउन हॉल गार्डन में दोपहर 1:00 बजे से आयोजित कार्यक्रम में विधायक अभिलाष पांडे, पूर्व विधायक अंचल सोनकर, पूर्व मंत्री शरद जैन मंचासीन थे। दीप प्रज्ज्वलन व हनुमानजी की पूजा के बाद समिति के अध्यक्ष कृष्ण कुमार यादव द्वारा किशन उस्ताद अखाड़ा के खलीफा महावीर प्रसाद यादव, देवी पहलवान, मनोज पहलवान, लालू यादव, इन्दल यादव, जगदीश पहलवान का सम्मान किया गया। साथ ही शहर के 51 खलीफाओं का भी सम्मान किया गया। इस दौरान नन्हे बच्चों द्वारा पटा-बनेटी के करतबों का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में समिति के पदाधिकारी एवं सदस्यगण मौजूद थे।

नर्मदा पंचकोषी परिक्रमा भेड़ाघाट में आज

जबलपुर। हरे कृष्णा आश्रम भेड़ाघाट से निकाली जाने वाली 469 वी नर्मदा पंचकोषी परिक्रमा अगहन पूर्णिमा पर 4 दिसंबर गुरुवार को प्रातः 8:30 बजे परिक्रमा संचालक भगवान श्री हनुमान जी महाराज जी की सूचहम उपस्थिति में संत महात्माओं के सानिध्य में संकीर्तन करते हुए निकाली जाएगी। पंचकोषी आश्रम से होते हुए पंचवटी 64 योगिनी धुआंधार कल्याण तपोवन से लम्हेटा घाट में नाव द्वारा पार करके शनि मंदिर डुडुवारा इमलिया न्यू भेड़ाघाट होते हुए सिद्धन माताजी के आश्रम के सामने से सरस्वती घाट में नाव पार करके आश्रम में विशाल भंडारे के साथ समापन होगा।

अभा ग्राहक पंचायत ने कलेक्टर को सौंपा अनुस्मरण पत्र

सरकारी निर्देशों की हो रही अहेलना

जबलपुर। अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत महाकोशल प्रांत ने 01 एवं 02 रुपये के वैध सिक्कों के प्रचलन में बाधा, उपभोक्ता हितों की हानि एवं पूर्व में प्रस्तुत निवेदन पर अपेक्षित कार्यवाही न होने पर कलेक्टर जबलपुर को अनुस्मरण पत्र सौंपा। बताया गया पिछले तीन माह से निरंतर आपके संज्ञान में यह गंभीर समस्या लाई जा रही है कि शहर के अनेक व्यापारी एवं संस्थाएं एक एवं दो रुपये के सिक्कों को लेने से इंकार कर रहे हैं। यह आचरण न केवल वैध मुद्रा का अवैध बहिष्कार है, बल्कि उपभोक्ताओं के विधिसम्मत अधिकारों का भी गंभीर उल्लंघन है। अतः हमारा निवेदन है कि जिला प्रशासन द्वारा तत्काल यह स्पष्ट आदेश जारी किया जाए कि सभी व्यापारी, दुकानदार एवं संस्थाएं एक एवं दो रुपये के सिक्कों को अनिवार्य रूप से स्वीकार करें। साथ ही ग्राहकों के अधिकारों की रक्षा, वैध मुद्रा की स्वीकृति सुनिश्चित करने तथा विधि व्यवस्था की गरिमा बनाए रखने हेतु शीघ्र आवश्यक कदम उठाए जाएं।

CHANGE OF NAME
I, ARMY NO. JC-380830A RANK SUB MAJ NAME RAJPUT SANJAY GOVINDSING S/O RAJPUT GOVINDSING KACHRU OF UNIT HQ COY, HQ 1 STC, JABALPUR (MP) AADHAR CARD No. 2564 9382 5686 I, have changed name of my MOTHER, from NAWSABAI (name as per my ARMY SERVICE RECORDS) to NAVSABAI GOVINDSING RAJPUT (name as per my MOTHER, AADHAR CARD NO. 7163 5097 8310) vide affidavit dated 02/12/2025 formerly before Public Notary RAMDAS SHARMA MP HIGH COURT, JABALPUR (MP)
CORRECT NAME
NAVSABAI GOVINDSING RAJPUT
INCORRECT NAME
NAWSABAI

CHANGE OF NAME
I, WAS KNOWN AS AASHIYA BEGUM I, HAVE CHANGED MY NAME AND HENCEFORTH I, SHALL BE KNOWN AS AASHIYA BEGAM W/O MOHAMMAD YUNUS KHAN RESIDENT OF H.NO. 1003, STREET NO. 21, SADAR, RANITAL, JABALPUR PATAN (M. P.) 482001.
77AA 594388

50,000 रोमन सिक्के... समंदर में मिला खजाना

रोम। कहा जाता है कि कभी-कभी किस्मत इंसान को वहीं ले जाती है, जहां इतिहास छुपा बैठा होता है। इटली के सार्डीनिया के पास ऐसा ही एक चमत्कार हुआ है, जब एक साधारण डाइविंग कर रहे व्यक्ति की नजर पानी के अंदर चमकती हुई किसी चीज पर पड़ी, पहले तो उसे लगा कि यह कोई कचरा होगा, लेकिन पास जाकर उसने देखा तो प्राचीन रोमन साम्राज्य के सिक्कों का ढेर था। जिसे देखकर वे हैरान हो गया। बताया जा रहा है कि यहां 30,000 से 50,000 तक कांस्य के सिक्के दबे हुए हो सकते हैं। यानी यह रोमन इतिहास का सबसे बड़ा सिक्कों का खजाना माना जा रहा है।

कैसे मिला यह खजाना?

डाइवर ने जैसे ही सिक्के देखे, वह तुरंत तट पर पहुंचा और अधिकारियों को सूचना दी, इसके बाद सांस्कृतिक विरासत टीम, पुलिस डाइवर्स और पुरातत्व विशेषज्ञ वहां पहुंचे और पूरे इलाके को सुरक्षित कर लिया, यह जगह बीच और समुद्री पौधों के बीच की रेत में स्थित है। माना जाता है कि यहीं किसी रोमन जहाज का हादसा हुआ था और जहाज का माल समुद्र में फैल गया था।
इन सिक्कों पर उस समय के रोमन सम्राटों की तस्वीरें बनी हैं। विशेषज्ञों के अनुसार ये चौथी सदी ईस्वी (324 से 340 ईडी) के हैं। ये फोलिस नाम के कांस्य सिक्के हैं। इन्हें आम लोगों और सैनिकों की रोजमर्रा की लेन-देन में इस्तेमाल किया जाता था। इन सिक्कों पर लिखे छोटे-छोटे अक्षरों से पता चलता है कि ये अलग-अलग शहरों में बनी टकसालों से आए थे। यानी यह माल किसी लंबी व्यापारिक यात्रा पर निकला था।

चमत्कार

मानव साहस और तकनीकी कौशल की मिसाल

दुनिया की दूसरी सबसे ऊंची रेल लाइन पर बना रहस्यमय पुल

दुनियाभर में कई ऐसी जगहें हैं, जिनके बारे में जानकर हैरानी होती है। इनमें से कहीं पर पहाड़ों का जंगल है, तो कहीं पर कोई ट्रेन बादलों के बीच से होकर गुजरती है। इतना ही नहीं, एक ब्रिज तो ऐसा भी है, जहां पर कुत्ते सुसाइड कर लेते हैं।

लिमा। दलेकिन, आज हम आपको दुनिया की दूसरी सबसे ऊंची रेलवे लाइन पर बने उस रहस्यमयी पुल के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे 'छोटा नर्क भी कहा जाता है। अब आप सोच रहे होंगे कि आखिर ये पुल कहां पर है और इसका नाम क्या है।

ऐसे में बता दें कि इसका नाम है 'इनफर्निलो ब्रिज' यानी 'छोटा नर्क'। यह एंडीज पर्वत की ऊंची-ऊंची चोटियों के बीच बना है, जिसे देखकर इंसान की रूह कांप उठती है। जहां इतनी ऊंचाई पर हवा में सांस लेना भी मुश्किल हो जाता है, वहां बना यह पुल किसी इंजीनियरिंग का चमत्कार ही नहीं, बल्कि मानव साहस और तकनीकी कौशल की एक जीती-जागती मिसाल है।

एक सुरंग से निकलकर दूसरी सुरंग में प्रवेश करती है ट्रेन

दुनिया की दूसरी सबसे ऊंची रेलवे लाइन 'फेरोकारिल सेंट्रल एंडिनो' का यह हिस्सा समुद्र तल से 3,300 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। पेरू की राजधानी लिमा से करीब 130 किलोमीटर दूर यह पुल दो विशाल चट्टानों के बीच बनी एक संकरी घाटी पर बना हुआ है। 1908 में अमेरिकन ब्रिज कंपनी द्वारा निर्मित इस 62.78 मीटर लंबे पुल की सबसे डरावनी विशेषता है इसके दोनों ओर बनी सुरंगें। इस पुल के निर्माण में आने वाली चुनौतियां अविश्वसनीय थीं। 20वीं सदी के शुरुआती दौर में बिना आधुनिक मशीनों के इंजीनियरों ने इस कठिन इलाके में स्टील के इस पुल को बनाया। पुल के दोनों सिरों पर बनी सुरंगें इसकी संरचना को और भी जटिल बनाती हैं- ट्रेन एक चट्टान की सुरंग से निकलकर सीधे पुल पर आती है और तुरंत दूसरी सुरंग में प्रवेश कर जाती है।

क्यों कहते हैं छोटा नर्क?

यह पुल एंडीज पर्वतमाला की एक बहुत ही संकरी और गहरी घाटी में स्थित है। इसका नाम 'इनफर्निलो' (स्पेनिश में छोटा नर्क) इसकी भौगोलिक स्थिति के कारण पड़ा। पुल के नीचे गहरी खाई में रियो रिमैक नदी गर्जन करती हुई बहती है, जबकि ऊपर से ट्रेन गुजरती है तो पूरी संरचना कांप उठती है। पुल के एक तरफ 'कारेटेरा सेंट्रल' राजमार्ग है, जहां से यह नजारा और भी डरावना लगता है। इस तरह के बीहड़, दुर्गम स्थानों को पारंपरिक रूप से डरावना या 'नर्क जैसा' माना जाता रहा है। इसके अलावा जब 1908 में इसे बनाया गया था, तब इतनी ऊंचाई पर और ऐसी दुर्गम जगह पर काम करना बेहद खतरनाक था। इंजीनियरों और मजदूरों के लिए यह जगह सचमुच 'छोटा नर्क' बन गई थी, जहां उन्हें जान जोखिम में डालकर काम करना पड़ा था।

2,000 साल पुरानी रहस्यमयी पाण्डुलिपि! ममी के साथ दफन था परलोक का राज

काहिरा। कहा जाता है कि प्राचीन मिस्र में लोग मौत को अंत नहीं, बल्कि एक नई शुरुआत मानते थे। इसी विश्वास से जुड़ी एक चौंकाने वाली खोज मिस्र के सक्कारा क्षेत्र में हुई है। जब पुरातत्वविदों ने एक पुरानी लकड़ी की ताबूत खोली, तो उन्हें उम्मीद थी कि अंदर सामान्य ममी, पट्टियां और कुछ तावीज मिलेंगे. लेकिन उन्हें जो मिला, उसने सबको हैरान कर दिया है। ताबूत के अंदर एक बेहद सुरक्षित और खूबसूरत तरीके से लपेटी 2,000 साल पुरानी पाण्डुलिपि मिली है। यह पाण्डुलिपि इतनी अच्छी हालत में थी कि मानो समय ने इसे छुआ ही न हो, इसे पेपायरस ऑफ अहमोस नाम दिया गया है। पाण्डुलिपि में बार-बार लिखे नाम से पता चलता है कि यह एक व्यक्ति के लिए खास बनवाई गई थी, जिसका नाम अहमोस था। माना जाता है कि वह एक सम्पन्न व्यक्ति था क्योंकि इतनी लंबी और निजी धार्मिक पुस्तक केवल अमीर लोग ही बनवा सकते थे। इसमें उनका नाम करीब 260 बार लिखा गया है, ताकि मरने के बाद भी देवता उनका नाम पुकारें और उनकी आत्मा सुरक्षित बनी रहे।

ये पाण्डुलिपि आखिर थी क्या?

यह पाण्डुलिपि बुक ऑफ द डेड यानी मृतकों की किताब का हिस्सा है। इसमें ऐसे मंत्र और निर्देश लिखे गए हैं, जो मिस्रवासी मृत्यु के बाद के जीवन में बेहद जरूरी मानते थे। इसमें मृत्यु के बाद रास्ता बताने वाले मंत्र, बुरी आत्माओं से बचाने वाले नियम, शरीर और आत्मा को सुरक्षित रखने के उपाय, परलोक के दरवाजों को खोलने की विधि, ओसिरिस, रा और एनूबिस जैसे देवताओं को याद करने की प्रार्थनाएं शामिल थी। इन मंत्रों की मदद से मृतक सुरक्षित होकर न्याय के दरबार तक पहुंचता था, जहां उसकी आत्मा का फैसला होता था।

इतने साल कैसे सुरक्षित रही ये पाण्डुलिपि?

यह पाण्डुलिपि एक सुंदर ताबूत में ममी के साथ रखी थी। रेगिस्तान की सूखी मिट्टी और बंद ताबूत ने इसे 2,000 से ज्यादा वर्षों तक बिल्कुल सुरक्षित रखा। यह खोज काफी लंबे समय के बाद मिली एक अनमोल धरोहर है।

अब कहां रखी गई यह पाण्डुलिपि?

बहुत महीनों की सफाई और संरक्षण के बाद इसे काहिरा के मिस्र संग्रहालय में रखा गया है। अब दुनिया भर से लोग इसकी झलक देखने आते हैं और प्राचीन मिस्र की आस्था और संस्कृति को समझने की कोशिश करते हैं।

कृति पुरस्कार के लिए 31 दिसंबर 2025 तक प्रविष्टि आमंत्रित

इंदौर। भोपाल ।हिंदी लेखिका संघ मध्य प्रदेश भोपाल प्रतिवर्ष हिंदी साहित्य की विभिन्न विधाओं पर कृति पुरस्कार प्रदान करता है। इसी क्रम में वर्ष 2024-25 के अखिल भारतीय कृति पुरस्कारों हेतु महिला साहित्यकारों से प्रविष्टियाँ आमंत्रित की गई हैं। इच्छुक लेखिकाएं उपन्यास, कहानी, गीत ,नवगीत, कविता ग़ज़ल लघुकथा, बाल कविता, बाल कहानी, हास्य एवं व्यंग, नाटक, आलेख आध्यात्मिक साहित्य, निबंध, यात्रा वृतांत, समीक्षा, अनूदित साहित्य, अहिंदी भाषा भाषी लेखिकाओं की हिंदी में रचनाएं आदि विधाओं में अपनी पुस्तकें भेज सकती हैं। 200 रूपये प्रविष्टि शुल्क के साथ अपनी पुस्तक की दो प्रतियाँ 31 दिसंबर 2025 तक ₹ डॉ साधना गंगराड़े ,प्रांताध्यक्ष ,हिन्दी लेखिका संघ, कृषक जगत परिसर, 14 प्रेस कॉम्प्लेक्स एमपी नगर जोन-1, पिन-462011 पर रजिस्टर्ड डाक या स्पीड पोस्ट से प्रेषित की जा सकती है। कृति पुरस्कार वर्ष 2026 में लेखिका संघ के वार्षिक उत्सव में प्रदान किए जाएंगे। यदि किसी कारणवश चयनित लेखिका कार्यक्रम में उपस्थित नहीं हो पाती हैं, तो पुरस्कार बाद में डाक द्वारा प्रेषित कर दिए जाएंगे। निर्णायक मंडल का निर्णय अंतिम एवं बाध्यकारी होगा। निर्णायक मंडल का निर्णय अंतिम होगा। पुस्तक प्रकाशन वर्ष 2024 - 25 में ही होनी चाहिए ।आयु सीमा नहीं है। अधिक जानकारी व्हाट्सएप नंबर 9826908864 पर ली जा सकती है।

अमेरिका बनाम भारत की ट्रेड पॉलिसी कंफर्मेशन नहीं होने से

विदेशी फंड्स की निकासी से रुपया पहली बार डॉलर के मुकाबले 90.21 पर आ गया

वाणिज्य डेस्क ▶▶ भोपाल

रुपया बुधवार को डॉलर के मुकाबले अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है। डॉलर के मुकाबले रुपया 25 पैसे गिरकर 90.21 के स्तर पर बंद हुआ। लगातार विदेशी फंड्स की निकासी ने रुपए पर दबाव बनाए हुए है। रुपया 2025 में अब तक 5.26 फीसदी कमजोर हो चुका है। 1 जनवरी को रुपया डॉलर के मुकाबले 85.70 के स्तर पर था, जो अब 90.21 रुपए के लेवल पर पहुंच गया है।

बाजार जानकारों के अनुसार रुपए में गिरावट से आयात करना महंगा होगा। रुपए में गिरावट का मतलब है कि भारत के लिए चीजों का इम्पोर्ट महंगा होना है। इसके अलावा विदेश में घूमना और पढ़ना भी महंगा हो गया है। बताया जा रहा है कि जब डॉलर के मुकाबले रुपए की वैल्यू 50 थी, तब अमेरिका में भारतीय छात्रों को 50 रुपए में 1 डॉलर मिल जाता था। अब 1 डॉलर के लिए छात्रों को 90.21 रुपए खर्च करने पड़ेंगे। इससे छात्रों के लिए फीस से लेकर रहना-खाना और अन्य चीजें महंगी हो जाएंगी बाजार पंडितों के अनुसार डॉलर की तुलना में किसी भी अन्य करेंसी की वैल्यू घटे तो उसे मुद्रा का गिरना, टूटना, कमजोर होना कहते हैं। अंग्रेजी में करेंसी डेप्रिसिएशन कहते हैं। हर देश के पास फॉरेन करेंसी रिजर्व होता है, जिससे वह इंटरनेशनल ट्रांजैक्शन करता है।

जीएसटी डेटा में कमी आने से विदेशी निवेशकों में घबराहट उत्पन्न

अमेरिका बनाम भारत की जो ट्रेड पॉलिसी है उसमें अभी कंफर्मेशन नहीं होने से डालर के मुकावले रूपया कमजोर हुआ और बुधवार के एक डालर का भारतीय मुद्रा मूल्य 90 रुपए के स्तर पर पहुंच गया है। इसके अलावा केंद्र सरकार द्वारा जीएसटी में किए गए बदलाव से जीएसटी का जो डेटा आया है उसे देखकर विदेशी निवेशकों में घबराहट उत्पन्न हुई और विदेशी निवेशक शेयर बेच कर बाहर हो रहे है।

अरविंद जैन, शेयर मार्केट विशेषज्ञ, श्री नाकोडा एंजेल ब्रोकिंग भोपाल

कोटक एसेट ने जारी किया मार्केट आउटलुक 2026

मुंबई। कोटक महिंद्रा एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड ने अपना मार्केट आउटलुक 2026 जारी किया। रिपोर्ट में आने वाले साल में भारत की आर्थिक स्थिति और उन अहम निवेश थीम पर विस्तार से जानकारी दी गई है, रिपोर्ट में शेयर बाजार, फिक्स्ड इनकम और थीमेटिक सेक्टर्स में मौजूद अवसरों की बात की गई है, साथ ही वैश्विक व घरेलू ट्रेंड को समझने पर जोर दिया गया है, कोटक महिंद्रा एएमसी के मैनेजिंग डायरेक्टर निलेश शाह ने कहा कि वित्त वर्ष 2026 में इक्विटी से मिलने वाला रिटर्न कंपनियों की कमाई में बढ़ोतरी पर निर्भर रहेगा। उम्मीद है कि भारतीय कंपनियां वित्त वर्ष 2027 में डबल डिजिट की मजबूत अर्निंग दिखाएंगी। इसी मजबूती के कारण विदेशी निवेशक भारत में निवेश बढ़ा सकते हैं, जिससे बाजार में लिक्विडिटी (तरलता) बनी रहेगी।

लगभग 55 करोड़ रु. का प्रस्तावित निवेश

पाटिल ऑटोमेशन ने की 1,09,450 वर्ग फुट के नए परिसर की स्थापना की घोषणा

एजेंसी ▶▶ पुणे

पाटिल ऑटोमेशन लिमिटेड ने लगभग 1,09,450 वर्ग फुट के नए विनिर्माण परिसर की स्थापना की घोषणा की,जो कंपनी की क्षमता विस्तार रणनीति में एक बड़ी उपलब्धि है। यह अत्याधुनिक परिसर लगभग 55 करोड़ के प्रस्तावित निवेश से विकसित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य पीएएल की उन्नत ऑटोमेशन उत्पादन क्षमता को मजबूत करना है, जिसमें रोबोटिक वेल्डिंग लाइनें, असेंबली प्लेटफॉर्म, विशेष प्रयोजन मशीनें और इंडस्ट्री 4.0-समर्थित ऑटोमेशन सेल्स शामिल हैं। इस विस्तार से पाटिल ऑटोमेशन की वार्षिक स्थापित क्षमता 2,304 यूनिट से बढ़कर 3,454 यूनिट हो जाएगी,जो ऑटोमोटिव, ईवी, रेलवे, रक्षा, नवीकरणीय ऊर्जा और हेवी इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों से मिल रही तेजी से बढ़ती मांग को पूरा करेगी। वैश्विक ओईएम के लिए बड़े टर्न की ऑटोमेशन प्रोजेक्ट्स को संभालने की क्षमता बढ़ाना शामिल है।

फोनपे के इंडस एप स्टोर और मोटोरोला ने की साझेदारी

एजेंसी ▶▶ मुंबई

इंडस एपस्टोर ने मोटोरोला के साथ साझेदारी की घोषणा की है। इस साझेदारी के बाद भारत में मोटोरोला के डिवाइसेस पर इंडस एपस्टोर उपलब्ध होगा। इससे इंडस एपस्टोर पहले से ज्यादा डिवाइसेस पर उपलब्ध हो पाएगा और भारत में मोटोरोला के यूजर्स को पर्सनलाइज्ड एप डिस्कवरी अनुभव मिल सकेगा। इंडस ऐपस्टोर, भारतीय ग्राहकों को ऐप की दुनिया में एक बेहतर विकल्प देता है। इसे विशेष रूप से यूजर्स की पसंद और देश की विविध संस्कृति को ध्यान में रखकर बनाया गया है। हर भारतीय स्मार्टफोन यूजर तक पहुँचने के लिए, यह प्लेटफॉर्म अंग्रेजी के साथ-साथ अन्य 12 भाषाओं में अपनी सुविधाएँ उपलब्ध कराता है। इसमें एआई-पावर्ड वॉयस सर्च भी है, जिससे यूजर को क्षेत्रीय भाषा के कठिन शब्द टाइप नहीं करने पड़ते। इसके साथ ही, वीडियो प्रीव्यू की सुविधा यूजर्स को किसी ऐप को डाउनलोड करने से पहले उसके फंक्शन को विजुअली एक्सपीरियंस करने का मौका देती है।

भोपाल में सोना 132600 रु. का 10 ग्राम तो चांदी 183600 रु. किलो

चांदी ऑल टाइम हाई पर, सोना भी हुआ महंगा

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

चांदी के भाव ने फिर नया रिकॉर्ड बना लिया। सोने के भाव में भी तेजी रही है। घरेलू बाजार में बुधवार को सोने का वायदा भाव 1,30,800 रुपए , जबकि चांदी के भाव 1,84,300 रुपए के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है लेकिन शाम ढलते ही भाव में हल्की गिरावट दर्ज हुई।

जिसके चलते राजधानी भोपाल सराफा बाजार में सोना प्रति दस ग्राम 132600 रुपए और चांदी 183600 रुपए किलो के स्तर पर पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने चांदी के वायदा भाव तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। बाजार जानकारों के अनुसार सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने का बेंचमार्क फरबरी कॉन्ट्रैक्ट 791 रुपए की तेजी के साथ 1,30,550 रुपए के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 1,29,759 रुपए था। यह कॉन्ट्रैक्ट 1,030 रुपए की तेजी के साथ 1,30,789 रुपए के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 1,30,955 रुपए के भाव पर दिन का उच्च और 1,30,550 रुपए के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। सोने के वायदा भाव ने इस साल 1,31,699 रुपए के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। वहीं चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रैक्ट 2,198 रुपए की तेजी के साथ 1,83,799 रुपए पर खुला। यह कॉन्ट्रैक्ट 2,704 रुपये की तेजी के साथ 1,84,305 रुपए के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 1,84,727 रुपए के भाव पर दिन का उच्च और 1,83,000 रुपए के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया।

आवश्यकता

आवश्यकता है - प्लांट में निर्माण कार्य हेतु दैनिक वेतन पर मिस्त्री 100 पद, कुली 200 पद बढ़ई 200 पद, लोहार 200 पद की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 7000087500, 8602002511, 8234976143 (39274)(रायपुर /04/ दिस./25)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081
9083218330

राशिफल

मेष – कार्यक्षेत्र में परिश्रम की अधिकता रहेगी। आय में व्यवधान आ सकते हैं, खर्चों में वृद्धि होगी। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं।

वृष – कार्यों के प्रति उत्साह रहेगा, परंतु बातचीत में संतुलित रहें। मन अशांत रहेगा, धर्म-कर्म के प्रति रूझान बढ़ेगा। खर्चों में वृद्धि होगी,स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

मिथुन – अपनी भावनाओं को वश में रखें, आत्मविश्वास में कमी आएगी। क्रोध के अतिरेक से बचें, पारिवारिक जिम्मेदारी बढ़ सकती है।

कर्क – आत्मविश्वास में कमी आएगी, शांत रहें। सुस्वाद खान-पान में रुचि बढ़ेगी,संचित धन में कमी आएगी, लेखनादि, बौद्धिक कार्यों से धर्नाजन हो सकता है।

सिंह – पठन-पाठन में रुचि रहेगी, पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे, संपति का विस्तार हो सकता है।

कन्या – नौकरी में परिवर्तन के साथ दूसरे स्थान पर भी जाना पड़ सकता है। आयात-निर्यात कारोबार में लाभ के अवसर प्राप्त होंगे।

तुला – आलस्य की अधिकता रहेगी, घर-परिवार की सुख सुविधाओं का विस्तार होगा। जीवन साथी से मनमुटाव हो सकता है। परिश्रम की अधिकता रहेगी।

वृश्चिक – वाणी में कठोरता के भाव रहेंगे,वस्त्रों आदि के प्रति रूझान बढ़ेगा। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। संचित धन में वृद्धि होने के योग बन रहे हैं।

धनु – रहन-सहन में असहज रहेंगे, मीठे खान-पान की ओर रूझान बढ़ेगा। संपत्ति से आय में बढ़ोत्तरी हो सकती है, नौकरी में स्थान परिवर्तन संभव है।

मकर – आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे, अध्ययन में रूचि रहेगी। संपत्ति के रखरखाव पर खर्च बढ़ सकते हैं। चिकित्सा कार्यों में खर्च बढ़ सकते हैं।

कुंभ – परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जाना हो सकता है। खान-पान के प्रति सचेत रहें, स्वास्थ्य में गड़बड़ी हो सकती है।

मीन – रहन-सहन कष्टकारी हो सकता है, अफसरों का सहयोग मिलेगा। परिवार का भी सहयोग मिलेगा, वस्त्रों आदि पर खर्चों में वृद्धि हो सकती है।

शब्द पहेली - 6067

बाएँ से दाए

1. मूर्ख, बुद्धिहीन-4
3. रुई की फसल-3
5. वंश, खानदान-2
6. आह, पीड़ा भरी ध्वनि-3
7. जी, इच्छा, चित्त-2
9. पहनना-3
11. दास, नौकर, सेवक-5
14. अग्नि, आग-3
16. चयनित, स्वीकृत-4
17. जाति, संप्रदाय-2
18. उस समय-2
19. आदत, व्यवहार-4
23. माला का मोती-3
24. लालन-पालन-5
27. पूर्णिमा-3
28. वश, अधीन-2
30. खबर देने वाला-3
31. खदान, माइन-2
32. आश्रय, पनाह-3
33. संपत्ति-4

ऊपर से नीचे

1. घोड़े के पांव में लगने वाला लोहे का टुकड़ा-2
2. धारा के बीच में, अधर में-2,2
3. आफत, आपदा-3
4. एक समान-2
5. गृहपति, चांसलर-4
6. दाना-2
8. प्रतिकृति, प्रतिरूप-3
10. रोकर धनराशि-3
12. प्रेम, आसक्ति-3
13. नीर, जल-2
15. भाग्य, तकदीर-3
17. जंबुल, जांब-3
18. टेंशन, परेशानी-3
20. काया, बदन-2
21. उष्णता-3
22. नाश होने योग्य-4
23. साम्राज्ञी, रानी-3
25. रमण करने योग्य-4
26. अदा, चोंचला-3
27. पूड़ी, गोलगप्पा-2
29. पिता की बहन-2
31. उर्वरक, गाय के गोबर से बना पदार्थ जो खेत में डाला जाता है-2

शब्द पहेली- 6066 का हल

सूडोकु नवताल- 6077

सरल

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

MANGAL SENMOHA BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 6076 का हल

8	2	4	3	9	7	5	1	6
3	5	6	1	4	2	7	8	9
1	9	7	6	5	8	2	3	4
9	6	2	5	8	3	1	4	7
5	3	1	4	7	9	8	6	2
4	7	8	2	1	6	9	5	3
2	8	3	9	6	1	4	7	5
6	1	5	7	2	4	3	9	8
7	4	9	8	3	5	6	2	1

डॉक्टर्स सजेशन

डॉ. आर. पी. सिंह सीनियर फिजिशियन, एनसीआर

खाते-पीते समय जब महसूस हो गले में दर्द

मेरी उम्र 32 वर्ष है पिछले कुछ दिनों से कुछ भी खाते-पीते समय मेरे गले में दर्द होता है। कृपया बताएं कि ऐसा क्यों हो रहा है और मेरी यह प्रॉब्लम कैसे ठीक होगी?

-राजन, रायपुर

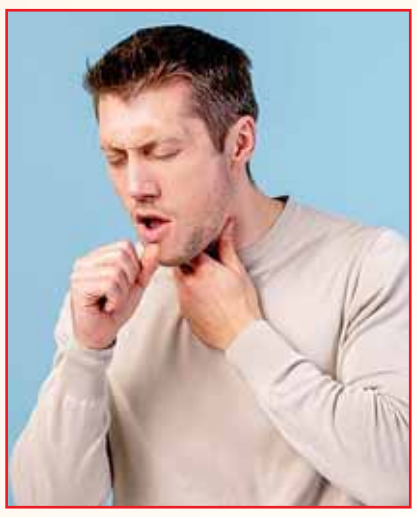

इस समय गले में दर्द जैसी समस्या का एक बड़ा कारण मौसम चेंज होना है। इसके साथ ही कई शहरों में प्रदूषण भी इसकी बड़ी वजह बन गई है। इसके लिए सबसे पहले आप सुबह और शाम को गर्म पानी में नमक डालकर गरारा करें। इसके साथ ही इस बात का भी ध्यान रखें कि फ्रिज में रखी कोई भी ठंडी चीज बिल्कुल ना खाएं। वहीं प्रदूषण से बचने के लिए जब आप घर के बाहर निकलें तो मास्क लगाकर निकलें। इस तरह थोड़ा चेंज करने से आपको लाभ मिलेगा।

मेरी उम्र 27 वर्ष है। कुछ दिन पहले मेरे नाक से अचानक खून रिसने लगा था। पिछले एक महीने में ऐसा दो बार हो चुका है। कृपया बताएं कि ऐसा क्यों हुआ, यह कोई चिंता की बात तो नहीं?

-अंकुर, बिलासपुर

इस तरह की परेशानी आमतौर पर गर्मियों में लोगों को देखी जाती है लेकिन इस मौसम में भी ऐसा हो रहा है तो एक बार डॉक्टर से संपर्क करना पड़ेगा। कई बार इसकी वजह ब्लड प्रेशर का अधिक होना भी पाया गया है। आप एक बार ईएनटी विशेषज्ञ से संपर्क करें। वह जांच कर इसका सही कारण पता लगाएंगे और ट्रीटमेंट करेंगे।

मेरी उम्र 46 वर्ष है। पिछले कुछ हफ्तों से मुझे खांसी आ रही है। ज्यादा खांसी की वजह से कभी-कभी सांस लेने में भी दिक्कत होती है। प्लीज इस प्रॉब्लम का सॉल्यूशन बताएं।

-रवि, दुर्ग

लंबे समय से खांसी कई बार चेस्ट में इंफेक्शन की वजह से भी हो जाती है। लेकिन यह बगैर डॉक्टर के चेक करवाए नहीं बताया जा सकता है। आप आस-पास किसी डॉक्टर से एक बार चेस्ट की जांच करा लें। अगर इंफेक्शन होगा तो उसकी दवा चलेगी। इसके बाद भी अगर आराम ना मिले तो एक बार टीबी की जांच भी करानी चाहिए। लोगों में कई बार यह भी खांसी की वजह होती है। फिलहाल आप गुनगुना पानी पिएं और सुबह शाम नमक वाले पानी से गरारा जरूर करें।

मेरी उम्र 39 वर्ष है। मेरे पैर अकसर ही सुन्न हो जाते हैं। इसमें कोई संसेशन नहीं होता। कई बार इस वजह से चलने-फिरने में लड़खड़ाहट होती है। कृपया बताएं कि ऐसा क्यों होता है?

-सुमित, भोपाल

हालांकि आपकी उम्र अभी कम है, लेकिन फिर भी आप एक बार न्यूरोलॉजिस्ट से संपर्क करें। क्योंकि आपकी समस्या सुनकर ऐसा लग रहा है कि आपको न्यूरो से संबंधित कुछ प्रॉब्लम हो सकती है। हालांकि कई बार नर्वस सिस्टम भी इसकी वजह बनता है लेकिन बगैर जांच किए कोई भी ट्रीटमेंट शुरू नहीं किया सकता है।

मेरी उम्र 61 वर्ष है। पिछले कुछ समय से मैं नींद की गोलियां ले रहा हूं। इससे रात को नींद तो अच्छी आती है, लेकिन पूरे दिन सुस्ती बनी रहती है। कृपया बताएं कि ऐसे में मुझे क्या करना चाहिए?

-मधुसूदन, महेंद्रगढ़

नींद की गोलियां कहीं ना कहीं साइड इफेक्ट जरूर करती हैं, इसलिए कोशिश करें कि नींद की गोलियां न खाई जाएं तो बेहतर है। आपको योग और मेडिटेशन करना चाहिए। रात में सोने से पहले हल्का गर्म दूध पीना चाहिए और पैर धोकर बेड पर जाना चाहिए। इस तरह कुछ बदलाव कर देखें। आपको आराम मिल सकता है। *

प्रस्तुतिः रिचा पांडे

पाठक अपनी हेल्थ प्रॉब्लम्स से संबंधित सवाल
sehatharibhoomi@gmail.com **पर ई-मेल कर सकते हैं।**

डॉक्टर्स एडवाइस

डॉ. अतीक वासदेव
वाइस चेयरमैन-ऑर्थोपेडिक्स
मेदांता दि मेडिसिटी, गुरुग्राम

सर्दियों में अन्य ऋतुओं की तुलना में जोड़ों की समस्याएं कहीं ज्यादा बढ़ जाती हैं। आमतौर पर जोड़ों में दर्द का प्रमुख कारण अर्थराइट्सि (गठिया) होता है। जोड़ों में सूजन और दर्द को अर्थराइटिस कहते हैं। इस दर्द के बढ़ने की क्या वजहें हैं, इनसे कैसे बचाव हो सकता है और इनसे राहत के लिए क्या करना चाहिए, विस्तार से यहां बता रहे हैं।

सर्दियों में ज्वॉइंट्स प्रॉब्लम बरतें सावधानी-मिलेगी राहत

बढ़ती उम्र के लोगों में जोड़ों के दर्द की समस्या जाड़े में बढ़ जाती है। जो लोग पहले से ही अर्थराइटिस या जोड़ों से संबंधित समस्याओं से ग्रस्त हैं, उनमें सर्दी के मौसम में जोड़ों से संबंधित समस्याएं इसलिए बढ़ जाती हैं क्योंकि तापमान के कम होते जाने से जोड़ों के अंदर मौजूद साइनोवियल फ्लूड गाढ़ा होने लगता है। इस कारण जोड़ों में जकड़न महसूस होती है, जिसके परिणामस्वरूप चलने-फिरने में दिक्कत महसूस होती है, खासकर सुबह के वक्त।

सर्दियों में तापमान के कम होने के कारण जोड़ों की धमनियां (आर्टरीज) सिकुड़ जाती हैं। धमनियों के सिकुड़ने से जोड़ों में रक्त संचार की प्रक्रिया समुचित रूप से संचालित नहीं होती। इसके परिणामस्वरूप जोड़ों में जकड़न या अकड़न और दर्द होने लगता है। ठंडे तापमान में मांसपेशियों में ऐंठन अधिक होती है, जिससे जोड़ों में सूजन, दर्द और अकड़न बढ़ जाती है।

इनको होता है ज्यादा रिस्कः जो लोग पहले से ही अर्थराइटिस के किसी प्रकार से ग्रस्त हैं, उनकी समस्याएं कहीं ज्यादा बढ़ जाती हैं। वैसे तो अर्थराइटिस के बहुत प्रकार हैं, लेकिन जो लोग ऑस्टियोअर्थराइटिस (ओए), रूमेटॉइड अर्थराइटिस (आरए), गाउटी अर्थराइटिस, ट्रामेटिक अर्थराइटिस और स्पाइनल अर्थराइटिस से पीड़ित हैं, उनकी समस्याएं आमतौर पर सर्दियों के दौरान बढ़ सकती हैं। इसी तरह जो किशोर और बच्चे क्रमशः जुवेनाइल अर्थराइटिस और रूमेटिक अर्थराइटिस से ग्रस्त रह चुके हैं, उनकी परेशानी भी सर्दियों के मौसम में बढ़ सकती हैं।

वहीं जो लोग अतीत में किसी दुर्घटना का शिकार हो चुके हैं, जिसके कारण उनकी हड्डियां और लिगामेंट आदि क्षतिग्रस्त हो चुके थे। ऐसे लोगों को ठीक हो जाने के बाद भी जाड़े के मौसम में जोड़ों में दर्द की समस्या उत्पन्न हो सकती है।

ऑस्टियो अर्थराइटिस पेशेंट सावधानी बरतेंः ऑस्टियो अर्थराइटिस (गठिया) का दुष्प्रभाव आमतौर पर प्रमुख जोड़ घुटनों पर पड़ता है। घुटने पर ही शरीर के भार का दबाव सर्वाधिक पड़ता है। देश में सबसे ज्यादा लोग नी ऑस्टियो अर्थराइटिस (घुटने की गठिया) से ग्रस्त हैं। जोड़ों के मध्य स्थित कार्टिलेज (जो जोड़ों के मध्य कुशन का काम करती है) बढ़ती उम्र खासकर 50 वर्ष के बाद गलत जीवनशैली के कारण घिसने लगती हैं। इस कारण जोड़ आपस में रगड़ते हैं और कालांतर में धीरे-धीरे क्षीण होते रहते हैं। एक ऐसी स्थिति आती है, जब पीड़ित व्यक्ति को चलने-फिरने और सीढ़ियां चढ़ने-उतरने में दिक्कत महसूस होती है। लोग अपने सामान्य दिनचर्या के कार्यों को नहीं कर पाते।

ऐसे करें रोकथामः ऑस्टियोअर्थराइटिस से पीड़ित व्यक्ति सर्दी की शुरुआत में ही अस्थि रोग विशेषज्ञ से परामर्श लें और उनके परामर्श के अनुसार ही दवाएं, फिजियोथेरेपी और अन्य व्यायाम करें। खान-पान में कैल्शियम युक्त आहार को वरीयता दें। अगर मरीज को असहनीय दर्द हो रहा है, तो विशेषज्ञ डॉक्टर, पीड़ित व्यक्ति को अस्थाई राहत देने के लिए इंट्रा आर्टिकुलर इंजेक्शन रिफर कर सकते हैं।

रूमेटाइड अर्थराइटिस पेशेंट रहें सजगः यह अर्थराइटिस का एक विशेष प्रकार है, जिसके कारणों पर मेडिकल शोध अभी तक जारी हैं। रूमेटाइड (आरए) का उम्र बढ़ने या कार्टिलेज के क्षीण होने या फिर खान-पान से कोई लेना-देना नहीं है। इसमें शरीर का इम्यून सिस्टम अपने ही शरीर के खिलाफ लड़ाई छेड़ देता है और इस लड़ाई का पहला हमला जोड़ की झिल्ली (सायनोवियम) पर पड़ता है।

मिल सकती है राहतः समय रहते रूमेटाइड अर्थराइटिस का समुचित इलाज न होने पर आगे चलकर प्रभावित हड्डी क्षीण होने लगते हैं, लेकिन फिजियोथेरेपी, योग और व्यायाम करने से पीड़ित व्यक्ति को अस्थाई राहत मिलती है। रूमेटाइड अर्थराइटिस का कोई स्थाई इलाज है। इसके साथ ही शरीर के इम्यून सिस्टम में आई गड़बड़ी को दूर करने या नियंत्रित करने के लिए जो दवाएं दी जाती हैं, उन्हें इम्यूनोमॉड्यूलेटर्स कहते हैं। रूमेटाइड अर्थराइटिस शरीर के अन्य जोड़ों को भी प्रभावित करता है, लेकिन इसकी शुरुआत हाथों की उंगलियों में सूजन से होती है, सूजन के साथ मरीज को तेज दर्द होता है। इसलिए सर्दियों में रूमेटाइड अर्थराइटिस वाले डॉक्टर से परामर्श लेते रहें।

डॉक्टर के परामर्श से ही दवाएं लें। जोड़ों का दर्द कम करने के लिए इंट्रा आर्टिकुलर इंजेक्शन के अलावा कभी-कभी डॉक्टर स्टेरॉयड के इंजेक्शन भी पीड़ित मरीज को रिफर कर सकते हैं। ऐसे इंजेक्शंस के अपने लाभ भी हैं और इनके साइड और आफ्टर इफेक्ट भी। इसलिए स्टेरॉइड दवाओं को योग्य चिकित्सक की देख-रेख में ही लेना चाहिए, क्योंकि ऐसी दवाओं को लंबे समय तक लेने से फायदा कम नुकसान ज्यादा हो सकता है।

कंधों का पोस्चर सही रखेंः कंधे भी आपके शरीर के प्रमुख जोड़ हैं। सर्दियों में इनमें भी दर्द और जकड़न की समस्या उत्पन्न हो सकती है। इस संदर्भ में इन बातों पर ध्यान दें।

- चलते समय कंधों को झुकाकर न चलें और न ही इन्हें उठाकर चलें।
- कंधे से संबंधित व्यायाम करें।
- झटके से वेट न उठाएं।
- बिना वार्म अप के किसी भी खेल की प्रैक्टिस न करें।
- उपरोक्त बातों पर ध्यान देने पर आप कंधों में दर्द की समस्या से बचे रहेंगे।

ज्वाइंट्स पेन से ऐसे मिलेगी राहतः विशेषज्ञ से परामर्श, जोड़ों में दर्द, सूजन, अकड़न और मांसपेशियों में कमजोरी जैसे लक्षणों के मद्देनजर अस्थि रोग विशेषज्ञ से परामर्श लें। ऑस्टियोअर्थराइटिस के जिन मरीजों को दवाओं, खान-पान और व्यायाम आदि से राहत नहीं मिल पा रही है, तो ऐसे व्यक्तियों को ऑर्थोपेडिक स्पेशलिस्ट परामर्श दे सकते हैं।

वजन संतुलित रखेंः सर्दियों में आमतौर पर लोगों को ज्यादा भूख महसूस होती है और लोग अपना पसंदीदा खाना कुछ ज्यादा खाते हैं। जाड़े के कारण उनकी आउटडोर शारीरिक गतिविधियां कम हो जाती हैं। ऐसी स्थिति में वजन सर्दियों में बढ़ जाता है। अधिक वजन घुटनों और कूल्हों जैसे जोड़ों पर अतिरिक्त दबाव डालता है, जिसके परिणामस्वरूप जोड़ों में दर्द की समस्या का जोखिम बढ़ जाता है। इसलिए सही वजन बनाए रखने के लिए अपने आहार पर विशेष ध्यान दें और जोड़ों के अनुकूल व्यायाम करें।

हाइड्रेट रहेंः जो लोग ज्यादा शारीरिक श्रम नहीं करते हैं और किडनी रोग से ग्रस्त नहीं हैं, उन्हें कम से कम प्रतिदिन दो-तीन लीटर पानी पीना चाहिए। पर्याप्त पानी पीने से आमतौर पर जोड़ों में दर्द की समस्या कम होती है। कुनकुने पानी से नहाने से भी आपको जोड़ों के दर्द में राहत मिल सकती है।

विटामिन-डी सप्लीमेंटः शरीर में विटामिन-डी की कमी से जोड़ों में दर्द की समस्या बढ़ सकती है। ऑस्टियोपोरोसिस (हल्का-सा आघात लगने पर हड्डियों का टूटना) का खतरा भी बढ़ जाता है। विटामिन-डी सप्लीमेंट लेने के लिए अपने डॉक्टर से परामर्श लें।

ओमेगा-3 फैटी एसिड का सेवनः ओमेगा-3 फैटी एसिड्स सर्दियों के दिनों में होने वाली जोड़ों की सूजन, अकड़न और दर्द को कम करने में लाभप्रद हैं। अपने आहार में एवोकाडो, अलसी, अखरोट या फिश को शामिल करें।

सुबह की धूपः विटमिन-डी का एक अच्छा प्राकृतिक स्रोत है धूप। यह हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ाती है। धूप में बैठने से जोड़ों के दर्द और सूजन में राहत मिलती है।

कंप्यूटर पर कार्य करने वाले ध्यान देंः लगातार कई घंटों तक एक ही कुर्सी और कंप्यूटर के आगे बैठे-बैठे आपके जोड़ अकड़ जाते हैं, इसलिए ऑफिस में लगभग डेढ़ घंटे में सीट छोड़कर पांच मिनट के लिए घूमे-फिरें, शरीर को स्ट्रेच करें।

राहत दे सकते हैं ये तरीकेः प्रभावित जोड़ों पर गर्म और ठंडे पानी की पट्टियों के इस्तेमाल से जोड़ों के दर्द में राहत मिलती है। गर्म पानी की बोतल का इस्तेमाल किया जा सकता है। वहीं एक कपड़े में लपेटकर बर्फ के टुकड़ों (आइस क्यूब्स) को दर्द से प्रभावित स्थान पर इस्तेमाल कर सकते हैं। *

प्रस्तुतिः विवेक शुक्ला

हर्बल जोन / रेखा देशराज

मौसमी रोगों से बचाए अदरक-तुलसी

अदरक और तुलसी यूं तो हर मौसम में शरीर के लिए अलग-अलग वजहों से फायदेमंद हैं। लेकिन सर्दियों की समस्याओं के लिए ये बहुत ही कारगर साबित होते हैं। सर्दियों की सबसे आम और परेशान करने वाली समस्याओं से छुटकारा दिलाने में इनका कोई सानी नहीं है। सर्दी के मौसम में शरीर की आंतरिक गर्मी घट जाती है। खून का प्रवाह धीमा पड़ जाता है और शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कमजोर पड़ जाती है। इसलिए आयुर्वेद में सर्दियों का मुकाबला करने के लिए इनको सर्वोत्तम माना गया है। ये शरीर को बाहर से आने वाली ठंड और भीतर से पैदा होने वाली अशक्तता से हमें बचाते हैं।

नेचुरल हीटर अदरकः जब ठंडी हवा से शरीर का तापमान गिरने लगता है, तब अदरक का इस्तेमाल करने से तापमान गिरने से रुक जाता है। सर्दियों में अदरक के इस्तेमाल से, नाक जाम होने से, गला खराब होने से और बलगम बनने से रोकता है, ब्लड सर्कुलेशन बढ़ने से हाथ-पैर गर्म रहते हैं। यही नहीं अदरक इस मौसम में हमारे पाचन को भी सुधारता है और शरीर में एहसास होने वाले भारीपन को खत्म करता है। सवाल है, इसे कैसे ले सकते हैं? सुबह के समय अदरक वाली काली चाय या काढ़ा विशेष रूप से कारगर है। अगर यह नहीं लेते तो शहद के साथ अदरक का एक छोटा टुकड़ा मुंह में चूसने से भी शरीर को भरपूर गर्मी मिलती है। अदरक इस मौसम में हमारे रक्त संचार को तेज करता है और शरीर को गर्म रखता है। अदरक पाचन के लिए इस मौसम की सबसे कारगर दवा है।

रोगरोधी पौधा-तुलसीः आयुर्वेद में तुलसी को सर्दी के मौसम का सबसे शक्तिशाली रोगरोधी कवच माना जाता है। यह एंटीवायरल और एंटीबैक्टीरियल गुणों से भरपूर होती है। इसलिए इस मौसम में होने वाली खांसी और गले की सूजन को रोकती है। सांस की नली साफ रखती है और ठंड में फैलने वाले वायरस की रोकथाम करती है। इस तरह देखा जाए तो तुलसी सर्दियों में नाक, कान, गला तीनों की सुरक्षा करती है। जहां तक सवाल है कि इसे कैसे लें, तो इसका सबसे अच्छा तरीका तुलसी की सात से दस पत्तियां सुबह-सुबह चाय या काढ़े के साथ लें या चार पत्तियां उबालकर भाप भी ली जा सकती है। अदरक और तुलसी मिलकर सर्दी, जुकाम के वायरस को बढ़ने नहीं देते हैं। दोनों का एक साथ सेवन बहुत कारगर है। तुलसी गले को नेचुरल एंटीसेप्टिक की तरह साफ करती है और अदरक गर्माहट देकर गले की सूजन और दर्द कम करती है। इसलिए सर्दियों में ठंडी हवाओं के असर से वो लोग बचे रहते हैं, जो इस मौसम में इन दोनों का इस्तेमाल करते हैं। *

डाइट सजेशन

डॉ. माजिद अलीम

जरूरी नहीं कि हर हेल्दी फूड आपको फायदा ही पहुंचाए। अगर उसे आप सही तरीके से नहीं लेते तो फायदेमंद खाद्य पदार्थ भी कोई लाभ नहीं पहुंचाएगा या हो सकता है आपको नुकसान पहुचा दे। इसलिए यह जानना जरूरी है कि किसी फूड आइटम को कैसे ग्रहण करना चाहिए?

हेल्दी फूड्स लेने का तरीका भी हो सही

हमारे खान-पान में बहुत सारी ऐसी चीजें होती हैं, जिनके फायदेमंद होने में कोई शक नहीं होता, लेकिन अगर उन्हें सही तरीके से न लिया जाए तो उनके फायदों से ज्यादा नुकसान भी हो सकते हैं। आइए कुछ ऐसी ही बातें जानते हैं।

इन बातों को रखें ध्यानः ड्राय फ्रूट्स खाना बढ़िया होता है, इससे खूब फाइबर मिलता है। पर क्या आप जानते हैं, फल जो सुखा दिए जाते हैं, उनके भीतर अपने ताजे स्वरूप से तीन गुना से भी ज्यादा कैलोरी होती है। शुगर की मात्रा भी बढ़ जाती है।

मूंगफली छीलकर खाना लाभकारी है पर डिब्बा या पैकेट में नमक लगाकर तली मूंगफली खाना नुकसानदेह है। केले में फाइबर, पोटैशियम, विटामिन-सी और थोड़ा-सा फैट तथा थोड़ी कैलोरी मिलती है, पर इसके मुकाबले में इसके चिप्स में तीन गुना कैलोरी और 20 प्रतिशत अधिक फैट होता है। इसलिए सोच-समझकर सेवन करें।

फलों का जूसः फ्रूट जूस पीना बढ़िया है पर यह तब नुकसानदायक हो जाता है, जब यह ताजा न हो। इसमें बैक्टीरिया पनपने लगते हैं। बहुत से लोग फल खाने से ज्यादा जूस पीने को तरजीह देते हैं, जबकि सच्चाई यह है कि जूस के जरिए एक साथ आप खूब सारी शुगर ले रहे होते हैं और फल से मिलने वाले लाभदायक फाइबर से भी वंचित रह जाते हैं। ताजा जूस पी सकते हैं लेकिन फल खाने को तरजीह देनी चाहिए। हालांकि इसमें भी सावधानी की दरकार है। जो भी फल खाएं, खूब अच्छी तरह धोकर ही खाएं।

अंडेः हेल्थ बनाने के लिए ही नहीं मोटापा कम करने के लिए भी अंडे बहुत बढ़िया हैं, पर तभी जब ये देसी वाले हों। कहने का मतलब ऑर्गेनिक हों यानी बिना कृत्रिम खाद्य पदार्थों, शाकाहारी शुद्ध दानों पर पले मुर्गे-मुर्गियों के अंडे हों। जब ऑमलेट खाएं तो साथ में उबली सब्जियां भी लें, यह और फायदेमंद रहेगा।

मल्टीग्रेन ब्रेडः ब्राउन ब्रेड के अलावा आजकल बाजार में मल्टीग्रेन और होल ग्रेन ब्रेड की डिमांड है। बताया जाता है कि मल्टीग्रेन में कई तरह के अनाजों का आटा मिला हुआ होता है और यह होल ग्रेन यानी समूचे गेहूं के आटे से बना ब्रेड फाइबर से भरा तथा सेहत के लिए लाभकारी होता है। जबकि अधिकतर अनाज का रिफाइंड आटा ही इसमें होता है। इसके खाने से शुगर बढ़ सकती है। इस तरह यह मोटापे और डायबिटीज का रिस्क बढ़ा सकती है।

सोयाबीनः सोयाबीन प्रोटीन का खजाना है लेकिन कुछ पोषक तत्वों के अवशोषण में रुकावट भी पैदा करता है। सोयाबीन में फायटिक एसिड पाया जाता है, जो कैल्शियम, मैग्नीशियम, कॉपर, जिंक, लौह तत्वों को शरीर में सोखने से रोकता है। इसमें टिंप्सिन भी मिलता है, जो प्रोटीन के पाचन में दिक्कत करता है और अग्नाशय के कार्य में रुकावट डालता है। इससे बना टोफू हो या बड़ियां सीमित मात्रा में खाइए। आजकल फ्लेवर्ड सोया मिल्क पीने का फैशन है। हालांकि यह बुरा नहीं है पर जैसे ही वनीला या चॉकलेट फ्लेवर इसमें मिलाया जाता है, इसके हर कप में 50-60 कैलोरी और 5 ग्राम शुगर बढ़ जाती है। इसलिए इसका सेवन सीमित मात्रा में ही करें। *

अवेयरनेस

रेखा

एपिलेप्सी या मिर्गी मस्तिष्क संबंधी रोग है। यह घातक तो नहीं होता लेकिन इस वजह से रोगी को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इसके कारण, इससे बचाव करने, इसे कंट्रोल करने के तरीकों के बारे में सभी को जागरूक होना चाहिए।

एपिलेप्सी नियंत्रण के साथ जागरूकता की है जरूरत

अनुमान के मुताबिक भारत में एक करोड़ से एक करोड़ 20 लाख के आस-पास मिर्गी (एपिलेप्सी) रोगी हैं, जबकि दुनिया में कुल मिर्गी रोगियों की संख्या करीब 5 करोड़ है। इस तरह देखा जाए तो दुनिया का हर पांचवां मिर्गी रोगी भारत में है। इसलिए विश्व स्वास्थ्य संगठन और लैंसेट न्यूरोलॉजी रिपोर्ट के मुताबिक भारत मिर्गी रोगियों का सबसे बड़ा देश है। दुनिया के करीब एक करोड़ 20 लाख से एक करोड़ 50 लाख के आस-पास मिर्गी रोगी अफ्रीका महाद्वीप में रहते हैं। मिर्गी रोगियों का एक बड़ा हब संयुक्त राज्य अमेरिका भी है, जहां 30 से 40 लाख मिर्गी रोगी रहते हैं। भारत में दुनिया के सर्वाधिक मिर्गी रोगी होने की बड़ी वजह यही है कि भारत दुनिया की सबसे अधिक आबादी वाला देश है, इसलिए यहां मिर्गी रोगी भी सबसे ज्यादा हैं। दूसरी बड़ी बात यह है कि भारत के ग्रामीण इलाकों और विशेषकर गरीब आबादी के पास इसके इलाज की पहुंच नहीं है।

रोग के कारणः मिर्गी अपने आपमें कोई बीमारी नहीं है बल्कि यह मस्तिष्क की विद्युत गतिविधियों में असंतुलन की स्थिति है और ऐसा कई वजहों से होता है। जन्म के समय या बचपन में मस्तिष्क को गंभीर चोट लग जाना, जिससे कुछ देर के लिए दिमाग के कुछ हिस्से में ऑक्सीजन की कमी हो जाती है। सिर की चोट, मस्तिष्क में ट्यूमर, लकवा यानी स्ट्रोक तथा आनुवांशिक कारण भी भारत में सर्वाधिक मिर्गी रोगियों के लिए अनुकूल स्थितियां बनाते हैं। ज्यादा शराब पीने वाले या बहुत कम नींद लेने वाले लोगों को भी यह समस्या हो जाती है। इसके अलावा 10 फीसदी लोगों के संबंध में मेडिकल साइंस कभी यह नहीं जान पाती कि उन्हें मिर्गी रोग होने का क्या कारण है? इसलिए तमाम लोगों को अस्पष्ट कारणों से भी मिर्गी होती है।

रिस्क को कर सकते हैं कमः विशेषज्ञों की मानें तो मिर्गी को तो पूरी तरह से रोका नहीं जा सकता, लेकिन सजग रहकर इसके जोखिम को कम किया जा सकता है। मिर्गी रोग से बचने के जो सजग उपाय हो सकते हैं, वो इस प्रकार हैं।

जन्म के समय सुरक्षित प्रसव जरूरी है ताकि बच्चे के स्वास्थ्य की देखभाल सही तरीके से हो सके और प्रसव के दौरान उसके मस्तिष्क में ऑक्सीजन की कमी की स्थितियां न पैदा हों। सिर की चोट से बचाव करना बहुत जरूरी है। इसके अलावा मैनिनजाइटिस और जापानी इंसेफेलाइटिस के टीके लगवाना भी जरूरी होता है। पर्याप्त नींद लें, नशे से दूर रहें, तनाव से बचें, ये कुछ ऐसे उपाय हो सकते हैं, जिनसे मिर्गी की चपेट में आने से बचा जा सकता है।

ऐसे कर सकते हैं कंट्रोलः अगर आप मिर्गी से ग्रस्त हो गए तो भी कुछ उपायों को अपनाकर इसे कंट्रोल कर सकते हैं। सबसे जरूरी है कि न्यूरोलॉजिस्ट से नियमित दवा लें, दवा अचानक लेना बंद न करें, इससे दौरे बढ़ सकते हैं। संतुलित जीवनशैली अपनाएं, ध्यान, योग और परिवार का सहयोग जैसे उपाय भी मिर्गी के इलाज और स्थिति पर नियंत्रण रखने की दृष्टि से मददगार हैं। मिर्गी के कुछ गंभीर मामलों में सर्जरी या वेगस नर्व स्टिमुलेशन (वीएनएस) जैसी तकनीकें भी कारगर होती हैं।

जागरूकता की है जरूरतः वास्तव में मिर्गी मस्तिष्क संबंधी बीमारियों से एक है और चूंकि भारत में मस्तिष्क स्वास्थ्य अभी गरीब और निम्न वर्ग तथा मध्यवर्ग के लोगों के बीच इससे बचाव की सुविधाएं और समझ सीमित है। ग्रामीण इलाकों में लोग इसे भूत-प्रेत या टोना टोटका से जोड़ देते हैं। इससे इलाज में देर होती है और रोगी की दशा बिगड़ती जाती है। इस बीमारी के कारण कई लोगों को रोजगार, विवाह या शिक्षा के अवसरों से वंचित होना पड़ता है। इसलिए अवेयरनेस फैलाने की भी जरूरत है। *

विराट और ऋतुराज ने तोड़ा सचिन और कार्तिक का रिकॉर्ड

विराट और ऋतुराज के बीच ये साझेदारी भारत की तरफ से साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे में किसी भी विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी है। इससे पहले ये रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर और दिनेश कार्तिक के नाम था। इन दोनों प्लेयर्स के बीच साल 2010 में ग्वालियर में खेले गए मैच में 194 रन की पार्टनरशिप हुई थी। अब विराट और गायकवाड़ ने मिलकर उनका ये 15 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा है। आपको बता दें कि 2010 में ग्वालियर में खेले गए उस मैच में सचिन तेंदुलकर ने दोहरा शतक लगाया था।

सा.अ. के खिलाफ सबसे ज्यादा शतकीय पारियां खेलने वाले खिलाड़ी

- सचिन तेंदुलकर - 12 शतक
- विराट कोहली - 10 शतक
- रिकी पोंटिंग - 10 शतक
- डेविड वॉर्नर - 10 शतक
- केन विलियमसन - 10 शतक

भारत के लिए सबसे बड़ी साझेदारी करने वाले बल्लेबाज

- 195 - विराट कोहली और ऋतुराज गायकवाड़, रायपुर, 2025
- 194 - सचिन तेंदुलकर और दिनेश कार्तिक, ग्वालियर, 2010
- 193 - सचिन तेंदुलकर और सौरव गांगुली, जोहान्सबर्ग, 2001

गायकवाड़ का शतक, राहुल का अर्धशतक

हाई स्कोरिंग मुकाबले में मारी बाजी

अफ्रीका ने भारत के खिलाफ हासिल की ऐतिहासिक जीत

दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे वनडे में भारत को 4 विकेट से हराया। इस जीत के साथ अफ्रीका ने तीन मैचों की वनडे सीरीज में 1-1 की बराबरी कर ली है।

रायपुर।

साउथ अफ्रीका ने बुधवार को रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह स्टेडियम में दूसरे वनडे में भारत को 4 विकेट से हराकर शारदार जीत दर्ज की। दक्षिण अफ्रीका की टीम ने विदेशी सरजमीं पर सबसे बड़ा रन चेज हासिल किया है। भारत ने साउथ अफ्रीका के सामने 359 रनों का विशाल टारगेट रखा है। इसके जवाब में अफ्रीका ने 4 गेंद शेष रहते मैच अपने नाम किया। अफ्रीका ने 49.2 ओवर में 6 विके खोकर 362 रन बनाए। 359 रनों का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत खराब रही। टीम ने 26 के स्कोर पर डिकॉक (8) का विकेट गंवाया। कप्तान तेम्बा बावुमा 48 गेंद में 46 रन बनाकर आउट हुए। डेवाल्ड ब्रेविस ने 34 गेंद में 54 रन बनाए। एडन मार्करम ने 98 गेंद में 110 रन बनाए। मैथ्यू ने 64 गेंद में 68 रन का योगदान दिया। मार्को यान्सेन दो रन ही बना सके। टॉस गंवाकर बैटिंग करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत ने सधी हुई शुरुआत की। रोहित शर्मा (14) और यशस्वी जायसवाल (22) ने पहले विकेट के लिए 40 रन जोड़े। रोहित पांचवें जबकि यशस्वी 10वें ओव में आउट हुए। इसके बाद, विराट कोहली और ऋतुराज गायकाड़ ने दमदार साझेदारी की। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 195 रन जोड़े।

ऋतुराज ने जड़ा वनडे का पहला शतक

ऋतुराज गायकवाड़ ने इस मैच में 77 गेंदों में सेंचुरी पूरी की। वह भारत की तरफ से साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे में सबसे तेज शतक लगाने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं। साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे में सबसे तेज शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज युसूफ पठान हैं। युसूफ ने साल 2011 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 68 गेंदों में शतक लगाया था। उनका ये रिकॉर्ड अभी तक कोई नहीं तोड़ पाया है। ऋतुराज के लिए यह उनके वनडे करियर का पहला शतक है। उन्होंने अपने 8वें वनडे मैच में पहला शतक गायकवाड़ 52 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। अपना अर्धशतक पूरा करने के बाद वह तेज गति से रन बनाए। उन्होंने इसके बाद मैदान के चारों तरफ शॉट्स लगाए और 77 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। अपनी इस शतकीय पारी के दौरान उन्होंने 12 चौके और दो छक्के लगाए।

रोहित 14 रन में ही रच दिया इतिहास

दरअसल, रोहित शर्मा को पहले 4 ओवर में सिर्फ 3 गेंद खेलने का मौका मिला और 2 रन बनाए। हालांकि, अगले ही ओवर में रोहित ने चौकों की हैट्रिक जड़ते हुए कमाल कर दिया। रोहित ने इन चौकों की मदद से घर पर इंटरनेशनल क्रिकेट में 9 हजार रन पूरे कर लिए। इस मैच से पहले रोहित को 9 हजार रन के आंकड़ें को छूने के लिए सिर्फ 9 रनों की दरकार थी। अब रोहित घर में 9 हजार रन बनाने वाले महज चौथे भारतीय बन गए हैं। इससे पहले सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली और राहुल द्रविड़ ने यह उपलब्धि अपने नाम की थी। 5वें ओवर में नंद्रे बर्गर को लगातार तीसरा चौका जड़ते ही रोहित ने भारतीय सरजमीं पर सबसे ज्यादा इंटरनेशनल रन बनाने के मामलें में राहुल द्रविड़ को भी पछाड़ दिया। अब रोहित घर पर इंटरनेशनल क्रिकेट में तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं।

ऐसी रही भारत की पारी

रायपुर। विराट कोहली के लगातार दूसरे शतक और रुतुराज गायकवाड़ के करियर के पहले शतक से भारत ने बुधवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में पांच विकेट पर 358 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। कोहली (102 रन, 93 गेंद, सात चौके, दो छक्के) और गायकवाड़ (105 रन, 83 गेंद, 12 चौके, दो छक्के) ने शतक जड़ने के अलावा तीसरे विकेट के लिए 195 रन की साझेदारी भी की जो दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में इस विकेट की भारत की सबसे बड़ी साझेदारी है। कप्तान लोकेश राहुल ने भी अंतिम ओवरों में 43 गेंद में छह चौकों और दो छक्कों से नाबाद 66 रन की उम्दा पारी खेली। भारत को एक बार फिर टॉस गंवाने के बाद पहले बल्लेबाजी का मौका मिला।

कोहली ने की रिकी पोंटिंग और केन विलियमसन की बराबरी

विराट कोहली का साउथ अफ्रीका के खिलाफ अभी तक तीनों ही फॉर्मेट में शानदार रिकॉर्ड देखने को मिला है, जिसमें ये उनका इंटरनेशनल क्रिकेट में अफ्रीका के खिलाफ तीनों फॉर्मेट को मिलाकर अब तक का 10वां शतक है। कोहली ने इस लिस्ट में अब रिकी पोंटिंग, डेविड वॉर्नर और केन विलियमसन की बराबरी कर ली है, जिसमें तीनों ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीनों फॉर्मेट को मिलाकर 10 शतकीय पारियां खेली हैं, वहीं कोहली अब इन तीनों के बराबर पहुंच गए हैं, जिसमें वह लिस्ट में संयुक्त रूप से दूसरे नंबर पर हैं।

खबर संक्षेप

मैं वापसी नहीं कर रही हूं : सेरेना विलियम्स

न्यूयॉर्क। सेरेना विलियम्स ने इन खबरों का खंडन किया है कि वह टेनिस में वापसी की तैयारी कर रही हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि वह 'वापस नहीं कर रही हैं।' इससे पहले अंतरराष्ट्रीय टेनिस इंटीग्रिटी एजेंसी (आईटीआईए) के प्रवक्ता ने कहा कि 23 बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सेरेना ने खेल के ड्रग परीक्षण निकाय के साथ पंजीकरण कराया है। इसके बाद ही उनकी वापसी को लेकर अटकलें लगाई जाने लगी थी। संन्यास ले चुके किसी भी खिलाड़ी को वापसी करने के लिए सबसे पहले डोप परीक्षण के लिए पंजीकरण करना होता है।

डेजर्ट वाइपर्स ने दुबई कैपिटल्स को चार विकेट से हराया

दुबई। डेजर्ट वाइपर्स ने विश्व आईएलटी20 क्रिकेट टूर्नामेंट के पहले मैच में गत चैंपियन दुबई कैपिटल्स को चार विकेट से हराकर पिछले साल फाइनल में मिली हार का बदला चुकता कर दिया। दुबई कैपिटल्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए आठ विकेट पर 150 रन बनाए। उसकी तरफ से रोवमैन पावेल ने 39 और मोहम्मद नबी ने 29 रन का योगदान दिया। वाइपर्स की तरफ से नूर अहमद, डेविड पाइने और खुजैमा तनवीर ने दो-दो विकेट लिए। वाइपर्स ने एंड्रीस गौस के अर्धशतक की मदद से 19 ओवर में छह विकेट पर 151 रन बनाकर जीत हासिल की।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज खेलेंगे गिल, उपकप्तानी भी मिली

रायपुर। भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल गर्दन की चोट से उबर गए हैं और उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 श्रृंखला के लिए उप कप्तान के रूप में टीम में शामिल किया गया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड के सूत्रों ने यह जानकारी दी। गिल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता में खेले गए पहले टेस्ट मैच के दौरान चोटिल हो गए थे। इस कारण वह गुवाहाटी में खेले गए दूसरे टेस्ट और मौजूदा एकदिवसीय श्रृंखला में नहीं खेल पाए। बीसीसीआई सूत्र ने कहा, 'गिल पूरी तरह से ठीक हो गए हैं और उन्हें टीम में शामिल कर लिया गया है। वह उप कप्तान के रूप में वापसी करेंगे।' भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पांच मैच की टी20 श्रृंखला 9 दिसंबर से कटक में शुरू होगी। ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या फिट होकर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच मैचों 1की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए भारतीय टीम में शामिल हुए।

- 5 मैच की टी20 श्रृंखला 9 दिसंबर से कटक में होगी शुरू

सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टीम इंडिया खेलेंगी सीरीज

इसके लिए टीम का चयन करने के लिए बुधवार को यहां चयन समिति की बैठक हुई। सूर्यकुमार यादव भारत के नियमित टी20 कप्तान हैं। सूत्र ने उन रिपोर्टों का भी खंडन किया, जिनमें कहा गया था कि बोर्ड के अधिकारी सीनियर खिलाड़ियों विराट कोहली और रोहित शर्मा तथा मुख्य कोच गौतम गंभीर के बीच बढ़ते तनाव पर चर्चा करने के लिए बैठक करने की योजना बना रहे हैं। रोहित 38 वर्ष और कोहली 37 वर्ष के हैं और अब वे राष्ट्रीय टीम के लिए केवल एकदिवसीय प्रारुप में खेलते हैं। इसको लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं कि क्या वे 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप तक खेल पाएंगे। गंभीर और राष्ट्रीय चयन समिति के प्रमुख अजीत अगरकर ने इस संभावना पर कोई प्रतिबद्धता नहीं जताई है।

ब्रूइस के खिलाफ आक्रामक बर्ताव पर आईसीसी ने राणा को लगाई फटकार

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने तेज गेंदबाज हर्षित राणा को फटकार लगाई और रांची में पहले एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस को आउट करने के बाद उनके आक्रामक बर्ताव के लिए एक डिमेरिट अंक उनके खाते में जोड़ दिया। आईसीसी ने कहा, 'राणा को आईसीसी की आचार संहिता के लेवल एक के उल्लंघन का दोषी पाया गया।' यह घटना रविवार को दक्षिण अफ्रीका की पारी के 22वें ओवर में हुई जब भारत के तेज गेंदबाज ने ब्रेविस को आउट करने के बाद ड्रेसिंग रूम की तरफ इशारा किया, जिससे बल्लेबाज आक्रामक प्रतिक्रिया दे सकता था। राणा को खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.5 का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया, जो अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान बल्लेबाज के आउट होने पर उसका अपमान करने वाली भाषा, एक्शन या इशारे करने या आक्रामक प्रतिक्रिया देने से जुड़ा है। आईसीसी के बयान में कहा गया, 'इसके अलावा राणा के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक जोड़ा गया है और उनकी यह 24 महीने के समय में पहली गलती थी।

शाई का अर्धशतक बेकार, न्यूजीलैंड की वेस्टइंडीज पर 96 रन की बढ़त

क्राइस्टचर्च। शाई होप ने आंखों में संक्रमण के कारण धूप का चश्मा पहनकर बल्लेबाजी की, लेकिन उन्होंने गेंद को अच्छी तरह से देखा और बुधवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना पहला टेस्ट अर्धशतक लगाया लेकिन इसके बावजूद वेस्टइंडीज की टीम पहली पारी में 167 रन पर आउट हो गई। न्यूजीलैंड ने अपनी पहली पारी में 231 रन बनाए और इस तरह से उसने 64 रन की बढ़त हासिल की। न्यूजीलैंड ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी दूसरी पारी में बिना किसी नुकसान के 32 रन बनाए हैं और इस तरह से उसकी कुल बढ़त 96 रन की हो गई है। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय कप्तान टॉम लैथम 14 और डेवोन कॉनवे 15 रन पर खेल रहे थे। न्यूजीलैंड ने सुबह अपनी पहली पारी नौ विकेट पर 231 रन से आगे शुरू की लेकिन वह इसमें एक रन भी नहीं जोड़ पाया और दिन की तीसरी गेंद पर ही उसकी पारी समाप्त हो गई। इसके बाद जैकब डफी ने 34 रन देकर पांच विकेट लिए। वेस्टइंडीज का स्कोर एक समय छह विकेट पर 157 रन था लेकिन उसने अपने बाकी विकेट केवल 10 रन के अंदर गंवा दिए। यह चारों विकेट डफी ने लिए और इस तरह से अपने टेस्ट करियर में पहली बार एक पारी में पांच या इससे अधिक विकेट लेने का कारनामा किया। वेस्टइंडीज के केवल चार बल्लेबाज ही दोहरे अंक में पहुंचे। होप (56) के अलावा सलामी बल्लेबाज तेगनारायण चंद्रपाल (52) ने भी अर्धशतक लगाया। इन दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 90 रन की साझेदारी की।

गाबा में अपना विजय अभियान जारी रखने उतरेगा ऑस्ट्रेलिया

एजेंसी ▶▶ ब्रिस्बेन

पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट मैच में धमाकेदार जीत दर्ज करने के बाद उत्साह से भरी ऑस्ट्रेलिया की टीम इंग्लैंड के खिलाफ गुरुवार से शुरू होने वाले दूसरे दिन रात्रि एशेज टेस्ट क्रिकेट मैच में अपना विजय अभियान जारी रखने की कोशिश करेगी।

इंग्लैंड ने 1986 के बाद से गाबा में कोई एशेज टेस्ट नहीं जीता है। वह 2010-11 श्रृंखला के बाद से ऑस्ट्रेलियाई धरती पर अपनी पहली जीत हासिल करने की तलाश में भी है। ऑस्ट्रेलिया का दिन रात्रि टेस्ट मैच में रिकॉर्ड अच्छा है लेकिन वह इस बात को भूल नहीं सकता कि वह पिछले साल जनवरी में गाबा में वेस्टइंडीज से आठ रन से हार गया था। गाबा ऐसा मैदान है, जहां ऑस्ट्रेलिया की टीम दशकों से लगभग अपराजेय रही है।

आंखों के नीचे काली पट्टी बांधकर खेलेंगे स्टीव स्मिथ

पैट कमिंस की अनुपस्थिति में ऑस्ट्रेलिया की टीम की कमान संभालने वाले स्टीव स्मिथ इस मैच में किसी भी तरह की कसर नहीं छोड़ना चाहते हैं और इसलिए उन्होंने अपनी आंखों के नीचे काली पट्टी बांधने का फैसला किया है ताकि वह दूधिया रोशनी में अच्छी तरह से बल्लेबाजी कर सकें। उन्होंने इसके लिए बाकायदा वेस्टइंडीज के पूर्व बल्लेबाज शिवनारायण चंद्रपाल से सलाह भी ली है। चंद्रपाल अक्सर आंखों के नीचे काली पट्टी लगाकर खेला करते थे। आमतौर पर दूधिया रोशनी में खेलने वाले फुटबॉलरों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली काली पट्टियां स्मिथ की इस कोशिश का हिस्सा हैं कि वे बदलती रोशनी में इंग्लैंड के गेंदबाजी आक्रमण का गुलाबी गेंद से अच्छी तरह से सामना कर सकें।

आईसीसी वनडे रैंकिंग

विराट ने लगाई छलांग, पहुंचे चौथे स्थान पर, गिल को नुकसान

एजेंसी ▶▶ दुबई

विराट कोहली दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रांची में पहले एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में मैच विजयी शतकीय पारी की बदौलत बुधवार को जारी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की नवीनतम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में चौथे स्थान पर पहुंच गए। कोहली ने रविवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 120 गेंद में 135 रन की पारी खेली, जो 50 ओवर के प्रारुप में उनका 52वां शतक था। उनकी पारी की बदौलत भारत ने 17 रन से जीत दर्ज की। सैंतीस साल के कोहली के अब 751 रैंकिंग अंक हैं। वह शीर्ष पर बरकरार पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा (783), न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल (766) और अफगानिस्तान के इब्राहिम जादरान (764) से पीछे हैं।

कोहली ने गिल को पीछे छोड़ा

कोहली ने भारत के एकदिवसीय कप्तान शुभमन गिल को पीछे छोड़ा जो गर्दन की चोट के कारण दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैच की मौजूदा श्रृंखला से बाहर होने के कारण पांचवें स्थान पर खिसक गए। भारत के सीमित ओवरों के मुकाबलों के ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान लगी चोट से उबर रहे श्रेयस अय्यर नौवें स्थान पर बने हुए हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले मैच में चार विकेट चटकाने वाले बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव गेंदबाजों की सूची में एक स्थान के फायदे से छठे पायदान पर हैं। टेस्ट बल्लेबाजों की सूची में भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल नौवें स्थान पर बने हुए हैं जबकि गिल एक स्थान के नुकसान ने 12वें पायदान पर हैं। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत भी 12वें से 14वें स्थान पर खिसक गए हैं।

879 अंक के साथ शीर्ष पर बरकरार बुमराह

टेस्ट गेंदबाजों की सूची में भारत के शीर्ष तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह 879 अंक के साथ शीर्ष पर बरकरार हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी (846) पर 33 अंक की बढ़त बना रखी है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो मैच की टेस्ट श्रृंखला में कमजोर प्रदर्शन के बाद तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज 11वें से 13वें जबकि कुलदीप 13वें से 15वें स्थान पर खिसक गए। टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में भारत के अभिषेक शर्मा और वरुण चक्रवर्ती ने क्रमशः बल्लेबाजों और गेंदबाजों की रैंकिंग में अपना शीर्ष स्थान कायम रखा है।

प्रीमियर लीग

एर्लिंग हालैंड ने बनाया रिकॉर्ड 111वें मैच में दागा 100वां गोल

लंदन। एर्लिंग हालैंड ने इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल टूर्नामेंट में सबसे कम मैच में 100 गोल करने का नया रिकॉर्ड बनाया, जिससे मैनचेस्टर सिटी ने फुलहम की अच्छी वापसी के बावजूद 5-4 से जीत दर्ज की। हालैंड ने खेल के 17वें मिनट में अपनी टीम की तरफ से पहला गोल करके गोल का शतक पूरा किया। यह उनका प्रीमियर लीग में 111वां मैच था और इस तरह से वह इस प्रतियोगिता में सबसे कम मैच में 100 गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए। उन्होंने इंग्लैंड के दिग्गज एलन शीयर का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 124 मैचों में यह उपलब्धि हासिल की थी। मैनचेस्टर सिटी की टीम ने एक समय 5-1 से बढ़त बना रखी थी लेकिन इसके बाद फुलहम ने शानदार वापसी की। वह इंजरी टाइम में बराबरी का गोल करने की करीब पहुंच गया था लेकिन जोश किंग का प्रयास विफल हो गया।

महिला नेशंस लीग

56 हजार दर्शक मौजूदगी में स्पेन ने जर्मनी को हराया

मैड्रिड। क्लाउडिया पिना के दो गोल की बदौलत स्पेन ने महिला नेशंस लीग के फाइनल के दूसरे चरण में जर्मनी को 3-0 से हराकर अपना खिताब बरकरार रखा। एटलेटिको मैड्रिड के मेट्रोपोलिटानो स्टेडियम में खेले गए इस मैच में लगभग 56 हजार दर्शक मौजूद थे, जो घरेलू मैदान पर स्पेनिश टीम के लिए एक रिकॉर्ड है। इन दोनों टीम के बीच फाइनल का पहला चरण गोलरहित बराबरी पर छूटा था। इस कारण दोनों टीम के लिए दूसरे चरण का मैच महत्वपूर्ण बन गया था। स्पेन ने शुरू से ही मैच पर दबदबा बना दिया था। उसकी तरफ से पिना के अलावा विक्की लोपेज ने भी गोल किया। स्पेन की टीम इस मैच में तीन बार की बैलन डीओर विजेता ऐताना बोनमाटी के बिना उतरी थी, जो रविवार को अभ्यास के दौरान चोटिल हो गई थी।

नगर निगम, राज्य सरकार से जवाब तलब

नाले के गंदे व विषैले पानी से सब्जी उगाने के मामले में हाईकोर्ट ने लिया संज्ञान

जबलपुर। नाले के गंदे व विषैले पानी से सब्जी उगाने के मामले में मप्र हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेकर जनहित याचिका दायर की है। इस पर बुधवार को सुनवाई हुई। चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा व जस्टिस विनय सराफ की डिवीजन बेंच ने सरकार व नगर निगम से पूछा कि नाले व घरों से निकलने वाले सीवेज वाटर के ट्रीटमेंट के संबंध में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल द्वारा गठित समिति की अनुशंसाओं पर क्या कार्रवाई की गई। इस संबंध में सरकार व निगम प्रशासन को हलफनामा पेश करना है। अगली सुनवाई 18 दिसंबर को निर्धारित की है।

मामले पर सुनवाई के दौरान कोर्ट मित्र वरिष्ठ अधिवक्ता रामेश्वर सिंह ठाकुर व पुष्पेंद्र शाह ने कोर्ट को बताया कि एनजीटी द्वारा गठित संयुक्त जांच समिति ने जबलपुर शहर के नालों

की स्थित एवं नालों के वॉटर ट्रिटमेंट के सम्बन्ध में रिपोर्ट प्रस्तुत की है। जबलपुर में 174 मेगालीटर प्रतिदिन वेस्ट वॉटर नालों में जाता है, जिसमें से नगर निगम द्वारा 13 सीवेज प्लांट्स के जरिए केवल 58 मेगालीटर प्रतिदिन पानी का ट्रीटमेंट किया जाता है। यह पानी नर्मदा तथा हिरन नदी में मिलाया जाता है। कोर्ट को बताया गया कि प्लांट्स की कुल क्षमता 154.38 मेगालीटर प्रतिदिन की है। इसके लिए समय-समय पर करोड़ों रुपए की राशि का आवंटन भी किया गया है। हाल ही में नगर निगम जबलपुर को अमृत 2.0 (सीवर) योजना अंतर्गत 1202.38 करोड़ राशि स्वीकृत हुई है। कोर्ट मित्र ने बताया कि खुले नालों को कवर्ड करके और पानी का ट्रीटमेंट करके शहर से बाहर भेजकर नदी में मिलाया जाना चाहिए। समिति ने भी यही सिफारिश की है।नाले के गंदे पानी से सब्जियां उगाए जाने के रवैये को आड़े हाथों लिया। कोर्ट ने समाचारों पर संज्ञान लेते हुए मामले की जनहित याचिका के रूप में सुनवाई प्रारंभ की। इसी के साथ कलेक्टर सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब-तलब कर लिया।

यहां हो रही विषैली खेती

जबलपुर में कछपुरा व विजय नगर से लेकर कचनारी व आसपास के क्षेत्र में ओमती नाले के गंदे पानी से सब्जी उगाई जाती हैं। इसी तरह गोहलपुर से लेकर बेलखाड़ु के बघौड़ा व आसपास के कुछ गांवों में मोती नाले के संक्रमित पानी का उपयोग सब्जियों की खेती में किया जा रहा है। नाले के गंदे पानी में घुलनशील विषैले तत्व लोगों की सेहत को खतरे में डाल रहे हैं। इस तरह की खेती पर अंकुश लगाने की मांग लंबे समय से उठ रही है, लेकिन जिन अधिकारियों पर कार्रवाई की जिम्मेदारी वे इससे बच रहे हैं। सभी विभाग एक दूसरे पर ठीकरा फोड़ रहे हैं।

27 वर्ष दैनिक मजदूरी के बाद नियमितिकरण की मांग पर नोटिस

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने 27 वर्ष दैनिक मजदूरी के बाद नियमितिकरण की मांग संबंधी याचिका पर जवाब-तलब कर लिया है। जस्टिस मनिंदर सिंह भट्टी की सिंगल बेंच ने इस सिलसिले में राज्य शासन व नगर पालिका परिषद, पनागर को नोटिस जारी किए हैं। याचिकाकर्ता पनागर निवासी रमेश कुमार व्यास की ओर से अधिवक्ता असीम त्रिवेदी ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि याचिकाकर्ता पनागर नगर पालिका परिषद में पम्प आपरेटर के रूप में 1991 से 2017 तक सेवा देता रहा। 2017 में 62 वर्ष की आयु का हवाला देकर सेवानिवृत कर दिया गया। इस दौरान महज एक लाख 68 हजार भविष्य निधि का भुगतान किया गया। इसके अलावा सेवानिवृत्ति प्रमाण पत्र व अन्य कोई भुगतान नहीं दिया गया। लिहाजा, वह साथी कर्मचारियों की तरह नियमितीकरण, पूर्ण वेतन भत्ते, पेंशन और अन्य लाभों की मांग की है। 2016 के सरकारी सर्कुलर के तहत स्थायी पद का दर्जा देने पर भी बल दिया है।

विद्युत वितरण कंपनी सहित अन्य को नोटिस

हाईकोर्ट ने छटवीं बार किए गए स्थानांतरण पर लगाई रोक

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने कर्मी का छटवीं बार किया गया स्थानांतरण अनुचित पाते हुए रोक लगा दी। जस्टिस मनिंदर सिंह भट्टी की सिंगल बेंच ने इस अंतरिम आदेश के साथ ही मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी, भोपाल के प्रबंध संचालक, मुख्य महाप्रबंधक, मानव संसाधन व प्रशासन, मुख्य अभियंता, भोपाल क्षेत्र को नोटिस जारी कर जवाब मांगा।

याचिकाकर्ता मप्र मध्य क्षेत्र विवि कंपनी, संचालन एवं संधारण, राजगढ़ में प्रबंधक, मानव संसाधन के पद पर कार्यरत धीरज कुमार चौरे की ओर से दलील दी गई कि याचिकाकर्ता को 2019 से अब तक पांच बार स्थानांतरण आदेश थमाया गया है। पहले राजगढ़ से नर्मदापुरम, फिर नर्मदापुरम से विदिशा, फिर विदिशा से बैतूल और बैतूल से शिवपुरी इसके बाद शिवपुरी से राजगढ़ और अब राजगढ़ से भिंड स्थानांतरण किया गया है। यह स्थानांतरण बिना किसी प्रशासनिक दृष्टिकोण एवं आवश्यकता के किया गया। हद तो तब हो गयी जब राजगढ़ से भिंड पूर्वाग्रह से ग्रसित होकर स्थानांतरण किया गया। प्रशासनिक आवश्यकता के आधार पर स्थानांतरण का मतलब है कि एक कर्मचारी को सार्वजनिक हित या विभाग के सुचारू संचालन जैसे प्रशासनिक कारणों से स्थानांतरित किया जा सकता है। हालांकि, यह अधिकार असीमित नहीं है और स्थानांतरण आदेशों को दुर्भावनापूर्ण या परिचालन दिशानिर्देशों का उल्लंघन नहीं होना चाहिए। स्थानांतरण जनहित में तभी माना जाएगा जब वह प्रशासनिक आवश्यकता पर आधारित हो, न कि केवल कर्मचारी के अनुरोध पर। किसी कर्मचारी के अनुरोध पर याचिकाकर्ता को अपनी वर्तमान पद स्थापना से 565 किलोमीटर दूर फेक देना सरासर दुर्भावना को दर्शाता है।

एनजीटी ने गिद्धों की घटती आबादी पर मांगा जवाब

जबलपुर। राष्ट्रीय हरित अधिकरण, एनजीटी ने मध्य प्रदेश और राजस्थान में गिद्धों की घटती आबादी पर स्वतः संज्ञान लेकर जनहित याचिका के रूप में सुनवाई शुरू की। इसी के साथ पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, महानिदेशक वन, वन्यजीवन, वाइल्ड लाइफ इंस्टिट्यूट आफ इंडिया, देहरादून व जूलॉजिकल सर्वे आफ इंडिया, कोलकाता को नोटिस जारी किए। सभी को आगामी सुनवाई तिथि 26 फरवरी से पूर्व शपथ पत्र पर जवाब प्रस्तुत करने कहा गया है। एनजीटी ने देश में गिद्धों की तीव्र कमी और लगभग विलुप्ति की स्थिति पर चिंता व्यक्त की है। सर्वेक्षणों के अनुसार, देश के 72 प्रतिशत क्षेत्रों से गिद्धों की आबादी समाप्त हो चुकी है। पूर्व अभिलेखों में गिद्ध 425 क्षेत्रों में पाए जाते थे, जबकि अब देश में केवल 67 स्थानों पर ही उनकी उपस्थिति दर्ज है। वर्तमान में गिद्धों की आबादी मुख्य रूप से राजस्थान (25 स्थान) और मध्य प्रदेश (29 स्थान) में केंद्रित है। देश के 96 गिद्ध-क्षेत्रों में से 41 क्षेत्र इन्हीं दोनों राज्यों में आते हैं। एनजीटी ने पाया कि यह मामला जैव विविधता अधिनियम, 2002 के संभावित उल्लंघन की ओर संकेत करता है और पर्यावरणीय मानकों के अनुपालन से जुड़े गंभीर प्रश्न उठाता है। एनजीटी ने सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय म्युनिसिपल कारपोरेशन आफ ग्रेटर मुंबई बनाम अंकीता सिन्हा एवं अन्य का संदर्भ भी दिया, जिसमें ट्रिब्यूनल की स्वतः संज्ञान लेने की शक्ति को मान्यता प्रदान की गई है।

हाईकोर्ट बार में डा. राजेंद्र प्रसाद की फोटो का अनावरण

जबलपुर। राष्ट्रीय अधिवक्ता दिवस के उपलक्ष्य में बुधवार को हाई कोर्ट बार एसोसिएशन, जबलपुर के रजत जयंती आदर्श सभागार में संविधान सभा के अध्यक्ष भारत के प्रथम राष्ट्रपति अधिवक्ता डा. राजेंद्र प्रसाद की फोटो का अनावरण हुआ। दरअसल, डा. राजेंद्र प्रसाद की जयंती प्रतिवर्ष अधिवक्ता दिवस के रूप में मनाई जाती है। कार्यक्रम के संचालक हाई कोर्ट बार के सचिव परितोष त्रिवेदी ने बताया कि डा. राजेंद्र प्रसाद का फोटो क्रीड़ा परिषद के अध्यक्ष अधिवक्ता डा. प्रशांत मिश्रा ने भेंट किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता हाई कोर्ट बार के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमित जैन ने की। उन्होंने डा. राजेंद्र प्रसाद के व्यक्तित्व-कृतित्व को रेखांकित किया। इस दौरान डा. प्रशांत मिश्रा, दीपक सिंह, दीपेंद्र मिश्रा, ओपी पटेल, मनोज सिंह, संजीव चंसोरिया, नीतिराज व विपुल जैन सहित अन्य अधिवक्ता मौजूद थे।

दुर्घटना : शहपुरा के खेत में पलटी गाड़ी

ईको कार की टक्कर से 1 की मौत, 2 घायल

हरिभूमि जबलपुर।

शहपुरा थाना क्षेत्र में देर रात एक भीषण सड़क दुर्घटना ने पूरे इलाके को दहला दिया। अपने गांव लौट रहे 35 वर्षीय युवक शेख आजाद की तेज रफ्तार ईको कार की टक्कर से मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कार में सवार एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है। शहपुरा पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार, शेख आजाद पिता शेख सुराब, निवासी अहमदपुर (चारगांव थाना), मंगलवार रात शहपुरा से अपने घर की ओर बाइक से लौट रहे थे। जैसे ही वह शहपुरा-चारगांव

मार्ग पर पहुंचे, उसी दौरान तेज रफ्तार से आ रही एक ईको कार ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार हवा में उछलकर वहीं सड़क किनारे गिर पड़े और ईको कार अनियंत्रित होकर पास के खेत में जा पलटी। कार में तीन लोग सवार थे। पलटने के दौरान एक युवक घायल होकर खेत में जा गिरा, जबकि अन्य दोनों ने किसी तरह बाहर निकलकर दूरी बना ली। स्थानीय ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी और मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

सूचना मिलते ही 108 एंबुलेंस और शहपुरा थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। मेडिकल टीम ने जांच कर शेख आजाद को मृत घोषित कर दिया। घायल कार सवार को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है। पुलिस ने ईको कार चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने का मामला दर्ज कर लिया है। साथ ही दुर्घटना के सटीक कारणों की जांच की जा रही है क्या गाड़ी की रफ्तार अधिक थी, क्या चालक नशे में था या कोई तकनीकी खराबी हुई थी, इन सभी पहलुओं पर पुलिस बारीकी से पड़ताल कर रही है।

घटना से अहमदपुर गांव में मातम का माहौल है। परिवार के मुताबिक, शेख आजाद परिवार के महत्वपूर्ण सदस्य थे और रोजमर्रा की जरूरतों के लिए मेहनत मजदूरी करते थे। देर रात घर लौटते समय हुई यह दुर्घटना पूरे परिवार पर गहरा आघात है। शहपुरा पुलिस ने कहा कि सड़क सुरक्षा और रफ्तार पर नियंत्रण के लिए सड़क पर विशेष निगरानी बढ़ाई जा रही है, ताकि ऐसी घटनाओं में कमी लाई जा सके।

583 ग्राम गांजा जब्त

पनागर व सिहोरा पुलिस ने पकड़े गांजा तस्कर

जबलपुर। पनागर और सिहोरा पुलिस ने मादक पदार्थ गांजे के कारोबार में लिप्त दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से 583 ग्राम गांजा जब्त किया है। पनागर थाना प्रभारी विपिन तामकार से प्राप्त जानकारी के अनुसार गत दिवस पेट्रोलिंग के दौरान बरा मोहल्ला कंदराखेड़ा में बजरंगबली मंदिर के पास गांजा लेकर खड़े परियट पनागर निवासी 77 वर्षीय रामकृपाल पटेल को गिरफ्तार कर उसके पास से 227 ग्राम गांजा जब्त किया। इसी तरह सिहोरा थाना प्रभारी विपिन बिहारी सिंह ने बताया कि गत दिवस पैट्रोलिंग के दौरान ग्राम बरगी रोड तिराहे के पास बरगी सिहोरा निवासी 33 वर्षीय विवेक तिवारी को गिरफ्तार कर उसके पास से 356 ग्राम गांजा जब्त किया। पुलिस ने दोनों आरोपियों के विरुद्ध धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की गई।

कोरोना काल में हुए राशन घोटाले के खिलाफ दायर याचिका निराकृत

जबलपुर। कोरोना काल के दौरान हुए करीब 100 करोड़ रु के राशन घोटाला के खिलाफ दायर याचिका मप्र हाईकोर्ट ने निराकृत कर दी। बुधवार को चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा व जस्टिस विनय सराफ की डिवीजन बेंच ने कहा कि मामले में संयुक्त जांच समिति की सिफारिश पर राज्य सरकार ने दोषियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवा दी है। इसलिए कोर्ट अब आगे कोई भी निर्देश नहीं दे सकता है।

कोर्ट ने कहा
दोषियों पर हो चुकी एफआईआर, अब आगे नही दे सकते कोई निर्देश

अधिवक्ता विनोद सिसोदिया ने यह जनहित याचिका दायर की थी। उनकी ओर से अधिवक्ता मनीष वर्मा ने कोर्ट को बताया कि कोविड-19 के दौरान जब गरीबों को अतिरिक्त राहत देने की जरूरत थी, उस समय संबंधित अधिकारियों ने सिस्टम में खाद्यान्न की मात्रा घटा दी। जिससे हजारों लाभार्थियों को पूरा राशन नहीं मिल सका। यह आरोप भी लगाए कि गरीबों के लिए भेजे गए गेहूं, चावल, नमक, शक्कर और केरोसिन जैसे उत्पादों को अधिकारियों ने अपनी पर्सनल आईडी का दुरुपयोग करके खाद्यान्न को खुले बाजार में बेच दिया। इस मामले में शिकायत भी की गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई तो हाईकोर्ट की शरण ली गई। बुधवार को सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से उप महाधिवक्ता विवेक शर्मा ने कोर्ट को बताया कि घोटाला की जानकारी मिलने पर सरकार ने संयुक्त जांच समिति गठित की। जांच में प्रथमदृष्टया आरोप सही पाए गए। इसके बाद जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई गई। इस पर कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता द्वारा चाही गई राहत पूरी हो चुकी है। लिहाजा अब मामले पर आगे सुनवाई करना उचित नहीं है। कोर्ट ने याचिकाकर्ता को स्वतंत्रता दी कि जिनके खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई है, उन पर कारवाई के लिए पुनः याचिका दायर की जा सकती है।

शातिर बदमाश संजू पटेल एन.एस.ए. में गिरफ्तार

जबलपुर। रांझी थाना क्षेत्र के एक शातिर बदमाश संजू पटेल को पुलिस ने राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। आरोपी के खिलाफ 27 अपराध पंजीबद्ध है। थाना प्रभारी रांझी उमेश गोल्हानी ने बताया कि पुरानी बस्ती विश्वकर्मा मोहल्ला निवासी 25 वर्षीय संजू पटेल वर्ष 2017 से लगातार अपराध कर रहा था। उसके खिलाफ हत्या का प्रयास, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम, अवैध वसूली, चोरी, आबकारी, आर्म्स एक्ट, मारपीट आदि के 27 अपराध पंजीबद्ध है, उसके आचरण पर कोई सुधार नहीं आने पर पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय ने एनएसए का प्रतिवेदन जिला दंडाधिकारी राघवेंद्र सिंह के समक्ष प्रस्तुत किया, जहां से वारंट जारी होने के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

संभागायुक्त ने धान उपार्जन केंद्र, पराली प्रबंधन और निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण

जबलपुर। संभागायुक्त धनंजय सिंह ने पाटन विकासखंड के श्री वेयरहाउस सोनतलाई में धान उपार्जन व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन के अनुसार सभी व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की जाएँ, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कंतोरा के आंगनवाड़ी केंद्र का भी भ्रमण किया, जहाँ बच्चों की उपस्थिति, पोषण आहार, टीकाकरण और स्वास्थ्य निगरानी की स्थिति की जानकारी ली तथा सुधार के निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने माध्यमिक शाला कंतोरा का निरीक्षण कर शिक्षकों को विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर में सुधार लाने और खेल-संबंधी व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के निर्देश दिए। संभागायुक्त ने उप स्वास्थ्य केंद्र रानीताल का भी निरीक्षण किया और स्वास्थ्य अमले को बीमारियों की रोकथाम, निगरानी एवं एएनसी पंजीयन समय पर सुनिश्चित करने के लिए कहा। सोनतलाई में उन्होंने पराली प्रबंधन कार्यों का अवलोकन किया और किसानों तथा

संग्रहण एजेंसी से चर्चा की। इस दौरान उन्होंने बेलर, हैप्पी सीडर और सुपर सीडर जैसे उपकरणों का निरीक्षण किया। अंत में उन्होंने पाटन के ग्राम सकरा में करीब 38 करोड़ रुपये की लागत से निर्माणाधीन सांदीपनि विद्यालय का निरीक्षण किया और निर्माण एजेंसी को गुणवत्ता व समय-सीमा का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह, जिला पंचायत सीईओ अभिषेक गहलोत, एसडीएम मानवेन्द्र सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में दिए सख्त निर्देश

"सफाई व्यवस्था पर नहीं होगा कोई समझौता" : महापौर

जबलपुर। शहर की सफाई, सौंदर्यीकरण और राजस्व वृद्धि को लेकर महापौर श्री अन्नू ने नगर निगम के 5 प्रमुख विभागों की लगभग 5 घंटे की मैराथन समीक्षा बैठक ली। महापौर ने साफ कहा कि सफाई व्यवस्था में किसी भी स्तर पर ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी और गंदगी मिलने पर अधिकारियों, कर्मचारियों व ठेकेदारों पर कड़ी कार्रवाई होगी।

महापौर ने स्वास्थ्य विभाग को बीटवार प्लानिंग, सफाई मित्रों एवं मशीनरी संसाधनों के व्यवस्थित उपयोग और नाइट स्वीपिंग को मजबूत व विस्तारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पर्याप्त संसाधन होने के बावजूद यदि गंदगी दिखी तो जिम्मेदारों पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी। राजस्व बढ़ाने के लिए महापौर ने राजस्व व बाजार विभाग को दुकानों के किराये की वसूली, नया बाजार प्रबंधन और आय बढ़ाने के अन्य उपायों पर कार्य करने के निर्देश दिए। भवन शाखा को साफ निर्देश दिए गए कि नागरिकों के नक्शे पास करने में कोई अनावश्यक रुकावट नहीं होनी चाहिए और सभी लंबित प्रकरणों का त्वरित निराकरण किया जाए। सिटी ब्यूटीफिकेशन को लेकर महापौर ने प्रकाश, उद्यान, लोककर्म और स्वास्थ्य विभाग को संयुक्त रूप से काम करने को कहा। उन्होंने घोषणा की कि अगले 3 महीनों में शहर के सभी प्रमुख प्रवेश मार्गों का ऐतिहासिक कायाकल्प किया जाएगा, जहाँ आकर्षक एंट्री प्वाइंट तैयार किए जाएंगे, जो संस्कारधानी की पहचान को दर्शाएंगे। बैठक में अपर आयुक्त, उपायुक्त, कार्यपालन यंत्री सहित सभी विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक- डॉ. हिमांशु द्विवेद्वी RNI No. : MPHIN/2008/24240